हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

13 मार्च, 1980

खंड 1, अंक 9

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 13 मार्च, 1980

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(9)1
वाक आउट	(9)6
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(9)10
अतांराकित प्र न एवं उत्तर	(9)17
गैर सरकारी कार्य– 1. गैर सरकारी बिल (इंट्रोड्युस्ड–सदन की अनुमति से) दि पंजाब ग्राम पंचायत (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1980 2. गैर सरकारी संकल्प– पिछड़ी श्रेणियों की आर्थिक तथा सामाजिक द ाा सुधारने सम्बन्धी	(9) 24 (9) 25

वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री जय नारायण वर्मा द्वारा	(9) 50
गैर–सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(9) 51
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– चौधरी राम कि ान द्वारा	(9) 54
गैर–सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(9) 54
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री जय नारायण वर्मा द्वारा	(9) 83
गैर–सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ) (चर्चा असमाप्त)	(9) 83

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 13 मार्च, 1980

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9:00 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : साहेबान, अब सवाल होंगे।

Recruitment made in the Marketing Board

***1570. Dr. Mangal Sein:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) Whether any recruitment of employees was made in the Haryana Marketing Board during the last calendar year; if so, the number thereof;

(b) whether it is a fact that the services of more than two hundred employees out of those referred to in part (a) above were terminated during the same period; and

(c) whether the employees referred to in part (b) above have given any memorandum to the Government: if so, the action, if any, taken thereon?

कृशि मंत्री(सरदार तारा सिंह):

(क) वर्श 1979 में 351 कर्मचारियों की भर्ती की गई थी।

(ख) इसी वर्श में 245 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया था।

(ग) जी हां। सरकार के पास कुछ ज्ञापन प्राप्त हुये है। निकाले हुये कुछ कर्मचारियों ने हाई कोर्ट में रिट याचिकांए दायर की हुई है। अतः यह मामला सब–जुडिस है।

स्पीकर साहब, चूंकि यह मामला सब–जुडिस है। इसलिये मैं आपसे रिकवैस्ट करूंगा कि आप इस सवाल पर सप्लीमेंटरीज अलाउ न करें क्यौंकि इससे गवर्नमैंट की पोजी ान ऐम्बैरस होगी।

श्री अध्यक्षः यह मामला सब–जुडिस हैं इस बारे में मेरे पास गवर्नमैंट से कल ही सूचना आई है। अगर यह इनफर्मे ान पहले आ जाती तो मैं इस सवाल को अलाउ ही न करता। खैर अब मैं गवर्नमैंट से रिकवैस्ट कंरूगा कि वह आगे से ऐसे मामलों पर इनटाईम सूचना भेज दियाकरे ताकि अगर कोई मामला सब–जुडिस होतो उस पर सवाल ही एडमिट न हो।

डा0 मंगल सैनः * * * * *

श्री अध्यक्षः इस सवाल के बारे में कुछ रिकार्ड न किया जाये।

डा0 मंगल सैनः * * * * *

श्री हीरानन्द आर्यः * * * * *

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, ऐसी सप्लीमेंटरीज तो हो सकती है जो हाई कोर्ट में केस से ताल्लुक न रखती हो?

श्री अध्यक्षः नार्मली प्रैक्टिस यह है और रूल्ज में भी लिखा हुआ है कि जो मामला सब–जुडिस हो, उस पर कोई डिसक ान नहीं हो सकती। (ाोर) I would request the hon. Members on both the sides that decorum and dignity of the House should be maintained and nothing should be said which is either not proper or is not in proper terminology.

डा0 मंगल सैनः * * * * *

श्री अध्यक्षः मैं अपनी रूलिंग कतई चेंज नहीं करूंगा। यह सवाल मैंने इसलिये ऐडमिट किया था कि यह इनफर्मे ान मेरे पास लेट पहुंची कि मामला सब–जुडिस है। अब चूंकि यह मामला सब–जुडिस है इसलिये इस पर कोई सप्लीमैंटरी अलाउ नहीं करूंगा।

डा0 मंगल सैनः * * * * *

श्री अध्यक्षः अगर मुझे इस बारे में गवर्नमैंट से इनफर्मे ान पहले मिल जाती तो मैं इस सवाल को डिलीट कर सकता था। लेकिन चूंकि यह इनफर्मे ान मुझे कल बहुत लेट मिली इसलिये मैं इसकों डिलीट नहीं कर सका। अब मंत्री महोदय

नेसवाल का जवाब दे दिया है लेकिन क्योंकि यह मामला सब–जुडिस है इसलिये इस पर कोई डिसक ान या सप्लीमैंटरी अलाउ नहीं की जा सकती। मैंने गवर्नमैंट से पहले ही रिक्वैस्ट की है कि ऐसे मामलों की इनफर्मे ान इन टाइम भेज दी जाया करे।

श्री हीरा नन्द आर्य: * * * * *

डा0 मंगल सैन: * * * * *

श्री अध्यक्ष: मैं आपको पहले बता चुका हूं कि मैं अपनी रूलिंग कतई चेंज नहीं करूंगा। मैं आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि आप बैठ जांए। (ाोर) अगला सवाल श्री सतवीर सिंह मलिक का है। वे कृपया अपना सवाल पूछें।

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब उससे पहले बाबू मूलचन्द जैन जी का सवाल नं0 1640 है। जिसे मैं उनके बिहाफ पर पुट करना चाहता हूं।

Annual requirement/supply of diesel, kerosene oil and Cement

***1640/ Shri Mool Chand Jain:** Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state:-

(a) the total annual requirement and supply of diesel, kerosene oil and cement in the State during 1976-77, 1977-78, 1978-79 and 1979-80 (to date); and

(b) whether complaints have been received regarding hoarding, black marketing and adulteration of the above said

commodities by the depot-holders; if so, the number of complaints received during 1977-78, 1978-79, and 1979-80(to date) and the action taken thereon?

Mr. Speaker: Extension has been asked for in respect of this question which has been granted. The communication received from the Minister concerned in this connection is as under:-

Interim Reply

Gajraj Bahadur Nagar

Food & Supplies Minister, Haryana

March 12, 1980.

Dear Shri Col. Sahib,

Started Assembly Question No. 1640 has been fixed for reply on 13th March, 1980. This question was received only two days back. Lot of information is required to be collected in connection with this question from the districts pertaining to the years 1976-77, 1977-78, 1978-79 and 1979-80. As it is not possible to collect this information by the due date, I shall be grateful if you could kindly postpone this question and fix it after about a week.

Thanking you,

Yours Sincerely,

Sd./-

(GAJRAJ BAHADUR NAGAR)

Col. Rao Ram Singh,

Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh.

डा0 मंगल सेनः स्पीकर साहब, यह सवाल बड़े सीरियस मामले से संबंधित था (ाोर)।

Mr. Speaker: Please do not challenge every ruling of mine. I will not tolerate it.

Dr. Mangal Sein: Sir, I am not challenging you ruling.

Mr. Speaker: I have already said that extension has been granted to answer this question. मैं ऐक्सटें ान रेयरली ग्रांट करता हूं।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, यह बड़ा गम्भीर मामला है इसलिये अगर यह सवाल आ जाता तो ठीक था।

श्री अध्यक्षः मेरे पास गवर्नमेंट की तरफ से एक रिकवैस्ट आई है कि यह सवाल उसे सिर्फ दो दिन पहले ही मिला है। इस सवाल के लिये डिस्ट्रिक्ट लैवल से इनफर्मे ान कलैक्ट करनी है और यह सम्भव नहीं होगा कि इसका जवाब आज दिया जाये। इसलिये मैंने एक्सटें ान ग्रांट कर दी।

Dr. Mangal Sein: Will it come up after two days?

Mr. Speaker: I have granted the extension for 20 days.

डा0 मंगल सेनः स्पीकर साहब, फिर तो इस पर कोई सप्लीमैंटरी ही नहीं हो सकेगी क्योंकि आपको पता है कि 21 तारीख को हाउस खत्म हो जायेगा।

Mr. Speaker: I have granted 20 days extension. My ruling is final and there can be no discussion on it.

डा0 मंगल सेनः स्पीकर साहब, मेरा निवेदन यह है कि अज पहले ही यह तय कर दिया गया है कि 21 तारीख को सै ान खत्म हो जाएगा तो उसके बाद इस सवाल के जवाब का क्या फायदा होगा?

श्री अध्यक्षः एक मिनिस्टर से रिकवैस्ट आई कि चूंकि डिस्ट्रिक्ट लैवल से 1976–77 से लेकर अब तक की इनफर्मे ान कलैक्ट करनी है इसलिये 30 दिन की ऐक्सटै ान दी जाये । तो उस पर मैंने 20 दिन की ऐक्सटें ान दी है। जवाब आपको इन राइटिंग बाद में मिल जायेगा।

डा0 मगंल सेनः स्पीकर साहब, हम सप्लीमैंटरी नहीं कर पाएंगे और तो कोई बात नहीं है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, डीजल के मामले पर आलरेडी काफी समय दिया जा चुका है और मैंबर्ज को बजट पर डिस्क ान करते वक्त भी इस संबंध में बोलने का काफी समय मिलेगा।

डा0 मंगल सेनः स्पीकर साहब, जब 21 तारीख को हाउस ही ऐडजर्न हो जाएगा तो इसका रिटन जवाब पहुंचाने का कोई फायदा नहीं होगा क्योंकि इस सवाल पर हमें सप्लीमैंटरी पूछने का मौका नहीं मिलेगा।

Mr. Speaker: I am sorry, you are challenging every ruling of mine. It is not good.

Dr. Mangal Sein: Sir, I am not challenging you. I am making a submission only. अगर चैलेंज करना होता तेा मेरे पास और प्रोसिसिज है (ाोर)

Mr. Speaker: If you are trying to threaten me in this way, you are welcome to use each and every process in your power.

Dr. Mangal Sein: Sir, I don't want to challenge your authority (Interruptions.).

Mr. Speaker: There can be no discussion on the ruling of the Chair. Please take your seat. Next question.

Loss caused by Hailstorms

***1511. Chaudhri Satvir Singh Malik:** Will the Ministerfor Revenue be pleased to state:-

(a) the district-wise total acreage of land affected by the hailstorms in the year 1979-80 (upto 15th Jan. 1980.);

(b) the district-wise total amount of loss of crops by the hailstorms during the period mentioned in part (a) above; and

(c) the district-wise total amount of relief, if any, paid to the hailstorm affected people in the State?

राजस्व मंत्री (चौधरी भोर सिंह): विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

STATEMENT

(A) District-wise total acreage of land affectedby the hailstorms in the year 1979-80 (financial year, i.e.,1-4-79 to 15th January, 1980.		
	Name of the District	**Area Affected**
1.	Rohtak	48000 Acres.
2.	Karnal	463 Acres.
3.	Hissar	3300 Acres
	No other district affected	
(B) **District-wise total amount of loss of crops during the period mentioned in (a) above.**		
	Name of the District	Loss in Rs.

1.	Rohtak	22675400
2.	Karnal	463250
3.	Hissar	No loss(Hailstorm was of slight intensity).
(C)**District-wise total amount of relief paid to the affected people**		
	Name of the district	Gratuitous Relief
1.	Rohtak	Rs.9300000
2.	Karnal	Nil
3.	Hissar	Nil

*The case for remission of land holding tax and Abiana with regard to affected areas in Karnal District is under process.

**No gratuitous relief was given as there was no loss to crops.

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब के भाग(बी) में करनाल जिलै में 463250 रूपये का लौस बताया है लेकिन भाग (सी) में जो जवाब दिया है उसमें करनाल जिले में कम्पनसे ान निल बताया है। जब इन्होने रोहतक

जिले के अन्दर कम्पनसे ान दिया है.....(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हुये)।

वाक आउट

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने जो हमारे साथ व्यवहार किया है उसको देखते हुये हम वाक आउट करते है। (ाोर व विघन) (इस समय जनता पार्टी तथा लोकदल के सभी उपस्थित सदस्य सदन से बाहर चले गये।)

तारांकित प्र न संख्या 1511 (पुनरारम्भ)

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, एक सप्ताह पहले भिवानी जिले में और खास करके तो ाम कांस्टीचयुएंसी में करीब 200–200, 250–250 ग्राम के ओले पड़े जिसके कारण फसलों में भी नुक्सान हुआ और बहुत से आदमियों को चोटें आई जिसकी वजह से उन्हे होस्पीटल में दाखिल करवाया गया। क्या यह बात मंत्री जी के नोटिस में है कि वहां पर कितना नुक्सान हुआ है? इसके साथ–साथ मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि जिस तरह से चौधरी देवी लाल जी ने ओलों के नुक्सान की वजह से मुआवजा दिया था क्या उसी तरह से मुआवजा ये भी देने का कश्ट करेगें?

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, इस सवाल का इससे कोई सम्बन्ध नहीं हैं पिछले दिनों कुछ जिलों में ओले पड़े उसका विवरण हम जिला अथोरिटी से मंगवा रहे है। जैसे ही इसका ब्यौरा आ जाएगा उस पर हम आगे कार्यवाही करेगें।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया। मैने तो यह पूछा था कि जोउस समय की जनता पार्टी की सरकार का फैसला था उस फैसले को यह सरकार मानेगी या उसको रिवाइज करेगी?

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब,चौधरी देवी लाल जी का फैसला कोई रूल नहीं है। उस वक्त हालत ऐसी थी कि सारे हरियाणा में ओले पड़ गये थे जिनके कारण किसानों को बड़ी कठिनाईयों का सामना करनापड़ा इसलिये वह राहत दी गई थी। पिछले साल 394764 एकड़ एरिया ओले पड़े थे और काफी ज्यादा तबाही हुई थी इसलिये उस सरकार ने किसानों को मुआवजा देने का फैसला किया था। स्पीकर साहब, छुट–पुट स्थानों पर तो ओले पड़ते ही रहते है। इनके बारे में जब हमारे पास जिला अथोरिटी से सूचना आ जाएगी हम उस पर विचार करेगें।

श्री लहरी सिंह मेहराः अध्यक्ष महोदय, अभी मन्त्री जी ने बताया कि हरियाणा में कुछ जगहों पर ओले पड़े है। स्पीकर साहब उस समय की जनता पार्टी की सरकार ने जो मुआवजा किसानो को दिया था वह आधे किसानों को मिला है और आधे को नहीं मिला। क्या यह सरकार उनको वह पैसा देगी?

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने सवाल को पढ़ा ही नहीं है। सवाल तो यह था कि 1979–80 में (अप–टू 15 जनवरी 1980) ओले पड़ने की वजह से कितनी जमीन

अफैक्ट हूई है। स्पीकर साहब माननीय सदस्य जिन ओलों की बात करते है वे तो 19 फरवरी और 5–6 मार्च, 1979 के पीरियड में पड़े थे। यह पीरियड तो इससे पहले का पीरियड है।उस समय तो सारे हरियाणा में ओले पड़े थे। इसलिये इस सवाल का इससे कोई सम्बन्ध नहीं है।

श्री अध्यक्षः यह सवाल तो 15 जनवरी 1980 तक के पीरियड का है।

श्री लहरी सिंह मेहराः स्पीकर साहब, मै तो 15 जनवरी से पहले की बात कर रहा हूं।

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य तो फरवरी, मार्च, 1979 की बात कर रहे है।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी नेसरकार की पालिसी बताई कि जहां ओलों से नुक्सान हुआ है उनको मुआवजा मिलेगा या नहीं। लेकिन यह कह देना कि उस वक्त तमाम हरियाणा में ओले पड़े थे इसलिये मुआवजा दिया था यह ठीक नहीं है।

श्री अध्यक्षः यदि सरकार ने इस मामले में कोई पोलिसी फार्मलेट कर ली है तो वह बता दे।

चौधरी भोरसिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य के सवालसे तो यह पता लगता है कि ओले हर साल ही पडेंगे।

श्री अध्यक्षः यदि सरकार ने 1979–80 के लिए पालिसी तय कर ली है तो उसका विवरण जरूर बता दें।

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, रिलीफ की कोई परमानैंट पालिसी निर्धारित नहीं की गई है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अकाल के बारे में तीन दनि पहले एक सवाल आया था। उसके जवाब में यह कहा गया था कि हरियाणा में 5 लाख एकड़ भूमि अकालग्रस्त है इसलिए अकाल पीड़ित लोगों कोसहायता देनी संभव नहीं है लेकिन अब मन्त्री जी ने बताया कि हम छुट–पुट जगहों पर ओलावृश्टि होने की वजह से सहायता दे सकते हैतो मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि कौन सी बात ठीक है?

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, मैने यह कहा था कि हम जिला अथोरिटीज से विवरण मंगा रहे है उसके बाद फैसला करेगें।

श्री अध्यक्षः क्या आपके पास 1979–80 का विवरण नहीं है?

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, 1979–80 का विवरण तो है लेकिन माननीय सदस्य तो जो 10–15 दिन पहले ओले पड़े थे उनकी बात कर रहे है।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, माननीय सदस्य तो जो पिछले 10–15 दिन पहले ओले पड़े थे उनकी बात कर रहे हैहम इससम्बन्ध में डैटा इक्ट्ठा कर रहे है और जिस किसान का नुक्सान हुआ है उसको हम जरूर सहायता देने की कोि ा ा करेगें।

श्री लहरी सिंह मेहरा: स्पीकर साहब, पिंछले साल जिन जगहों पर ओले पडे थे उसकी डिटेल तो मन्त्री जी के पास होगी। स्पीकर साहब, उस समय सभी आदमियों को मुआवजे की पेमैट नहीं की गई थी। क्या मंत्री जी बताएंगे कि जो आदमी पेमैन्ट से महरूम रह गये थे उनको अब पेमैन्ट कर दी जाएगी?

चौधरी भोर सिंह: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने इस मामले में पहले कभी मुझे नहीं बताया। मैं खुद इनके जिले में गया था। हो सकता है कुछ ऐसे लोग हो जो वहां से बाहर चले गये हो और उनका ऐड्रैस हमें मालूम न होने की वजह से कोई एकाध रह गया होगा।

चौधरी ई वर सिंह: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने फरमाया कि ओलावृश्टि से पीडित लोगोंकी इमदाद की गई है लेकिन मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जमीन के मालिकों के साथ जो सांझेदार और हिस्सेदार होते है क्या उनको भी इमदाद दी गई या नहीं?

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, वैसे तो सांझेदार कई प्रकार के होते है। कोई नौकर होता है और कोई हिस्सेदार होता है। उस वक्त हिदायतें ये थी कि जो सांझेदार है उनको भी वह पैसा मिलेगा। चौधरी लहरी सिंह जी ने अभी कुरूक्षेत्र के बारे में सवाल पूछा था। स्पीकर साहब, कुरूक्षेत्र जिले में 41 लाख रूपया बांटा गया था।

चौधरी पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बताने की कृपा करेगें कि हिसार जिले के अन्दर जो ओले पड़े है वे कितने गांवो मे पड़े है और उसके लिए कितनी सहायता दी जाऐगी?

चौधरी भोरसिंह : अध्यक्ष महोदय, हिसार जिले में 8 गांवों में ओले पड़े है और उनमे कोई नुक्सान नहीं हुआ है।

चौधरी देसराजः अध्यक्ष महोदय,अभी एक सवाल के जवाब में मन्त्री जी और मुख्य मंत्री जी ने यह फरमाया कि डैटा आने के बाद विचार करेगें कि इमदाद दी जाये या नहीं दी जाये। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जेसे पिछले साल 300 रूपये फी एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया गया था क्या इस साल भी उसी प्रकार से मुआवजा देने का सरकार विचार करेगी?

श्री अध्यक्षः जब तक सरकार के पास पूरी इनफर्मे ान नहीं आ जाती कि कितना डेमैज हुआ है तब तक सरकार कैसे फैसला कर सकती है?

चौधरी देसराजः स्पीकर साहब, पिछले साल 300 रूपये फी एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया गया था। मैं तो सिर्फ यही जानना चाहता हूं कि इस साल भी उतना ही दिया जाएगा या कम दिया जायेगा?

चौधरी भोर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इसका तो मैने पहले ही जवाब दे दिया है कि इस बारे में अभी कोई पोलिसी निर्धारित नहीं की गई।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने बड़े साफ लफ्जों में अपने विचार व्यक्त किये कि हम डैटा इक्ट्ठा करवा रहे है। मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि ये जो डैटा इक्ट्ठा करवा रहे है वह इस सिद्धांत को लेकर इक्ट्ठा करवा रहे है कि उनकी इमदाद करनी है?

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, इमदाद तो जरूर करनी है लेकिन हेलस्टोर्म से जो नुकसान होता है उसकी सूचना तो जरूर इक्ट्ठी करनी पड़ती है।

Mr. Speaker: What makes you doubt about the relief measures of the Government?

Chaudhri Birinder Singh: Because this not a permanent policy (Interruptions).

Shri Surender Singh: Moreover we are not sure about it.

चौधरी भोर सिंहः अध्यक्ष महोदय, ब्यौरा तो वैसे भी इक्ट्ठा करवाया ही जाता है। जिस जगह नुक्सान हुआ है वहां इमदाद तो करेगें लेकिन कितनी करेगें यह फैसला बाद में करेगें।

तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

तारांकित प्र न संख्या 1519, 1575, 1546 तथा 1578

ये प्र न पुछे नहीं गये क्योकि इससमय सम्बन्धित माननीय सदस्य चौधरी जगदी ा कुमार बेनिवाल, श्रीमती डा0 कमला वर्मा, चौधरी संत कवंर तथा श्री गुलजार सिंह कम ाः सदन में उपस्थित नहीं थे।

Conversion ofKaithal Tehsil into District

***1458. Chaudhri Jagjit Singh Pohloo:** Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) Whether there is anyproposal under consideration of the Government to convert Kaithal tehsil into a District; and

(b) if so, the time by which the afore-said proposal is likely to materialize?

राजस्व मंत्री (चौधरी भोर सिंह):

(ए) कैथल को अलग जिला बनाने की मांग सरकार के विचाराधीन है।

(बी) अन्तिम निर्णय कब तक लिया जायेगा इस बारे इस समय कोई निि चत समय नहीं बताया जा सकता।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी जिस चीज को मानकर पब्लिकली एलान करते है, उस चीज को देखते हुये अन्य मंत्री साहेबान उस एलान को हुक्म क्यों नहीं मानते? सी0एम0 साहब ने कैथल को डिस्ट्रिक्ट बनाने का एलान किया था । (व्यवधान)

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री साहब जब कैथल गये थे तो उन्होने कोई आदे ा नहीं दिया था कि कैथल को जिला बना दिया जाए। उन्होने कहा था कि इस पर विचार किया जायेगा।

चौधीर जगजीत सिह पोहलूः स्पीकर साहब, सी0एम0साहब इस वक्त हाउस में हाजिर है। मैं आपके द्वारा उनसे रिक्वैस्ट करूंगा कि कैथल को जिला बनाकर लठ गाड दिया जाये, क्योंकि इन्होने कैथल को जिला बनाने का आ वासन दिया था लेकिन अब ये कहते है कि मामला विचाराधीन है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सी0एम0 साहब ने चूंकि अनाउसं किया था इसीलिये प्रपोजल बनी लेकिन अब यह प्रपेाजल अन्डर कंसीड्रे ान है।

श्री लहरी सिंह मेहराः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने कैथल को जिला बनाने का एलान किया था लेकिन इस एलान के

बाद और जिले तो बन गये है परन्तु कैथल नहीं बना। (व्यवधान) आपने कहा था कि कैथल का ध्यान रखा जायेगा लेकिन रखा नहीं गया। क्या सरकार अब इस तरफ ध्यान देगी?

चौधरी भोर सिंहः तीन जगहों को जिला बनाने के लिये डिमांड आई है– जगाधरी, कैथल और रिवाड़ी। इन तीनों डिमांडज पर विचार किया जायेगा।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, गवर्नमैंट ने जिन गांवों को एक डिस्ट्रिक्ट से निकाल कर दूसरे डिस्ट्रिक्ट में किया है , उन गांवों की पंचायतों से दरखास्तें आईहै कि उनके गांवों को फलां तहसील या फलां डिस्ट्रिक्ट से निकाल कर फलां डिस्ट्रिक्ट या तहसील में भाामिल किया जाये। क्या सरकार इनपंचायतों की ऐप्लीके ान्ज पर विचार करेगी कि उनके गांवों को दूसरे डिस्ट्रिक्ट या तहसील में भाामिल किया जाये?

चौधरी भोर सिंहः अगर सारी पंचायत चाहती है और उनकी दरखास्तें आती हैकिउनके गांव दूसरे जिले या तहसील में बदल दिये जायें तो सरकार उनकी दरखास्तों पर जरूर विचार करेगी।

स्वामी आदित्य वे ाः अध्यक्ष महोदय, अक्सर यह मांग आ रही है कि हर तहसील को जिला बना दिया जाये, मैं इन मांगों को ध्यान में रखते हूये आपसे जानना चाहता हूं कि जिला बनाने के लिए सरकार ने क्या मापदण्ड रखा हुआ है?

चौधरी भोर सिंहः जिला बनाते समय आपसी मेलजोल का ध्यान रखा जाता है, यातायात और प्र ाासनिक सुविधाओं को देखा जाता है और इसके साथ ही साथ, एरिया का भी ध्यान रखाजाता है।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, भूतपूर्व मुख्यमंत्री चौधरी देवी लाल केसमय में डिस्ट्रिक्ट री–आर्गेनाइजे ान कमेटी बनी थी। क्या यह कमेटी अब भी ऐग्जिस्ट करती है? अगर ऐग्जिस्ट करती है तो क्या इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सबमिट कर दी है?

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, 1977 में यह कमेटी बनी थी इस कमेटी के अध्यक्ष भूतपूर्व आई0पी0एम0थे और राव राम नारायण जी इसमें मैंबर थे इन्होने अपनी रिपोर्ट मई, 1978 में सबमिट की थी। यह मामला कैबिनेट में आया था। कैबिनेट ने इस पर विचार किया, लेकिन कैबिनेट इनके विचारो से सहमत नहीं थी। इसके बाद मौजूदा फाइनैंस मिनिस्टर की अध्यक्षता में केबिनैट कीएक सब–कमेटी बनी ताकि दोबारा इस मामले पर विचार किया जाये। इस कमेटी ने 2–3 जिलों के बारे में अपनी रिपोर्ट दी जिस पर अमल भी किया गया। बाकी जिलों के बारे मे मामला कैबिनेट के विचारधीन है। मुख्य मंत्री जी चूंकि दूसरे कामों में व्यस्त थे, इसलिये अभी तक इस बारे में कैबिनेट मीटिंग नहीं हो सकी।

चौधरी पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, रतिया सब–तहसील के आसपास तकरीबन 100 गांव है। क्या मंत्री महोदय रतिया सब–तहसील को तहसील बनाने की कृपा करेगें?

चौधरी भोर सिंहः बिल्कुल नहीं बनाया जा सकता।

सरदार सुखदेव सिंहः स्पीकर साहब, भूतपूर्व मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल ने जो कमेटी बनाई थी उसकी रिपोर्ट में यह प्रपोजल थी कि चौटाला के आसपास जो सब–तहसील है उसको तहसील और तहसील है उसको जिला बनाया जाये। क्या सरकार ने इस रिकमैंडे ान को कैंसिल कर दिया है, अगर नहीं किया है तो क्या सरकार रिकमैंडे ान को मानेगी?

चौधरी भोर सिंहः ऐसी कोई रिकमैंडे ान नहीं है।

श्री लहरी सिंह मेहराः स्पीकर साहब, सरकारने पिछले दिनों कुछ सब–तहसीलें बनाई है लेकिन उन सब–तहसीलों में अभी तक सरकार ने पूरा स्टाफ नहीं भेजा है। क्या मंत्री महोदय वहां पूरा स्टाफ भेजने की कृपा करेगे।

चौधरी भोर सिंहः कुछ स्टाफ तो भेज दिया है कुछ कमी रहती हैं। उसके लिए फाईनैंस डिपार्टमैंट में केस भेजा हुआ है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि ये जो रोज जिलेऔर तहसीले बना रहे है, क्या इसका कभी अन्त भी होगा या ये इसी तरह बनते रहेगें?

श्री अध्यक्षः पापुले ान बढ़ती रहेगी, जिले बनते रहेगें।

चौधरी भोर सिंहः स्पीकर साहब, जब तक दुनिया है, तब तक यह होता ही रहेगां।

तारांकित प्र न संख्या 1468 तथा 1486

ये प्र न पूछे नहीं गये क्योंकि इस समय सम्बन्धित सदस्य श्री हीरानन्द आर्य तथा चौधरी रामलाल वधवा क्रम ाः सदन में उपस्थित नहीं थे।

Ratio of emoluments in the minimum and maximum paid Employees

***1481. Swami Adityavesh:** Will the Minister for Finance be pleased to state-

(a) the ratio of emoluments in the minimum and maximum paid employees of the State Government; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to reduce the ratio to 1:10 amongst the employees as referred to in part (a) above ; if so, the details thereof?

Finance Minister (Lala Balwant Rai Tayal):-

(a) The Maximum and minimum paid employees of the state Services (excluding employees of All India Services) receive total emoluments of Rs. 2900/- p.m. & Rs. 282.20 p.m. respectively, according to thepre-revised scales. This ratio is almost 10:3:1. The ratio islikely to get reduced further on the basis of the final decisions on the recommendations of the Pay Commission.

(b) In view of the reply to (a) above, the reply to part (b) of the question is in the negative.

स्वामी आदित्यवे ा: अध्यक्ष महोदय, वित्त महोदय ने अपने उत्तर मे कहा कि न्यूनतम तथा अधिकतम वेतन में 1:10 का अनुपात है। क्या सरकार इस अनुपात को घटाने के लिए उचित कदम उठाएगी?

लाला बलवन्त राय तायल: कर्मचारियों की तन्खाहों में सं ाोधन करने के लिए पे–कमी ान बैठा हुआ था, इसकी रिपोर्ट लागू होने के बाद भाायद रे ाो कम हो जाये। आपने पूरा जवाब नहीं पढ़ा होगा, पहले इसको पढ़ ले।

स्वामी आदित्यवे ा: अध्यक्ष महोदय, यह बड़ा चिन्तनीय विशय हैं मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इन्होने न्यून्तम तथा अधिकतम वेतन में जो अनुपात 1:10 का बताया है, इसको कम करने के लिए सरकार कौन से कदम उठा रही है। अधिक से अधिक वेतन 2900 रूपये है और कम से कम 282.20 रूपये है।

इस अनुपात को घटाने के लिए सरकार वास्तव में क्या प्रयत्न कर रही है?

श्री अध्यक्षः स्वामी जी ने 1:10 रे ाो कही है इन्होने (मंत्री महोदय ने) 10:3:1 की रे ाो कही है। अगर ऐसा है तो पे–कमी ान की रिपोर्ट पर अमल होने के बाद यह रे ाो और भी कम हो सकती है।

स्वामी आदित्य वे ाः अध्यक्ष महोदय, इन्होने मेरे सवाल के (ख) भाग के उत्तर में 'नहीं' कहा है।

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, जवाब में लिखा है कि कम से कम तन्खाह लेने वाले कर्मचारी को 282.20 रूपये मिलते है और ज्यादा से ज्यादा 2900 रूपये मिलते है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पे–कमी ान की रिपोर्ट में टैक्नोक्रैटस और एच0सी0एस0 औफिसर्ज के ग्रेड में बड़ी भारी असमानता है। क्या मंत्री महोदय उनकी सेवाओं को ध्यान में रखते हूये उस असमानता को दूर करने की ऐ योरैन्स देगें?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, वैसे तो यह प्र न मेन क्वै चन से सम्बन्धित नहीं है लेकिन फिर भी चूंकि जवाब मांगा गया है इसलिये बता देता हूं कि चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी हुईहै। उसकी जब रिपोर्ट आ जाएगी तो विचार किया जाऐगा।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: स्पीकर साहब, कई महकमों के लोग मैमोरैन्डम बांटते फिर रहे है। जेल के महकमे के लोग आज ही मुझे मिलें थें वे कहते है कि हमारे साथ बे–इन्साफी हुई है। जेलों में लीडर्ज को अक्सर जाना ही पड़ता है। तो मैं मन्त्री जी से पूछना चाहता हू कि उनकी सेवाओं को ध्यान में रखते हुये क्या उनके मैमोरेन्डम पर विचार किया जायेगा?

लाला बलवन्त राय तायल: स्पीकर साहब, जेल और पुलिसवालों के ग्रेडज तो हम फाईनल कर चुके है। उन्हे वे दिये भी जा चुके है। उन्हे अब ज्यादा गर्ज नहीं हैऔर न ही उसके बाद वे हमारेपास आते है।

स्वामी आदित्यवे ा: अध्यक्ष महोदय ,मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि अधिकतम और न्यूनतम वेतन निर्धारित करने का क्या मापदण्ड है?

लाला बलवन्त राय तायल: अध्यक्ष महोदय ,आधार तो एजुके ान और काम है।

स्वामी आदित्यवे ा: अध्यक्ष महोदय, यह कोई मापदण्ड नहीं है।

श्री अध्यक्ष: स्वामी जी,वैसे तो पे–कमी ानी इलिये नियुक्त किया गया था कि वह इस बात को ऐग्जामिन कर ले लेकिन मेरा ख्याल है कि आपने इस बारे में काफी स्टडी की है।

आप एक पेपर लिख कर भेज दे ताकि पे–रिविजन कमेटी उसको भी ऐग्जामिन कर ले।

स्वामी आदित्यवे ाः मैं चाहता हूं कि मन्त्री जी भी इस बारे में कुछ बतायें।

श्री अध्यक्षः उन्होने तो बता दिया है कि ऐजुके ान और काम करने की भाक्ति आदि कुछ बाते इसका आधार है। फिर भी फाईनैन्स मिनिस्टर साहब अगर और रो ानी इस पर डालना चाहे तो डाल दें।

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकरसाहब, जब पे–रिविजन वगैरा की ज्यादा मांगे सरकार के पास आती है तो पे–कमी ान बनाया जाता है। सरकार ने पे–कमी ान बनायाजिनकी डिमांडज आई थी उनको उसने सुन लिया। सब बातों पर विचार किया गया और उसके बाद यह फैसला हुआ।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने मेरे अनुपूरक प्र न के उत्तर में बताया कि पे–कमी ान की रिपोर्ट को एक कमेटी स्टडी कर रही हैओर वह कमेटी टैकनोकैट्स के बारे में भी विचार करेगी। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिन विभागों के कर्मचारियों को या औफिसर्ज को ग्रिवैन्सीज है क्या उनको वह कमेटी सुनेगी?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, जो कमेटी बनी है, चीफ सैक्रेटरी उसके चेयरमैन है और तीन सैक्रटरीज

उसके मैंबर है। जितने भी लोगों को पे–कमी ान की रिपोर्ट से ग्रिवैन्सीज है उन्होने रिप्रैजेन्टे ान्जस दिये हुये है।उन सबसे बात करके ही यह कमेटी फैसला करती है।

श्री सुमेर चन्द भट्टः अध्यक्ष महोदय, जब पे–कमी ान बनाया गया होगा, उसको कुछ टर्म औफ रैफरैन्स तो दिया होगा। क्या मंत्री जी बतायेगे कि उस टर्म आफ रैफरैन्स में कोई सो ाल परपज या इकनौमिक आसपैक्ट इंक्लूड किया गया था या सारे का सारा मामला अधिकारियों पर छोड़ दिया गया था?

श्री अध्यक्षः वैसे सवाल तो मिनिमम और मैकिसमम वेजिज का है लेकिन अगर मंत्री जी के पास इसकी इनफर्मे ान है तो वे दे दे।

(इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया)

श्री दीप चन्द भाटियाः स्पीकर साहब, पोलिटिकल आदमियों को जेल मे जाना पड़ता है। जेल के अधिकारी और कर्मचारी हमे ाा यही सोचते है कि पुलिस वालों की निस्बत उनका रूतबा कम कर दिया गया है, क्योकि उनकी तनखाह कम रखी गई है। क्या मंत्री जी इस बात पर विचार करेगें क्योकि हो सकता है फिर कभी जेल में जाना पड़े? (हंसी)

श्री अध्यक्षः इसका मतलब यह हुआ कि जेल वालों की खु ाअसलूबी आप पहले ही हासिल करना चाहते है।

श्री दीप चन्द भाटियाः थोड़ा ध्यान करना ही पड़ेगा।

श्री मांगेराम गुप्ताः स्पीकर साहब, तकरीबन हर डिपार्टमैंट में इंस्पैक्टर्ज की पोस्टस है लेकिन पे–कमी ान की रिपोर्ट से ऐसा पता लगता है कि उन सबका एक ही ग्रेड कर दिया गया है जबकि उनकी क्वालिफिकेि ान्ज और सर्विसिज में बड़ा अन्तर है। क्या यह न्यायपूण्र बात है? अगर नहीं तो क्या मंत्री जी इस अन्याय को दूर करने की कोि ा ा करेगें?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, इस सवाल से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को क्लीयर कर देता हूं। कुछ विभागों से हमारे पास ऐप्लीके ान्ज आई है जिनमें उन्होने कहा है कि उनके साथ थोडा सा न्याय नहीं हुआ है। जिस–जिस विभाग की रिप्रैजन्टे ानज हमारे पास आई हैउनको हमने चीफ सैक्रेटरी साहब के पास भेज दिया है। कमेटी उन पर विचार करेगी। किसी भी विभाग के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जायेगा। अगर कहीं कुछ भूल हो गई है तो उसको दूर करके सबको इन्साफ देगें।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री ने अभी बताया कि जो रिप्रैजेन्टै ाजं आएंगी उन्हे वे चीफ सैक्रेटरी के पास भेज देगें। लेकिन क्या मुख्य मंत्री महोदय बताएंगे कि जो ऐग्रीव्ड क्लास है,चाहे वे टैक्नोकैटस है, चाहे टीचर्ज हैया दूसरे

लोग है, उनको न्याय देने के लिए चीफ सैक्रैटरी के साथ दूसरे मैंम्बर्ज को ऐसोि ाएट किया जायेगा या केवल चीफ सैक्रटरी को ही फाईनल अथोरिटी मानाजायेगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यहां बताया गया है कि चीफ सैक्रेटरी साहब की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है।

Shri Surrender Singh : There are all I.A.S. officers in this Committee. (Interruptions.)

Mr. Speaker: But any body can appear before the Committee. The Finance Minister has said that if anybody wants to put up his case, he can appear before the Committee. (Interruptions).

Shri Surrender Singh: This is a Committee of All I.A.S. officers. (interruptions).

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चीफ सैक्रेटरी साहब की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी हुई हैं । तीन सैक्रटरी उसके मैंबर है। वह कमेटी सारी बातों को देखती है।

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, प्रायः देखने मे आया है कि जब कभी भी वेतन आयेाग गठित किया जाता है तो उच्च वेतन–भोगी लोगों को ही उसका अध्यक्ष या मैंम्बर नियुक्त किया जाता है जो स्वभावतः उच्च वेतन पाने वालों का ही ज्यादा

ख्याल रखते हैं। क्या सरकार निम्न वेतन पाने वाले व्यक्तियों को भी आयोग का सदस्य बनाने का विचार करेगी?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अब तो कमी ान बन चुका है और उसकी रिपोर्ट भी आ चुकी है। आंयदा जब कभी कमी ान बनेगा तो इस बात का जरूर ध्यान रखेगें।

तारांकित प्र न सं0 1540

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री मनीराम, सदन में उपस्थित नहीं थे।

Mr. Speaker: Hon. Members , this is the end of Question Hour because there are no more questions now.

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Industrial Units

339. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Chief Minister be pleased to state;

(a) the dstrict-wise names of Industrial Units which have been given loan and grant during the years 1966-67 to 1979-80 (to-date) deparately; and

(b) the amount of loan and grant given, separately, together with the amount of loan repaid by each of the units referred to in part(a) during the same period and the rate of interest charged from them separately?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): वांछित सूचना एकत्रित करने मै जितना समय और परिश्रम लगेगा, उसके मुकाबले में लाभ कम होगा।

Industrial and Credit Co-operative Societies in the state

340. Chaudhri Ram lal Wadhwa: Will the Minister for cooperationbe pleased to state-

(a) the district-wise names of Industrial and Credit Cooperative Societies in the State, To-date, separately; and

(b) the details of profit/loss ofeach Society as referred to in part (a) above, during theyears 1977-78 to 1979-80 (to-date) togetherwith the present amount of working capital of each society, separately?

सहकारिता तथा योजना मंत्री (ठाकुर बीर सिंह): (ए तथा बी) औद्योगिक समितियों तथा ऋण सहकारी समितियों की जिलावार संख्या 30 जून, 1979 को कम ाः 2970 तथा 3068 है। वर्श 1977–78 तथा 1978–79 में जिलावार लाभ–हानि और 30 जून 1979 तक कार्यकारी पूंजी की तफसील अनुलग्नक ''ए'' तथा ''बी'' पर है। चालू सहकारी वर्श 30 जून, 1980 को समाप्त होगा। अतः वर्श 1979–80 से सम्बन्धित सूचना दी जानी सम्भव नहीं है।

प्रत्येक सहकारी समिति के बारे में कथित सूचना तैयार करने में जो समय और परिश्रम लगेगा उसकी तुलना में उसके उद्दे य का इतना लाभ नहीं होगा।

अनुबन्ध की जिलावार सूचना

राज्य में औद्योगिक सहकारी समितियों

1977—78

क्रम सख्या	जिले का नाम	समितियों की सख्ंया	समितियां लाभ मे		समितियां हानिमें		समितियां बिना लाभ/हानि
			नं0	रा ि ा	नं0	रा ि ा	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	अम्बाला	236	81	0.70	94	2.18	61
2	भिवानी	259	56	1.00	133	1.75	70
3	गुडगांव	337	92	0.70	185	4.49	60
4	हिसार	429	171	2.11	157	3.96	101
5	जींद	131	43	0.31	58	1.13	30
6	करनाल	553	241	3.68	195	11.07	117
7	कुरूक्षेत्र	214	62	0.69	100	1.87	52
8	महेन्द्रगढ	280	28	0.22	178	1.77	74

9	रोहतक	282	73	1.01.	119	0.97	90
10	सोनीपत	195	42	0.42	101	2.05	52
11	सिरसा	140	23	0.22	63	0.92	54
	कुल	3056	912	11.06	1383	32.16	761

अनुबन्ध

राज्य में औद्योगिक सहकारी समितियों की जिलावार सूचना

1978–79

जिले का नाम	समितियों की सख्ंया	समितियां लाभ मे		समितियां हानिमें		समितियां बिना लाभ/हानि	30.6.79 को कार्यकारी पूंजी
		नं0	राि ा	नं0	राि ा		

1	2	3	4	5	6	7	8
अम्बाला	226	73	2.38	67	0.65	86	125.31
भिवानी	251	67	1.19	116	1.18	68	65.11
गुडगांव	332	93	0.95	186	3.20	53	136.08
हिसार	421	197	1.78	135	3.34	89	184.82
जींद	126	49	0.27	46	0.25	31	28.66
करनाल	545	276	4.79	180	13.68	89	401.48
कुरूक्षेत्र	201	67	0.68	89	1.21	45	54.89
महेन्द्रगढ	282	18	0.48	168	1.49	96	47.26
रोहतक	276	87	1.55	110	1.91	79	78.98
सोनीपत	185	52	0.59	99	1.56	31	41.58
सिरसा	125	30	0.58	60	1.81	35	32.83
कुल	2970	1009	15.24	1256	30.27	705	1197.00

अनुबन्ध (ख)

राज्य में ऋण सहकारी समितियों की जिलावार सूचना

1977–78 **1978–79**

क्रम सख्या	जिले का नाम	समिितयों की सख्ंया	समितियां लाभ मे		समितियां हानिमें		समितियां बिना लाभ/हानि	समिितयों की सख्ंया	समितियां लाभ मे		समितियां हानिमें		समितियां बिना लाभ/हानि	30.6.79 को कार्यकारी पूंजी
			नं0	राि T	नं 0	राि T			नं0	राि T	नं0	राि T		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	अम्बा	354	22	323	70	8.	62	341	24	314	67	11.	30	2206

	ला		2	.34		61			4	.69		16		0.34
2	भिवानी	295	122	23.62	115	4.41	58	274	127	22.60	75	6.99	72	1644.56
3	गुडगांव	509	222	28.72	154	10.77	133	500	233	55.18	179	24.79	88	3350.61
4	हिसार	374	183	42.63	169	19.18	22	370	146	52.69	202	21.65	22	3852.64
5	जींद	190	99	14.82	62	6.41	29	189	89	24.00	61	6.64	39	2094.02
6	करनाल	267	171	67.26	75	9.55	21	257	125	71.99	108	18.54	24	4296.50
7	कुरूक्षेत्र	237	155	66.77	55	13.25	27	235	172	67.15	47	8.39	16	3607.55

8	महेन्द्रगढ	175	66	20.70	93	15.58	16	174	110	25.29	46	7.02	18	1979.20
9	रोहतक	301	152	20.61	42	5.55	107	301	94	37.06	84	5.92	123	2458.83
10	सोनीपत	213	86	26.83	70	8.21	57	213	67	27.16	85	5.78	61	1622.65
11	सिरसा	214	157	24.64	48	4.32	9	214	151	31.95	51	6.54	12	2535.04
	कुल	3129	1635	659.94	953	105.84	541	3068	1558	729.76	1005	123.42	505	49501.94

Cooperative Sugar Mills in the State

341. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) the district-wise number of Cooperative Sugar Mills in the State togetherwith their present crushing capacity and the quantity of sugarproduced by each ofthem during the years 1975-76 to 1979-80 (to-date) , separately; and

(b) the profit earned/loss suffered by each of the Sugar Mills during the period as referred to in part(a) above, separately?

सहकारिता तथा योजना मंत्री(ठाकर बीर सिंह): (क तथा ख) सूचना अनूलग्नक 'ए' पर संलग्न है।

(क) जिले का नाम	सहकारी चीनी मिलों की संख्या	वर्तमान पिड़ाई क्षमता	तैयार की गई चीनी		लाख क्विंटलों में		
			1975–76	1976–77	1977–79	1978–78	1979–80
रोहतक	1. रोहतक	1750 टी0सी0डी0 (टन्ज कि ंग डेली)	2.27	2.04	2.65	2.23	0.85

सोनीपत	1. सोनीपत	1250 टी0सी0डी0		0.21 प्रथम ट्रायन रन	1.31	0.94	0.57
करनाल	2. करनाल	1250 टी0सी0डी0		0.63 प्रथम ट्रायल रन	1.31	1.29	0.77
	पानीपत	1800 टी0सी0डी0	1.77	1.59	2.31	1.79	0.75
(ख) सहकारी चीनी मिलों के नाम		लाभ जो कमाया या हानि हुई				रूपये लाखों में	

		1975–76	1976–77	1977–78	1978–79	1979–80
रोहतक		(+)26.58	(–)50.61	(–)94.38	(–)25.94*	(–)30.75
सोनीपत		(–)0.69	(–)192.99	(–)225.09*	(–)117.00*	(–)81.34
करनाल		(–)20.91	(–)241.66	(–)130.91*	(–)92.00*	(–)39.35
पानीपत		(+)16.61	(–)113.36	(–)125.64*	(–)75.00*	(–)52.40

*उन आंकडो को द ार्शाता है जो अस्थाई बैलैंस भीट पर आधारित है और जिनका अभी आडिट होना है।

(+) लाभ द ार्शाता है।

(–) हानि द ार्शाता है।

नोटः– वर्श 1979–80 के सभी आकंडे अस्थाई है क्योकि सीजन अभी समाप्त ही हुआ है और बैंलेस भीट व लाभ तथा हानि लेखे सहकारी वर्श (30–6–80) पूरा होनेके बाद तैयार होगें।

S.Y.L.Canals

342. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the latest position of construction work of S.Y.L. Canals inside the State of Haryana and Punjab to-date together with the amount spent thereon so far; and

(b) the time by which the construction as referred to in part(a)above is likely to be completed?

सिचांई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

(क) हरियाणा में एस.वाई.एल. का कार्य पूरा होने वाला है। पंजाब क्षेत्र में एस.वाई.एल. का कार्य अभी भ्रुरू नहीं किया गया हैं। हरियाणा क्षेत्र में एस.वाई.एल. के कार्य पर अब तक हुआ

खर्चा 26 करोड़ रूपये है। पंजाब क्षेत्र में एस.वाई.एल. के काम के लिए पंजाब को दो करोड रूपये अग्रिम धनरा ि दी गई है।

(ख) हरियाणा क्षेत्र में एस.वाई.एल. का कार्य जून 1980 तक समाप्त हो जाने की सम्भावना है ब ार्ते कि पर्याप्त मात्रा में सीमेंट डीजल और स्टील उपलब्ध हो जाये जो कि आज कल बहुत कम मात्रा में उपलब्ध है। इससमय यह कुछ नहीं कहा जा सकता कि पंजाब क्षेत्र में एस.वाई.एल. का कार्य कब तक पूरा होगा।

गैर–सरकारी कार्य

(1) गैर–सरकारी बिल (इंट्रोटयूस्ड–सदन की अनुमति से)

दि पंजाब ग्राम पंचायत (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1980

श्री अध्यक्षः अब स्वामी आदित्यवे ाजी पंजाब ग्राम पंचायत (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1980 को इन्ट्रोडयुस्ड करने के लिए हाउस से इजाजत लेगें।

स्वामी आदित्यवे ा(हथीन): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि –

दि पंजाब ग्राम पंचायत (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल को प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाये।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि–

दि पंजाब ग्राम पंचायत(हरियाणा अमैंडमैंट) बिल को प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाये।

श्री अध्यक्ष : प्र न है कि

दि पंजाब ग्राम पंचायत(हरियाणा अमैंडमैंट) बिल को प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

स्वामी आदित्यवे ा: अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिल प्रस्तुत करता हूं।

(2) गैर–सरकारी संकल्प

पिछड़ी श्रेणियों की आर्थिक तथा सामाजिक द ा सुधारने सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष: अब श्री जयनारायण वर्मा जी अपना रैजोल्यू ान पे ा करें।

श्री जय नारायण वर्मा(बरवाला): अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन की सेवा में यह प्रस्ताव पे ा करता हूं–

कि यह सदन राज्य सरकार से सिफारि ा करताहै कि व हराज्य में पिछड़ी श्रेणियों की आर्थिक तथा सामाजिक द ाको सुधारने के लिए निम्नलिखित पग तुरन्त उठाये–

(क) हरियाणा लोक सेवा आयोग मे पिछड़ी श्रेणियों को नुमायंदगी दी जाये,

(ख) पिछड़ी श्रेणियों के सम्बन्ध में 3600 रूपये की वार्शिक आय की भार्त हटा दी जाये

(ग) डाक्टरी, इंजीनियरिंग, व्यवसायिक तथा अन्य भौक्षणिक संस्थानों आदि में दाखले के लिए पिछड़ी श्रेणियों के लिए 25 प्रति ात सीटें आरक्षित की जाएं तथा पिछडी श्रेणियों से सम्बन्धित विद्यार्थियों को फीस मुआफी, उदारता से वजीफे देने तथा ऋण आदि देने की सुविधाओं की व्यवस्था की जायें,

(घ) हरिजनकल्याण निगम के आधार पर पिछड़ी श्रेणियों के लिए एक अलग पिछड़ी श्रेणियां विकास निगम स्थापित किया जाये,

(ड़) पिछड़ी श्रेणियों की भलाई के लिए एक अलग पिछड़ी श्रेणियां विभाग कायम किया जाये,

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि यह सदन राज्य सरकार से सिफारि ा करता है कि वह राज्य में पिछडी श्रेणियों की आर्थिक तथा सामाजिक द ाा को सुधारने के लिए निम्नलिखित पग तुरन्त उठाए–

(क) हरियाणा लोक सेवा आयोग में पिछड़ी श्रेणियों को नुमायंदगी दी जाये,

(ख) पिछडी श्रेणियों के सम्बन्ध में 3600 रूपये की वार्शिक आय की भार्त हटा दी जाये

(ग) डाक्टरी, इंजीनियरिंग, व्यवसायिक तथा अन्य भौक्षणिक संस्थानों आदि में दाखले के लिए पिछड़ी श्रेणियों के लिए 25 प्रति ात सीटें आरक्षित की जाएं तथा पिछडी श्रेणियों से सम्बन्धित विद्यार्थियों को फीस मुआफी, उदारता से वजीफे देने तथा ऋण आदि देने की सुविधाओं की व्यवस्था की जायें,

(घ) हरिजनकल्याण निगम के आधार पर पिछड़ी श्रेणियों के लिए एक अलग पिछड़ी श्रेणियां विकास निगम स्थापित किया जाये,

(ड़) पिछड़ी श्रेणियों की भलाई के लिए एक अलग पिछड़ी श्रेणियां विभाग कायम किया जाये,

श्री जय नारायण वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रस्ताव की भूमिका के बारे में चन्द भाब्द हाउस के सामनेअर्ज करना चाहता हूं। अगर भारतीय समाज की रचना की और हम दृश्टि

डाले तो हमारेसमाज की रचना जो की गई थी, वह इस आधार पर की गई थी कि समाज के हर व्यक्ति को सामाजिक तौर पर अपना स्थान दिया जाये। मगर खेद का विशय है कि पैसे की प्रधानता के कारण, भ्ाोशण प्रवृतियों के कारण और अवसरवादिला की प्रभुता के कारण इस कल्पना को समाज के चतूर लोगो ने पूरा नहीं होने दिया। सृश्टि के कलाकारों ने ओर वि वकर्मा ने इस दृश्टि से समाज की रचना नही की थी कि भ्ाूद्र, कमीन कहे जानेवाले व्यक्ति को आर्थिक, सामाजिक तथा नैतिक तौर पर सारे समुदाय द्वारा भ्ाोशित होना पड़ैगा। जब उन लोगों द्वारा इनको दबाया गया तो ऐसी स्थिति में वे कैसे उपर उठ सकते थे। इस दे ा का कोई भ्ाी नागरिक जात पात के आधार पर बंटवारा पसन्द नहीं करेगा। हम नही ंचाहते कि समाज का एक ही व्यक्ति ऊंचा हो और अन्य वर्ग के लोग उपर न उठ सके। सबको समान अवसर प्रदान किये जाने चाहिये। हम बिना जात–पात का समाज, क्लासलैस सोसाइटी इस दे ा में चाहते है परन्तु हमारे समाज की रचना में, भ्ामिका में उस तरह के अवसर प्राप्त नहीं हो रहे है, इसलिये मैं यह प्रस्ताव सदन के सामने लेकर आया हूं। मैं पार्टी लैवल से उपर उठ कर इस सदन के सममुख प्रस्ताव लाया हूं ताकि उन पिछड़े वर्ग के व्यक्तियों को अपने अधिकार मिल सकें। मेरी प्रार्थना है कि सरकार भी पार्टी लाईन से उपर उठ कर इस गम्भीर मामले पर विचार करे और सदन भी इसी तरह से इसके बारे में सिफारि ा करे।

स्पीकर साहब, इस प्रस्ताव के बारे में डिटैल में दो चार बातें सदन के सम्मुख कहना चाहता हूं। पहले तो मैं हरियाणा सरकार द्वारा स्वीकृत पिछडे वर्ग की सूची की जानकारी देना चाहता हूं। इस सूची में एक दो या दस बीस जातियां नहीं है बल्कि 62 पिछड़ी जातियां है । वे इस प्रकार से है–

1 अहेरिया अहेरी, हेरी, नैक, थोरा या तूरी

2 बडा

3. बेवा, हेंसीया हेसी

4. चंगार

5. चिड़ीमार

6. दईया

7. गवरिया, गौरिया या गवार

8. कंजर या कंचन

9. कुरमी

10.नार

11. रेहार, रेहार या रेर

12. कीरथा (समेत कांहग तथा माती)

13. कहार, झीमर, धीवर

14. घासी, घसियारा, घौसी

15. बागरिया

16. रेगार

17. वीवर (जुलाहा)

18. लबाना

19. गोरखा

20. कुम्हार

21. नाई

22. धोबी

23. राय सिख

24. बरवार

25. बराय, तम्बौली

26. बवारागी, बैरागी

27. बट्टा रहा

28. भरभूजा, भर–भाउजा

29. भट, भटरा, दरपाय, रामिया

30. चांग

31. छिम्बा, छिंपी, छिपा, दर्जी

32. डकोट

33. धीमर, मल्लाह, क यप राजपूत

34. फकीर

35. दोसाली, दोसाल

36. ग्वाला, गोयाला

37. गडरिया

38. झांगडी ब्राहाण

39. हज्जाम, नाई

40. जोगी नाथ

41. खाती

42. रचबंद

43. कंगहेडा

44. कचबंद

45. ठठेरा, ससेरा

46. लेखेरा, मनिहार

47. बनजारा

48. मदारी

49. लौहार

50. मौची

51. मिरासी

52. नूनगर

53. नीलबंद

54. भाोरगीर

55. पिंजा, पैंजा

56. सोई

57. सिंगीकाट, सिगी वाला

58. तैली

59. गढी लोहार

60. सुनार जाति

62. कम्बोज

श्री लहरी सिंह मेहराः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में, करनाल और कुरूक्षेत्र में कम्बोज जाति हैउसको भी बैकवर्ड जाति में भाामिल किया जाये।

श्री अध्यक्षः जिन जातियों के नाम आपने पढ़े है, क्या ये सभी बैकवर्ड है?

श्री जय नारायण वर्माः जी हां। यह आफि ायल लिस्ट है जो हरियाणा सरकार ने मानी है ं। जहा तक कम्बोज जाति का सम्बन्ध है उसकों भी अभी पिछले दिनों भाामिल कर लिया हैं । (विघन) इसे सदन के सामने पे ा करने का मकसद मेरा यह है कि हमारी सरकार ने 62 जातियां पिछड़ी हुई मानी है। इन जातियों को सामाजिक, भौक्षणिक और आर्थिक तौर पर दूसरे वर्गो के बराबर लाने के लिए आरक्षण देने की आव यकता महसूस की गई है। हरियाणा के अन्दर ये इतनी ज्यादा जातियां है कि इनकी आबादी हरियाणा में कुल आबादी के एक तिहाई हिस्से के बराबर है। इसलिए इनका जागृत करना स्वाभाविक ही है। जिस तरह से हमारा समाज, सामाजिक तौर पर , आर्थिक तौर पर, राजनीतिक तौर पर तथा भौक्षणिक तौर पर बदलता है, इसी प्रकार से हम इन जातियों को उपर उठाना चाहते है। बगैर संकल्प के हमारी यह कल्पना पूरी नहीं होगी, बेकार चली जायेगी और न ही हम इन की तरफ ध्यान दे पायेगें।

मैं सदन का ध्यान एक बात की और दिलाना चाहता हूं कि भारत स्वतन्त्र होने के 5 साल के बाद सन 1952 में काका कालेलकर की अध्यक्षता में एक बैकवर्ड कमी ान का गठन किया था। काका कालेलकर गांधी विचारधारा के व्यक्ति थे। इस बैकवर्ड क्लास के गठित होने परउस आयोग पर काफी पैसा खर्च हुआ और बहुत मेहनत, अकल और ताकत लगा कर 5 साल के प चात उस आयोग ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। परन्तु मूझे खेद के साथ कहना पड़ता है कि काका कालेलकर जैसे विद्वान और ख्याति प्राप्त व्यक्ति की अध्यक्षता में गठित इस कमी ानकी सिफारि ाों को हिन्दुस्तान की आजादी के 33 वर्शो के बाद भी रद्दी की टोकरी में से निकालने की मन ाा आज तक किसी भी राजनीतिक वर्ग की नहीं हुई। सन 1977 में हमारे दे ा में जनता राज्य की स्थापना होने के बाद जनता पार्टी ने वी0पी0 मचडल आयोग का दुबारा गठन किया। मुझे इसबात का डर है कि जिस प्रकार से काका कालेलकर आयोग की सिफारि ाों को आज तक लागू नहीं किया गया और रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया उसी प्रकार से क्या वही नतीजा इस आयोग के साथ तो होने वाला नही ंहै। इसलिए मेरा हरियाणा सरकार से निवेदन है कि जो अब कमी ान की रिपोर्ट आयेगी उसको नजरअन्दाज न करके हमारी सरकार उन सिफारि ाों को लागू करे। स्पीकर साहब, मैंने अपने प्रस्ताव में पाचं मुद्दों को उठाया है। इन पाचों मुद्दों परसरकार अमल करै। इसके अलावा एक बात मैं और कहना चाहता हूं। बहुत से भाई मेरी एक बात पर गौर करेगें यह सवाल भी यहां आया है कि

कुछ लोग नौन ाडयूल्ड कास्टस आर्गेनाईजे ान के नाम पर इस दे ा के अन्दर एक राजनीतिक ाडयन्त्र चलारहे है। मैं ांडयन्त्र इसलिए कहनाचाहता हूं कि आज इस दे ा में भाोशित वर्ग के प्रति समाज में जो कुछ करने की भावना है वह जाति–पति का नाम ले कर खत्म करनाचाहते है। यहां यह भी कहा जाता है कि जात पात की रचना नही हुई है लेकिन जो भी संगठन बनाये गये है वे जात पात के आधार पर ही बनाये गये है। वे चाहते है कि जो समाज कके पिछडे वर्ग है उनको जो सुविधा मिल रही है उनको उन सुविधाओं से वंचित किया जाये। हमारे समाज की मूल भावना के विपरीत वे काम करनाचाहते है। बहुत से लोग कहते है कि अनको आर्थिक और भौक्षणिक तौर पर बराबरबना दिया जाये।

स्पीकर साहब एक बात मैं और कहना चाहता हूं कि आर्थिक आधार पर पिछड़ेपन की कसौटी क्या हो? इस बारे में भी मैं दो भाब्द कहना चाहता हूं । कुछ भाई इस बात को मानते है कि जो हमारा कमजोर वर्ग है चाहे वह आर्थिक तौर पर या किसी और आधार पर है उनको केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार की तरफ से सभी सुविधायें मिलनी चाहियें। इसमें कोई दो राय नहीं हैं। इनका मैं पूरा समर्थन करता हूं लेकिन जो पिछड़े वर्ग की कैटीगरीज बनाई गई है उस वर्ग का भाोशण न किया जाये। हमारा संविधान क्या कहता है? हमारा संविधान यह प्रोवाइड करता है कि सो ाल, सामाजिक और भौक्षिणिक तौर पर उनको आरक्षण दिया जाये अनको सुरक्षा के समान अवसर प्रदान किये जाये। मैं

समाज की रचना के बारे में दो बातें कहना चाहता हूं। हमारा समाज जाति ढांचे में बधां हुआ है। हम इस बात को नजरअन्दाज नहीं करसकते। चाहे इस तरह की कोई भी जाति हो, चाहे कोई सपेरा हो, तेली हो, नाई हो या धोबी हो। जब तक हम अनको आर्थिक तौर पर आरक्षण देने की कोि ा ा नहीं करेगें तब वक वह उपर नहीं उठ सकता।चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो। चाहे वह चमार का लड़का हो, नाइ का लडका हो, झीमर का लड़का हो। हमारे समाज की जिस तरहसे रचना हैख हमारे संविधान के बानाने वालों की यह मन ाा थी कि उनको आर्थिक तौर पर, सामाजिक तौर पर और भौक्षणिक तौर पर न्याय मिले। सामाजिक आरक्षण को छोड़ कर भौक्षणिक तौर पर और आर्थिक तौर पर तो उनको रिजर्वे ान मिलनी ही चाहिये।

इसके अलावा मैं एक–दो प्वांयट और आपके सामने रखना चाहता हूं। हमारे हरियाणा के लोक सेवा आयोग में पिछड़े वर्ग का कोई भी प्रतिनिधि नहीं है। इसलिये मैं सरकार सेप्रार्थना करता हूं कि हरियाणा लोक सेवा आयोग में पिछडे वर्ग को भी प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिये। मैं मुख्यमंत्री जी को जोकि इस समय सदन में बैठे हुये है, एक बात याद दिलाना चाहता हूं। कुछ दिन पहले हरियाणा के पिछडे वर्ग का एक ि ाश्टमण्डल इन से मिला था। इन्होने उस वर्ग की बातें बड़ी भाांति और धैर्य के साथ सुनी और इस बात का आ वासन दिया कि हम पिछडी जातियों के साि पूरा न्याय करेगें। इस बातके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का

आभार प्रकट करताहूं लेकिन साथ ही यह भी कहना चाहता हूं कि सरकार ने जो आ वासन दिया था उस को अभी तक पूरा नहीं किया गया है। केवल आ वासन देनेसे ही पेट नही ंभरता। हमारा (जनता) सरकार ने जो 10 परसैन्ट की रिजर्वे ान दी है उसको एस0एस0एस0 बोर्ड और पब्लिक सर्विस कमी ान के अन्दर अभी तक इम्पलीमैंट नहीं किया गया हैंयह बात अखबारों में भी आई कि 10 परसैन्ट की रिजर्वे ान की घोशणा करनेके बाद भी वह इम्लीमेंट नहीं की जा रही। मेरे कहने का मतलब यह है कि मुख्य मंत्री महोदय ने ि ाश्ट मण्डल को पिछडे वर्ग में प्रतिनिधित्व देने का जो आ वासन दिया था उसको पूरा करें। दुख के साथ कहना पडता है किजो रिक्ति लोक सेवा आयोग में हुई थी वह भी भर ली गई और उस के अन्दर पिछड़े वर्ग को आ वासन दिये जाने के बाद भी कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। इसलिए मैं सरकार से यह निवेदन करता हूं कि कोई रिक्ति करके पिछडे वर्ग को लोक सेवा आयोग में प्रतिनिधित्व अव य दिया जाये ताकि इन पिछडे हुये वर्गों के लोगों को भी उचित स्थान मिल सके। मैं यहां पर किसी समुदाय या जातिवाद की बात नहीं करना चाहता। लोक सेवा आयोग की नियुक्ति के बारे में मुख्यमंत्री जी ने जो आ वासन पिछडे वर्ग के लोगों को दिया था, वह अपने आ वासन को पूरा करें ताकि इस वर्ग के लोग भी अपना सिर उपरउइा कर कह सकें कि हमें भी अपना पूरा हक हासिल हो गया हैं। मैं सदन के सदस्यों से पूछना चाहता हूं कि आज हरियाणा के अन्दर कितने एस0पी0डी0सी0 या कितने आई0ए0एस0 आफिसर्ज

बैकवर्ड क्लासिज के है? केवल एक आई0ए0एस0 बैकवर्ड क्लास का है और न कोई एस0पी0 और न ही कोई दूसरा क्लास वन और क्लास टू आफिसर है। मेरा ख्याल है कि इसका कारण लोक सेवा आयोग में पिछडे वर्ग का कोई प्रतिनिधित्व न होना है क्योंकि कोई प्रतिनिधित्व न होने की वजह से उनके हितों की पूरी रक्षा करने वाला नहीं है। इसलिये लोक सेवा आयोग में इस वर्ग को प्रतिनिधित्व देने के लिए एक सदस्य अव य लिया जाये।

(10.00 बजे) दूसरी बात, जो मैं अर्ज करना चाहता हूं। वह यह है कि उनके लिये आमदली का आधार क्या हो जिसके आधारपरउनको सहूलियत मिले। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हरिजनों के लिए रिजर्वे ान होनी चाहिये और जैसे उनके लिये एक हरिजन होने का सर्टीफिकेट मात्र ही काफी है, वैसे ही मैं भी यह चाहता हूं कि बैकवर्ड क्लासिज के लिए भी यही होना चाहिये।

चौधरी पीर चन्दः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मेरे ख्याल में मेरे दोस्त को इस बात का बहम हो गया है कि हरिजनों को बहुत ज्यादा रियायतें मिली हुई है। हरिजनों के लिये 30साल के अर्से के बाद भी रिजर्वे ान जा पूरी हो पाई है, वह भाायद 3 या 4 प्रति ात या अगर कहीं पर बहुत ज्यादा है तो वहां पर 6–7 प्रति ात तक ही पूरी हो पायी है। ये इस बात का ख्याल न हरों कि हरिजनों ने बहुत ज्यादा रिजर्वे ान ले ली हैं। (ाोर व व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इनका प्वांयट यह नहीं था। इनका प्वांयट तो यह था कि जो फाइनैंि ायल स्टैंडिग की भार्त जैसे ि ाडयूल्ड कास्टस के लिये नहीं है, वैसे ही बैकवर्ड क्लासिज के लिये भी नहीं होनी चाहिये। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी पीर चन्दः स्पीकर साहब, इनका यह प्वांयट नहीं था, यह तो मेरा प्वायंट था कि इनको बहुत बहम है।मैं यह कहना चाहता हूं कि इनको भी रिजर्वे ान दें, इस बात में कोई दो राय नहीं हैं। लेकिन जिस तरह से हरिजनों के लिए 30 सालों से रिजर्वे ान चली आ रही है ओरउसके बावजुद भी वह पूरी नहीं हो पायी है, इस तरह की नाइन्साफी किसी के साथ भी नहीं होनी चाहिये। आज तक आपको जैसे मैंनेपहले बताया है कि हरिजनों को ज्यादा से जयादा 6–7 प्रति ात ही रिजर्वे ान ही मिल पाया है। सरकार इस रिजर्वे ान को पूरा करने के लिए ये क्या कोई स्पै ाल रिक्रूटमैंट करने के लिये तैयार है?

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं अपने साथी पीर चन्द जी की बात के बारे में यह कहना चाहता हूं कि वे मेरी बात समझ नहीं पाये हैं मैं यह कहना चाह रहा था कि जिस समाज के वर्ग को भाुद्र कहा गया है उसमें ये भी भाामिल है और हम भी भाामिल है, यह मैं पहले ही कह चुका हूं। उनको भाायद यह पता नहीं है कि संवैधानिक तौर पर पिछडे हूये वर्ग के अन्दर हरिजन और हरिजनों के अन्दर बेकवर्ड क्लासिज के लोग भाामिल है। वि वकर्मा इस सृश्टि का रचनाकार है,उसने जिस समाज की

रचना की है , उसमें हम भी बराबर आते है और ये भी बराबर आते है। मैं कोई हरिजनों का विरोधी नहीं हूं या उनके लिये जो आरक्षण दिया गया है, उसका विरोधी नहीं हूं (व्यवधान व भाोर)।

चौधरी संत कंवरः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, आपको भी भाायद पता होगा कि हाई कोर्ट नेयह फैसला दिया हुआ है कि जो अनुसूचित जातियां है, उनमें जाट भी भाामिल है। अगर इसहिसाब से देखा जाये तो जाटों के लिये रिजर्वे ान कहीं पर भी पूरी नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान) लाहौर हाई कोर्ट में जज सर भाादी लाल ने यह फैसला दिया है।

एक आवाजः फिर तो कोई हरिजन रहेगा ही नहीं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जिस हाई कोर्ट की रूलिंग का चौधरी संत कंवर ने जिक्र कियाहै, वह बड़ी पुरानी रूंलिग है।अब जो गवर्नमैंट आफ इंडिया ने बैकवर्ड क्लासिज का नया ि ाडयूल जारी किया है, उसमें जाट कम्युनिटी का कोई जिक्र नहीं है।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब चौधरी संत कंवर नेयह कहा कि हाई कोर्ट की रूलिंग यह है कि अनुसूचित जातियों में जाट भी भाामिल है। हम इनके साथ भाामिल नहीं होना चाहते चाहे हमारे छोकरों को नौकरियां मिलें या न मिले। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री जय नारायण वर्मा: सर। मैं अपना दूसरा प्वांयट यह रख रहा था कि जो 3600 रूपये की वार्शिक आमदनी की भार्त बैकवर्ड क्लासिज के लिये रखी हुई है, वह नहीं होनी चाहिये। काफी तो मैंने इस बात को बवर कर लिया है। थोड़ा सा मैं इस बारे में और कहना चाहता हूं। एम्पलायमैंट एक्सचेंज में जब किसी झीवर या नाई या धोबी का लड़का नाम लिखवाने जाता है तो उससे एक तो यह सर्टिफिकेट लिया जाता है कि वह कौन सी जाति से ताल्लुक रखता है। यह तो ठीक है। यह देखा जाता है कि हरियाणा सरकार जे जो बैकवर्ड क्लासिज डिक्लेयर की हुई है क्या उनमें वह आता है या नहीं। फिर उसको यह कहा जाता है कि आप अपनी आमदनी का एक सर्टिफिकेट भी पे ा करो कि आपकी आमदनी इससे जयादा तो नहीं हैं (व्यवधान व भाोर) इन्कम का सर्टिफिकेट उसको पे ा करना पड़ता है। ऐसा सर्टिफिकेट तो कोई भी ले सकता है। (व्यवधानएवं भाोर)

श्री अध्यक्ष: गरीब तो इन्कम टैक्स नहीं देता, वह कहां से सर्टिफिकेट लेगा? (व्यवधान व भाोर) I think, the M.L.As. are also authorised to issue that certificate.

श्रम उपमंत्री (चौधरी लाल सिंह): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। (व्यवधान व भाोर) स्पीकर साहब, गांधी जी ने जो हरिजन का भाब्द बनाया था वह बड़ा सोच कर बनाया था हरिजन का मतलब है हरि का बन्दा यानी जो गरीब है, चाहे वह किसी भी जाति से ताल्लूक रखता है। अगर हम उनकी इन्कम का

सर्टिफिकेट नहीं लेगें तो और क्या लेगें? अगर ऐसा नहीं करेगें फिर तो करोड़पति और लखपति गरीबों के नाम पर फायदा उठा सकते है। इसलिये मेरा कहना यह है कि इन्कम का सर्टिफिकेट तो लेना चाहिये।

श्री जय नारायण वर्मा: स्पीकर साहब, ऐसी बातों का जवाब मैं क्या दूं, इसका जवाब तो सरकार को देना चाहिये। मैं सरकारकी तरफ से कोई जवाब नहीं दे सकता, ये ही दे सकते हैं।

Mr. Speaker: But, I think,he has got a point अगर कोई लखपति हो और उसका फायदा उठाये तो उसको कैसे चैक किया जा सकता है?(व्यवधान व भाोर)

श्री जय नारायण वर्मा: स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि जो लोग आर्थिक तौर पर पिछडे हूये है, उनको अगर कोई सुविधा देनी है तो उन्हे पूरी सुविधा देनी चाहिये। यह जो इन्कम का सर्टिफिकेट लेने की बैकवर्ड क्लासिज के लिये भार्त लगा रखी है यह उसी तरह से नहीं होनी चाहिये जिस तरह से हरिजनों से नहीं लिया जाता है। हरिजनों से केवल उनके हरिजन होने का एक सर्टिफिकेट ले लिया जाता है और उनसे कोई इन्कम का सर्टिफिकेट नहीं लिया जाता। मेरा कहना यह है कि जिस तरह से हरिजनों के लिये कोई इन्कम सर्टिफिकेट देने की कोई आव यकता नहीं है, उसी तरह से बेकवर्ड क्लासिज के लिये भी कोई सर्टिफिकेट देने की जरूरत नहीं होनी चाहिये।

चौधरी पीर चन्दः वह तो हमें भी देना पड़ता है। (व्यवधान व भाोर)

श्री जय नारायण वर्माः ि ाडयूल्ड कास्टस को अपना नाम ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंज में दर्ज करवाने के लिये इन्कम का सर्टीफिकेट देने की जरूरत नहीं पड़ती लेकिन दूसरी कास्टस वालो को यह सर्टीफिकेट देना पड़ता है। मेरा कहना यह है कि जिस तरह से हरिजनों का सिर्फ हरिजन होने का सर्टीफिकेट लेकर नाम दर्ज करलिया जाता है उसी तरह से बेकवर्ड क्लासिज के लोगों का नाम भी उनसे बेकवर्ड क्लास का सर्टीफिकेट लेकर दर्ज कर लिया जायाकरे, उनसे कोई इन्कम सर्टीफिकेट न लिया जायाकरे। तीसरी बात जो मैं कहना चाहूगां वह मैडीकल, इंजीनियरिंग, प्रोफै ानल और दूसरे ऐजुके ानल इन्टीचू ानज मेंऐडमि ान के बारे में है। मैं इस प्वांयट पर ज्यादा कुछ नहीं कहता। इतने बडे समाज के अन्दर जो ये 62 जातियां है, इन दलित जातियों के लोागें के लिये 2 प्रति ात रिजर्वे ान है। पहले जबकि सर्विसिज के अन्दर 2 प्रति ात थी तब भी इन इन्स्टीटयू ान्ज में ऐडमि ान के लिए 2 प्रति ात ही रिजर्वे ान थी। फिर चौधरी देवी लाल जी की हकूमत ने सर्विसिज में रिजर्वे ान को बढाकर 5 प्रति ात कर दिया। यानी अढ़ाई गुना बढ़ा दिया लेकिन इनके ऐडमि ान में रिजर्वे ान वही 2 की 2 प्रति ात ही रही। अब उसे 5 प्रति ात से बढ़ाकर 10 प्रति ात कर दिया गया है लेकिन फिर भी इनकी ऐडमि ान में रिजर्वे ान

वही 2 प्रति ात है। इसलिये मैं सदन में आपके द्वारा अध्यक्ष महोदय सरकार से यह कहना चाहता हूं कि ऐडमि ान के मामले में 35 प्रति ात आबादी को देखते हूये और इन की सर्विसीज में 10 प्रति ात रिजर्वे ान को देखते हूये 2 प्रति ात की रिजर्वे ान बहुत नाकाफी है, बहुत कम है। परन्तु जितनी भी है उसको कम से कम सब जगह पूरा किया जाये इसिलये दो प्रति ात की बजाय हमने पन्द्रह प्रति ात रिजर्वे ान मांगी की है। आज हालत यह है कि सारे दे ा के अन्दर इन कैटेगरीज के गरीब लोगों को इंजीयनिरिंग में, डाक्टरी में ऐडमि ान नहीं मिलता। जो साधन वाले लोग है, जो सम्पन्न लोग है, जिनके पास रिसोर्सिज है वे ऐडमि ान ले जाते है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि मैडिकल ओर इंजीनिरिंग, प्रोफै ानल और दूसरे इंस्टीटयू ानज में पन्द्रह प्रति ात ऐडमि ानज में रिजर्वे ान होनी चाहिये।

श्री अध्यक्षः दस परसैन्ट तो हो गया है।

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, केवल दो परसैन्ट है। बहुत अच्छी बात है अगर दस परसैन्ट कर दी गई है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं लास्ट बट वन पंवायट जो रैजोल्यू ान कापार्ट है उसके बारे में कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरी मांग है कि जिस तरह से हरिजन कल्याण निगम है उसी तरह से बेकवर्ड क्लासिज फाइनैन्सि ायल कार्पोरे ान की स्थापना की जाये। मैं इस मामले में सदन का ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री महोदय ने यह आ वासन दिया था कि हरियाणा के

अन्दर एक बेकवर्ड क्लासिज फाइनैन्ि ायल कार्पोरे ान बना दी जायेगी, पेपर्ज में घोशणा हुई, अखबारों में आया और बाद में पता लगा कि सरकार बना रही है मगर हो सकता है कि वह जनता पार्टी की घोशणा हो और हाल की सरकार चूंकि किसी दूसरी पार्टी का है इसलिये फर्क रह जाये। अध्यक्ष महोदय, इस कार्पोरे ान के मामले को मैं अगले पार्ट मे भाामिल कर लूंगा, इस वक्त मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि हमारे बहूत से लोगों ने इस कार्पोरे ान को बनाने के बारे में वि वास दिलाया था और अगर यह बनाई होती तो जो 1980–81 का बजट आया है उसमें इसकी चर्चा अव य होती। इस बात का जरूर ही इस बजट के अन्दर लिखा होता है कि एक बैकवर्ड क्लासिज फाइनैंि ायल कार्पोरे ान बना दी गई है।

अध्यक्ष महोदय , मेरा अगला प्वांयट जो है कि बहुत इंपौरटैट है वह यह है कि बैकवर्ड क्लासिज की वैलफैयर के लिये अलग से डिपार्टमैंट स्थापित किया जाये। अध्यक्ष महोदय, मेरी इस बात को गम्भीरता से सुना जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मारफत सदन को यह जानकारी देना चाहता हूं और मैने यह बात सदन के बाहर और सदन के अन्दर बार–बार कही है कि बैकवर्ड क्लासिज की वैलफैयर के लिए अलग से डिपार्टमैंट स्थापित किया जाये। मेरी इस बात को मेरे भाई अदरवाइज न लें। अध्यक्ष महोदय, मैंने ि ाडूल्ड कास्टस एन्ड बैकवर्ड क्लासिज वैलफैयर डिपार्टमैंट के निदे ाक को एक चिट्ठी लिखी थी कि आपका

डिपार्टमैंट बेकवर्ड क्लासिज के लिए क्या करता है। उन्होने जवाब दिया कि ''इस बारे में आपको सूचित किया जाता है कि पिछडे वर्ग की जातियों के लिये कोई भी स्कीम अलग रूप से नहीं बनाई गई है''। अध्यक्ष महोदय, यह सारी रिपोर्ट डिपार्टमैंट की है। अगर इस सारी रिपोर्ट को पढा जाये तो बहुत समय लगेगा। जितना इस रिपोर्ट में दिया गया है वह सारा इम्पलीमेट नहीं किया जाता है। इस विभाग का नाम वैसे तो भाडयूल्ड कास्टस एन्ड बैकवर्ड क्लासिज डिपार्टमैंट है लेकिन बैकवर्ड क्लासिज के लिये कोई स्कीम इनके पास नहीं है, कोई काम नहीं है। कोई भी स्कीम आरम्भ होती है तो उसमें लिखा होता है कि यह स्कीम अनुसूचित जाति तथा पिछडे वर्ग के लोगों के लिए है लेकिन पिछडे वर्ग के लिए उस स्कीम में कुछ नहीं होता है केवल वह स्कीम कागजों मे छपकर रह जाती है। अध्यक्ष महोदय, इसलिये में कहना चाहता हूं कि अगर इस सरकार का मं ाा है , इस सदन का मं ाा है और इस चुने हूये प्रतिनिधियों का मं ाा है कि सारे दे ा में जिन लोगों की जनसंख्या 67 प्रति ात है और हरियाणा में 35 प्रति ात है, अगर भाडयूल्ड कास्टस और ाडयूल्ड ट्राइबज की आबादी को इसमें भाामिल कर लिया जाये तो यह आबादी कहां पहुंच जाती है (व्यवधान) इन का कुछ भला किया जाये तो आज ही यह घोशणा कर देनी चाहिये कि बैकवर्ड क्लासिज की वैलफेयर के लिये अलग से डिपार्टमैंट खोला जायेगा। आज कांग्रेस(आई) के बीससूत्री कार्यक्रम की फिर चर्चा हैं। भगवान जाने वह बीस सूत्री कार्यक्रम क्या है? इसके बारे में तो इंदिरा गांधी को पता है या संजय गांधी

को पता है। अध्यक्ष महोदय, जब हम ऐमरजैन्सी के दिनों में जेल में थे तो उस समय की मैं एक मिसाल सदन में देना चाहता हूं। हमारे साथ एक ऐक्स एम0एल0ए0 श्री चन्द्रभान जेल में थे उनके पिता जी आए और जेल के सुप्रिटैन्डैन्ट से बोले कि भई अब तो सुथरी आ गई है मेरे बच्चे को छोड़ दो। जेल सुप्रिटैन्डैन्ट सूथरी का मतलब नहीं समझा। अध्यक्ष महोदय, यही हालत आज मेरे दे ा के वरिश्ठ राजनीतिज्ञों की है। उनको इन सूत्रों के बारे में पता नहीं है। इनको इस दे ा के कमजोर दलित और उपेक्षित वर्ग की कठिनाईयों का पता लगाना चाहिये और इनको दूर करने के लिये एक जुट होकर लग जाना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, जिन बातों की हमने घोशणा–पत्र में घोशणा की थी और अपने मतदाताओं से जिन बातो का हमने वायदा किया था उन पर अमल करना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं सदन के सभी सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि वे पार्टी लाईन से उपर उठकर राज्य सरकार से यह सिफारि ा करें कि यह सदन सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को पारित करता है।

श्रीमती डा0 कमला वर्मा(यमुनानगर): अध्यक्ष महादेय, मैं श्री जय नारायण वर्मा ने जो प्रस्ताव सदन के सामने रखा है उसका समर्थन करे के लिए खडी हुई हूं। अध्यक्ष महोदय, सदन में बैठा हुआ कोई भी माननीय सदस्य इस बात से इन्कार नहीं करेगा कि पिछले तीस साल में गरीब और गरीब हुआ है और अमीर और अमीर हुआ है। अध्यक्ष महोदय मैं यह मानकर चलती हूं कि राश्ट्र

एक भारीर के रूप में है। अगर भारीर का कोई अंग कमजोर होता है तो सारा भारीर कमजोर हो जायेगा और वह स्वथ्थ नहीं रह सकता है। इसी प्रकार अगर इस राश्ट्र के अन्दर कोई भी वर्ग कमजोर रहेबा या पिछडा हुआ रहेगा या दरिद्रता के चंगूल के अन्दर पिसता रहेगा तो वह समाज, वह राश्ट्र उचंा नहीं उठ सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी मानकर चलती हूं कि गरीबी भगवान की देन नहीं है। गरीबी एक अभि ाप है और यह गरीबी हमारी सरकारकी गलत नीतियों के कारण पैदा हुई हैं। मैं यह मानकर चलती हुं कि कुदरत ने हमारे दे ा को बहुत चीजें दी है। इस दे ा के अन्दर नदियों का जाल बिछा हुआ है, इस दे ा में खनिज के खाने है और बहुत सी कुदरत की देन है लेकिन फिर भी इस दे ा में गरीबी रही। अध्यक्ष महोदय, इसलिये मानना पड़ेगा कि चो यहां विदे ाी राज्य था या पिछले तीस साल में जिन लोगों ने यहां राज किया उनकी इतनी गलत नीतियां रहीं कि अमीर लोग अमीर होते चले गये और गरीब लोग और गरीब होते गये। अगर हमारी सरकार इन 62 जातियों को निको बैकवर्ड जाति के नाम से जाना जाता है, उपर उठाने के लिए थोडा भी प्रयत्न करती तो आज इन भाइयों के स्तर को उंचा उठाया जा सकता था लेकिन पिछले तीस साल में कांग्रेस सरकार ने ऐसी बात नहीं की। श्री कालेलकर की रिपोर्ट को व्यवहार में नहं लाया गया। अध्यक्ष महोदय, जनता सरकार के समय वी0पी0 मण्डल की अध्यक्षता में एक आयोग बताया गया लेकिन दुर्भाग्य से कहना पड़ता है कि जनता सरकार के कुछ अपने ही लोगों की फूट के कारण ये

कांग्रेस के लोग पुनः आज गदि्दयों पर बैठे है और मुझे भाक है किवी0पी0 मण्डल की अध्यक्षता में जो आयोग बनाया गया था और उसने जो बैकवर्ड क्लासिज के बारे में कुछ सुझाव दिये हुये है, यह सरकार उन बातों को लागू करेगी भी या नहीं क्योंकि इस कांग्रेस सरकार को पैसर देकर वोट खरीदने की पुरानी आदत है और ये लोग पुरानी आदत के अनुसार उनको सदा गरीब रखना चाहते है।

अध्यक्ष महोदय, इन पिछडी जातियों केपास जमीन बहुत कम या बिल्कुल नहीं है। अधिकतर खेती बाडी और कारखानों में मजदूरी करने वाले लोग राश्ट्र के निर्माता के रूप में माने जाने चाहिये लेकिन दुर्भाग्य से कहना पडता है कि हाथ से काम करनेवाले ये लोग स्वयं भूख की ज्वाला और दरिद्रता से घिरे रहेत है इसिलये इनको कुछ समय तक रिजर्वे ान आदि का अधिकार दिलाकर इनके सामाजिक स्तर को उंचा उठाया जाये और अन्य लोगों के साथ बैठने का समान अधिकारी बनाया जाये।

अध्यक्ष महोदय, ये जातियां तब तक उपर नहीं उठेगी जब तक कि इनकेअन्दर ि ाक्षा का प्रसार नहीं किया जायेगा। आज तो हालत यह है कि अगर कहीं चोरी हो जाये तो यह कहा जाता है कि सांसी जाति के आदमी ने की होगी, कोई भीख मांगता हो तो कहा जाता है कि यह ढे जाती का है। कांग्रेस सरकार ने हमे ाा डैमोक्रेसी को गलत तरीके से ऐक्सप्लाएट किया है। वोट लेने के लिये उसने इन लोगों को भाराब और पैसा देकर

वोट हासिल की और हमे ाा इनको गरीब रखने का प्रयास किया। कांग्रेस सरकार तो सदैव यही सोचती रही कि यदि इनको ि ाक्षित कर दिया तो इनमें जागृति आ जाएगी और ये लोग हमें वोट नहीं देगै। अध्यक्ष महोदय, जब तक दे ा में ये 62 जातियां है और हरियाणा में ये 35 प्रति ात लोग है और जब तक इनकमो आर्थिक तौर परउपर नहीं उठाया जाता है और सामाजिक कार्यक्रम के विकास के लिये ि ाक्षा के माध्यम से जागृति नहीं लाई जाती तब तक समाज में इनका स्तर उंचानहीं उठ सकता। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस सारे काम कागजों पर ही करती रही है, व्यवहारिक रूप से उस कांग्रेस सरकार ने कुछ भी नहीं किया है। काका कालेलकर आयोग बनाया गया था, उसकी रिपोर्ट आई लेकिन उस रिपोर्ट को अलमारी में बन्द कर दिया गया और उस पर कोई अमल नहीं किया गया। सरकार सीरियस होकर पिछडी जातियों और हरिजनों के बारे में कभी सोचती ही नहीं थी। अगर व्यवहारिक रूप से कांग्रेस सरकार इन को उपर उठाने के लिये कुछ पग उठाती तो आज इस दे ा में ये लोग पिछडेपन से गरीब नहीं रहते। इस दे ा में नए काम करने की योजना चलाकर इन लोगों को काम देकर, ि ाक्षा के माध्यम से इन पिछडे हुये वर्गों को उंचा उठाकर सारे दे ा की अर्थ व्यवस्था सुधार सकती थी, लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया।

अध्यक्ष महोदय, इससे आगें मैं , आपको हरियाणा के बारे में कुछ बताना चाहती हूं कि यहां पर 35 परसैन्ट पिछडी

जाति के लोग बसते है। अभी मेरे एक हरिजन भाई चौधरी पीचन्द जो ने यहां पर कहा कि हरिजनों को पूरी रिजर्वे ान और पूरी सुविधाएं नही मिलती है। मैं मानती हूं कि हरिजनों के साथ और गरीबों के साथ हमे ाा ही कांग्रेस सरकारऐसा भेदभाव करती आई है और कभी भी इनको हर प्रकार की सुविधां नहीं दे सकी है। यह पिछडी जाति के लोग अधिकतर जैसाकि खेतीहर मजदूर एवं कारखानों मे काम करने वाले लोग है और इनके पास जमीनें नहीं है और यह गरीबी की रेखाके नीचे अपना गुजारा कर रहे है, इन लोगोंके लिये सरकार ने 10 परसेन्ट रिजर्वे ान रखी हूई है और मेरे विचार में अभी तककिसी भी आदमी को इसका फायदा नहीं हुआ है। केवलयह स्कीम सरकार के कागजों तक ही सीमित रह गई है। ऐडमि ान में अभी भी केवल 2 परसैन्ट रिजर्वे ान रखी गई है जिससे यह लोग पिछड़ रहे है। मैं सरकार से कहना चाहती हूं कि पब्लिक सर्विस कमी ान को एस0एस0एस0 बोर्ड को सरकारकी ओर से सर्कुलर जाने चाहिये ताकि इन पिछडी जाति के लोगों कोवहां पर भी 10 परसैन्ट के हिसाब से सीटें उपलब्ध हो सकें, नौरियां मिल सकें। टैक्निकल कालेजिज और मैडीकल कालेजिज में भी ऐडमि ान के लिए इनको पूरी रिजर्वे ान मिलनी चाहिये। इसलिये अध्यक्ष महोदय, निगम अव य बनना चाहिये ताकि निगम के माध्यम से इन लोगों को पूरी नोकरियां मिल जाएं। अगर सरकार ऐसा कोई कदम उठायेगी तभी इन लोगों को कुछ आ ाा हो सकती है कि सरकार इन पिछड़ी जाति के लोगों के लिए कुछ करना चाहती है।

अध्यक्ष महोदय,चीफ मिनिस्टर साहब ने आ वासन भी दिया था कि वह पिछडी जाति के लोगों को उनकी पूरी रिजर्वे ानदिलायेगें इसलिये अब लोग उम्मीद में बैठे है। इससे आगे मैं कहना चाहती हूं कि आर्थिक स्तर के साथ–2 सामाजिक स्तर भी उंचा उठाना चाहिये इसलिये मेरी प्रार्थना है कि सरकार इन 35 परसैन्ट लोगों के लिये रिजर्वे ान कोटा बढासे और जो लोग इस वक्त गरीबी रेखा केनीचे पिस रहे है, उनको समृद्ध बनाने में सहायक हो, तभी इस दे ा में समानता आ सकती हैं इन भाब्दों के साथ , मैं अध्यक्ष महोदय, और ज्यादा न कहती हूई इस रैजोल्यू ान कासमर्थन करती हूं और आपका धन्यवाद करती हूं कि आप ने मुझे बोलने का समय दिया।

चौधरी हरस्वरूप बूरा(मेहम): अध्यक्ष महोदय, इस समय जो रैजोल्यू ान सदन के सामने विचारार्थ है, मैं उसका विरोध करने के लिये खड़ा हुआ हूं। मैं पिछले 30 साल के तजुर्बे के तौर पर यह कह रहा हूं क्योंकि इससे यह जाहिर होता है कि मर्ज बढ़ता गया ज्यों–ज्यों दवा की। अध्यक्ष महोदय, हमारे लायक दोस्त जिन्होने यह रैजोल्यू ान पे ा किया है, वे दर हकीकत इस बात को समझे तो नहीं और आज रिजर्वे ान–2चिल्ला रहे है कि जो बैकवर्ड है, भाडयूल्ड कास्टस है, उनको पूरी रिजर्वे ान दी जाये पर इन लोगों ने कभी ऐसे लोगों के बारे में नही सोचा जोकि झोंपडियों में रहते है, स्वर्णजाति के लोग भी है, जिनके पास रहने को मकान नहीं है, खाने को रोटी नहीं है, तन ढांपने

को कपड़ा नहीं है। इन बातों को देखने के बाद तो यही कहा जा सकता है–

फेर न खंझर किसी के भी गले में,

जिस्म पर जरा सा घाव खाकर तो देखो।

अध्यक्ष महोदय, इन लोगों को पता चले जब ये ऐसे लोगों के बारे में सोचें कि वे गरीब आदमी किस तरह से अपना निर्वाह कर रहे है। यह रिजर्वे ान का नारा तो केवल एक पोलिटिकल ांडयन्त्र है, महज नारेबाजी के सिवाय और कुछ नहीं है, केवल नेतागिरी पैदा करेनकी बात है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि जो भाई इस रैजोल्यू न को यहां पर लाये है, वे केवलइस क्लास को रिर्प्रजैन्ट नही करते, बल्कि हलके को रिप्रैजैन्ट करते है और हलके में बैकवर्ड जाति में लोगों के साथ–2 स्वर्णजाति के लोग भी बसते है जोकि पता नहीं गरीबी के स्तर से नीचे रहकर कैसे अपना निर्वाह कर रहे है उनके लिये भी तो कोई आवाज उठाने की बात है। जो सही मायनों में गरीब है, ऐसे लोगों की सरकार को मदद करनी चाहियें। इस भाई का क्या है, कार में आते जाते है, डेढ़ लाख की कोठी इनके पास है, टेरीकाट के कपड़े इन्होने पहन रखे हैं और फिर ये बात करते है कि रिजर्वे ान होनी चाहिये। उन लोगों की बात भी इन लोगों कोयहां पर करनी चाहिये जोकि झोंपडियों में रहते है, पीपल के दरखत के नीचे और नीम के दरखत के नीचे जिनको अपने

बाल–बच्चों के साथ रहना पड़ता है। खाने के लिए जिन के पास रोटी नहीं, तन ढांपने के लिये जिनके पास कपड़ा नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न कहता हुआ केवल इतना ही कहूंगा कि जबसेयह रिजर्वे ान की बात इस दे ा में चली है, तब से इस दे ा में बेरोजगारी और गरीबी बढ़ी है और जो लोग इस रिजर्वे ान का फायदा उठा रह है उन्होने कभी दे ा की समस्याओं को नहीं समझा है। अध्यक्ष महोदय, अगरयही हाल रहा तो वह दिन दूर नहीं है जबकि दूसरे लोग, जिनके लिये कोई रिजर्वे ान नहीं है, जो गरीबी के स्तर से नीचे पल रहे है, अपना जीवन निर्वाह कर रहे है, ज्वालामुखी की तरह भड़क उठेगें जैसा कि आपको पता ही है कि यू0पी0 और बिहार में हो रहा है। इसी तरह से यहां पर अगर इस प्रकार होता रहा और दूसरे गरीबों को गरीबी के स्तर से उपर न उठाया गया तो यह तुफान का रूप भी धारण कर सकताहै। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों की तरफ भी सरकार को समानता का विचार रखना चाहिये। मेरे विचार में तो आर्थिक सामाजिक व ि ाक्षा के आधार पर यह रिजर्वे ान होनी चाहिये। जो भाई आर्थिक, सामाजिक और ि ाक्षा के स्तर पर पिछडे हुये है चाहे वे किसी भी जाति से सम्बन्ध क्यों न रखते हो, बैकवर्ड हो या स्वर्णजाति के हों, उनके लिये यह रिजर्वे ान होनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, यह रिजर्वे ान की बीमारी एक सामाजिक बीमारी है, उसको दूर करने के लिये सरकार को भरसक प्रयत्न करने चाहियें।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर कई भाई संवधिान की बात करते है, महात्मागांधी जी का नाम लेते है, डाक्टर अम्बेडकर जी का नाम लेते है और दूसरेसंविधान निर्माताओं का नाम भी लिया जाता है लेकिन इस बात को किसी ने यहां पर नहीं कहा कि उनकी भावनाओंके पीछे गरीबी दूर करने की भावना थी। आज उस भावना से हम सब दूर होते जारहे है। हमें इस भावना से कभी भी दूर नहीं जाना चाहिये। अध्यक्ष महोदय,उन महान नेताओं की बातों को भुलाकर के हम जातिवाद की भावनाओं में पड़ गये है। एक तरफ तो हम कहते है कि जातिवाद समाप्त होना चाहिये और दूसरी तरफ हम जाति के आधार पर हरजन भाइयों को अलग से सुविधां प्रदान करवाने की बात करते है। फिर आप ही बतांए कि जातिवाद किस तरीके से खत्म होगा। इसकों खत्म करने काएक ही तरीका है कि हरिजन भाइयों के साथ–2 जो दूसरी जातियां है जैसे कुम्हार, नाई, धानी वगैरह–वगैरह इन सब को एक समान क्यों न समझा जायें? उन भाइयों के दिलों में यह भावना न पैदा हो कि हम हरिजनों से अलग है। इसलिये केवल सामाजिक और आर्थिक आधार कोही मन कर अगर रिजर्वे ान कर दी जाये तो उसमें सभी गरीब तबके के लोग भी आ जाते है। इससे किसी दूसरी जाति के लोगों के दिल में कोई बात नहीं आएगी और जातिवाद का भेदभाव भी समाप्त हो जायेगा। ये सब बातें यहां पर इसलिये उठ रही है कि यह एक पोलिटिकल ांडयन्त्र है जो कि हमारे कुछ भाई कर रहे है।

अध्यक्ष महोदय , इरहकीकत ये एक तरह का अपवाद कर रहे है। मैं आपकों बताना चाहताहूं कि हमारे दे ा को जब आजादी मिली थी, उस वक्त जो इस दे ा के महान नेता थे, जिन्होने इस दे ा को आजादी दिलवाने मे अगुवाई की थी, उन्होने सोचा था कि इस दे ा के अन्दर बहुत से लोग गरीबी कीरेखा सेनीचे पल रहे है, उनको उपर उठाना हमारा कर्तव्य है और इस कर्तव्य को निभाते हुये उन्होने एक आइडिया भी दिया थाकि 10 साल के लिये इन लोगों को रिजर्वे ान दी जाये ताकि ये अपने आपको गरीबीकी रेखा से उपर ला सकें। लेकिन हम पिछले तीस सालों सेदेखते आ रहे है कि अभी तक यह रिजर्वे ान चल रही है। अब फिरसरकार ने इस रिजर्वे ान के लिये 10 साल का समय और बढा दिया है। ये लोग यह नहीं सोचते कि जो लोग पहले ही इस रिजर्वे ान की वजह से करोडों रूपये कमा चुके है वे अब आगे आने वाले 10 सालों में और भी फायदा उठायेगें। इस का असर यह हो रहा है कि जज का बेटा जज बन रहा है, डी0एस0पी0 का बेटा डी0एस0पी है, मिनिस्टर का बेटा मिनिस्टर नहीं तो एम0एल0ए0 जरूर है और उन लोगों के लिये जिनके पास कपड़ा नहीं है, खाने के लिये रोटी नहीं है जो दरखतों के लीचे अपना निर्वाह कर रहे है, ये लोग यूं ही मगरमच्छ के आंसू बहा रहे है। दरहकीकत रिजर्वे ान तो इन्ही गरीब तबके के लोगों के लिये होनी चाहिये जिनका आर्थिक स्तर सामाजिक स्तर नीचा हो और जो लेाग इस रिजर्वे ान से फायदा उठा रहे है उनको अपने आप ही खु ाी से वौलैन्टैरिली सरकार

की तरफ से दी जारही इन सुविधाओं, रियायतों को लोगों के लिए त्याग देना चाहिये। जो लेग एक–एक हजार रूपया कमाते है,उनको रिजर्वे ान की क्या जरूरत है?

आवाजें: बूरा साहब, इसका कोई समाधान तो बताओ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा: इसका समाधान यह है कि यह रिजर्वे ान आर्थिक, सामाजिक और ि ाक्षा के आधार पर होनी चाहिये। (विघन) अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न कहता हुआ एक ही बात अपने भाई जगन नाथ जी को कहना चाहता हूं। वे जरा इस बात को ध्यान से सुनें कि –

ऐसे भी बावले देखे है आपने

कि सारी रजाई जल गई बैठे है तापने।

इसलिये आप इसकी गहराइ में जाइयें, आप इसके कसूरवार है। अगर आप अपने भाइयों को उपर उठाना चाहते है तो इस बात की गहराई में जाइये। जब से रिजर्वे ान हुई है तब से चन्द आदमियों को ही फायदा हुआ है लेकिन आप में से 90 प्रति ात से भी ज्यादा लोगा और नीचे चले गये। मै ज्यादा न कहते हूये यही कहना चाहता हूं कि संविधान के अन्दर आर्टिकल 15 और 16 में यह प्रोविजन है और साफ लफ्जों में लिखा है कि किसी भी दे ा के नागरिक के साथ जाति कलर और कीड के आधार पर फर्क नहीं किया जायेगा। जब कांस्टीच्यु न यह कहता है कि जाति के आधार पर, कलर के आधार पर और कीड

केआधार पर कोई फर्क नहीं किया जायेगा तो यह जाति के आधार पर फर्क क्यों किया जा रहा है यह बात मेंरी समझ में नहीं आ रही है? अध्यक्ष महोदय, मैं आखिरी बात यही कहना चाहता हूं कि ये प्रजातन्त्र की बात करते है ं। Democracy is a way of life and not a Government system. गवर्नमैट ने एक सिस्टम बनाया लेकिन यह रिजर्वे ान एक पोलिटीकल स्लोगन है। इसलिये यह खत्म होनी चाहिये। इन भाब्दों के साथ मैं एक बार फिर इस प्रस्ताव का विरोध करते हुये अपना स्थान लेता हूं।

कामरेड भांकर लाल (सिरसा): अध्यक्ष महोदय, आज तमाम दे ाके अन्दर तैसे तो दो क्लासें है (इस समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य, चौधरी राम कि ान, पदासीन हुये) एक अमीर और दूसरी गरीबं। मगर जहां तक रिजर्वे ान का सवाल है अगर यह रिजर्वे ान न होती तो जो आज गरीब कौमें है जिनको हम पिछड़े हुये , हरिजनऔर भाडयूल्ड कास्टस कहते है, वे असैम्बलियेां में , पार्लियामैंट मे और सरकारी कुर्सियों पर न होते। बड़ी जाति के लोग इनको कभी भी नजदीक न आने देते क्योकि उनके पास बहुत साधन और जराये है और बहुत किस्म के और भी हिसाब –किताब है।गांवके अन्दर आज 5 मैंबरों की एक पंचायत बनती है औरउसमें एक हरिजन मैंबर होता है। अगरवहां पर रिजर्वे ान न होती तो उस गांव के हरिजन को कोई मैम्बर न बनने देता। यह हकीकत है कि अगर रिजर्वे ान न होती तो पीर चन्द जी और जगन नाथ जी आज यहां पर मैंबर बन कर नहीं आ

सकते थें मैं आप लोगों से और हाउस से सिर्फ यही प्रार्थना करनाचााहता हूं कि श्री जय नारायण जी ने जो प्रस्तावरखा है मैं उसकी जोर से स्पोर्ट करता हूं। आज एक तीसरी क्लास और होनी चाहिये औरवह क्लास टपरीवासियेां की होनी चाहिये। आज इस दे ा में टपरीवास गरीबी की रेखासे भी नीचे है। ये लोग आज गांवों के दरवाजों के आगे झुग्गी लगाये बैठे है, भाहरों में पटरियों पर बैठे है। इनमें सपेरे, सैंसी औरगुंजिये वगैरह आते है। इनमें भी बहुत सी बिरादरियां हैं। इन बिरादरियों को बैकवर्ड क्लास में भी रखा जाता है और भाडयूल्ड कास्टस में भी रखा जाता है। ये कम से कम 15–20 किस्म की जातियां है इसलिये न ये बेकवर्ड क्लासिज के अन्दर और न ही भाडयूल्ड कास्टस के अन्दर आनी चाहिये बल्कि इनकी एक तीसरी क्लास टपरीवास के नाम से होनी चाहिये। अगर इनको यह तीसरा दर्जा नहीं दिया गया तो इनको भी कुछ मिलनेवाला नहीं है क्योकि इनमें भी कई बिरादरियां हैं। इनमेंसे जो तो पढ़े लिखे और बुद्धिजीवी है वे तो आगे चले जाते है और टपरीवास पीछे रह जाते है इसलिये टपरीवासियेां की क्लास अलग से बनाई जाये । मैं इस प्रस्ताव की स्पोर्ट करता हूं लेकिन साथ ही इसमें एक तरमीम भी करनाचाहता हूं कि इसमें एक तीसरी क्लास और होनी चाहिये जिसमें टपरीवासी आयें। इनकी संख्या बहुत जयादा है। इसी तरह से मैं कलाल जाति का हूं हमारा न तो बेकवर्ड क्लासिज में नाम है और न ही भाडयूल्ड कास्टस में है। राजस्थान और यू0पी में इस जाति को बैकवर्ड कलास के अन्दर रखा गया है मगर हरियाणा में

कलाल जाति को बैकवर्ड नहीं माना गयाहै। मेरे हल्के के अन्दर कलाल जाति का केवल मेरा एक वोट है। मैं जात जा बिरादरी पर ज्यादा वि वास नहीं करता मैं तो एक बात पर वि वास करता हूं कि जो गरीब कौमें है, पिछडी कोमें है जिके पास किसी जमाने मे बहुत थोड़े साधन थे उनको कारू कमीन कह कर पुकारा जाता है। इसलिये इनके लिय अगर रिजर्वे ान नहीं होगी तो इन लोगों की तरक्की नही हो सकेगी। मैंइस हाउस से प्रार्थना करूंगा कि बैकवर्ड क्लासिज और हरिजनों को उनका हक जरूर मिलना चाहिये इसमे कोई दो राय नहीं हैं जब जनता पार्टी की सरकार थी तो चौधरी भजन लाल चीफ मिनिस्टर थे। चीफ मिनिस्टर तो अब भी है पर उस वक्त जनता पार्टी के चीफ मिनिस्टर थे। सि वक्त 5 परसैंट बैकवर्ड क्लास के लिए रिजर्वे ान की उस वक्त तमाम हरियाणा में गरीब लोगों को बहुत नीचा माना गया था लेकिनउस पर अमल नहीं हो रहा है। मैं सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि उस पर अमल होना चाहिये। इन टपरीवास के लोगों के लिये पहले एक कमेटी बनाई गई थी पता नहीं उस कमेटी का क्या हुआ क्यानहीं। चेयरमैन साहब, इन टपरीवासियों की एक क्लास बनाकरउसमें भी रिजर्वे ान रखें जैसे सपेरे है, भाट है और कुंचिए है जोकि जंगलों में रहते है जिनकी वोटों का ही पता नही है। ऐसे लोगों के लिए भी रिजर्वे ान होनी चाहिये।

परिवहन मंत्री (श्री जगननाथ): चेयरमैन साहब, जो अगला प्रस्ताव है वह भी इतना ही जरूरी है इसलिये आप सदस्यों को थोड़ा–थोड़ा समय दे और अगले प्रस्ताव का भी ध्यान रखें।

श्री सभापतिः भाकंर लाल जी आप बैठिये। आपका समय समाप्त हो चुका है। अब डा0 मंगल सेन जी बोलेगें।

डा0 मंगल सैन (रोहतक): चेयरमैन साहब, मैं इसप्रस्ताव काजो मेरे फाजिल दोस्त श्री जय नारायण वर्मा जी ने हाउस मेंरखा है उसका समर्थन करता हूं। चेयरमैन साहब, मेरे एक फाजिल दोस्त ने इस प्रस्ताव का विरोध किया और विरोध करते हूये उन्होने जो दलीलें दी थी उनसे बड़ी गलतफहमी पैदा हो सकती है। लेकिन उनके अपने विचार है, हम उनके विचारों के बारे में कुछ नही कह सकते। सभापति जी, इस प्रस्ताव के माध्यम से मेरे फाजिल दोस्त आदरणीय जय नारायण वर्मा जी नेहरियाणा की एक करोड़ 10 लाख की आबादी में जो गरीब आदमी है, वे पिसे हुये आदमी जो बडे ही निर्धन है और कमजोर वर्ग से जिनका सम्बन्ध है, जो गांवो में हल जोतने वाले का साथ देते है,उसका हल बनाते है, उसकी फाली बनाते है, उसके घर में मिट्टी के बर्तन बना कर भेजते हैऔरउसके घर मेंसेवा करते है, वह वर्ग जिसको अस्प ा तो नही कहा जा सकतापरन्तु दूर्बल जरूर है, उनकी बडी सेवा की है। सभापति जी, आप जानते ही है कि जो वर्ग आर्थिक दृश्टि से दुर्बल है, सामाजिक दृश्टि से जिनका स्तर नीचा है, स्वाभाविक है कि उसको उंचा उठाना इस दे ा का

कर्तव्य बनता है। सभापति महोदय, हमारे दे ा के संविधान निर्माताओं ने जब देखा कि इस दे ा का भविश्य हमने बनाना है तो उन्होने कांस्टीच्यू ान में एक परिवर्तन किया कि जो समाज का दुर्बल वर्ग हैउसको कैसे उपर उठाया जाये? सभापति जी, हजारों सालों से पिसता हुआ वह वर्ग जो सामाजिक कारणो से और किन्ही दूसरे कारणो से पिसतारहा उसको उन संविधान निर्माताओं ने उपर उठाने के लिए कुछ सुविधाएं और साधन उपलब्ध करांए। सभापति जी, बालक जब अपनी मां की गोद में होता है तो उससे क्या यह आ ाा कर सकते है कि बड़ा होकर अच्छा काम करेगा। अच्छे कामें के लिए तो उसे उसकी मां का संरक्षण चाहिये, पिता का संरक्षण चाहिये और फिर जब वह भरपूर जवानी में हो जाता है तो मां बाप उसे छोड देते है कि जाओ भाई अब तुम स्याने हो गये हो। इसी प्रकार का बर्ताव इन कमजोर निर्धन और पिछडे हुये वर्ग के साथ करना चाहिये। चेयरमैंन साहब, जनता पार्टी के समय के हमारे साथी जो इस हाउस में बैठे है इनको केवल मात्र 41 या 42 दिन ही हुये है दल बदले और जो बातें इन्होने राज्यपाल के अभिभाशण में और बजट स्पीच में कही है.....(विधन)

श्री जगन नाथः चेयरमैन साहब, बजट में हमने कोई टैक्स नहीं लगाया है यह तो हमने बहूत अच्छी बात कही है।

डा0 मंगल सेनः चेयरमैन साहब, श्री जगननाथ जी टैक्सों की बात कर रहे है। मैं टैक्सों के बारे में तो कुछ नही कह

रहा। जब मैं बोलता हूं तो ये मुझे बार–बार बीचमें टोकते रहते है पतानही इन्होने बचपन कैसे गुजारा होगा। चेयरमैन साहब, मैं कहना चाहता था कि आज जो इन वर्गों की स्थिति है वह बडी भाोचनीय है। जनता पार्टी की सरकार ने बैकवर्ड क्लासिज के लिए पहले दो परसैट रिजर्वे ान से 5 परसैंट कर दिया था, फिर 5 परसैंट से 10 परसैंट कर दिया था। यह सारा श्रेय जनता पार्टी की सरकार को जाता है। चेयरमैन साहब, हमने एक दिन पुलिसके मामले में एक सवाल पूछा था कि इस प्रान्त में कांस्टेबल कितने है, हैड कांस्टेबल कितने है और डी0एस0पीज0 कितने है और इनकी परमो ान में कितने बैकवर्ड क्लास के हैऔर कितने भाडयूल्ड कास्ट के है तो मुख्य मंत्रत्री जी ने जवाब दिया कि भाडयुल्ड कास्टस का कोई भी नहीं है। चेयरमैन साहब, मैं यह बात सुन कर दंग रह गया कि यह बात कैसे हुई। इन कमजोर दुर्बल,और निर्धन वर्गो केसाथ इस सरकार को ऐसा नही करना चाहिये था। इनकों भी अवसर दिया जाये ताकि उन्हे हम अपने बराबर ले आंए। इससरकार ने एक काम बहत अच्छा किया है कि एस0एस0एस0 बोर्ड में एक बडे ही सज्जन पुरूश को जिनका सम्बन्ध बैकवर्ड कलास से है सदस्य बना दियालेकिन यह सरकार पब्लिक सर्विस कमी ान में भी बैकवर्ड क्लास का कोई सदस्य बनादेती तो क्या आफतकी बात थी? उसमें भी उनको मौका मिल जाता लेकिन इस सरकार ने ऐसा नहीं किया। चेयरमैन साहब, हाउस में एक प्र न के उत्तर में मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि दो सगे भाइयों का भी आपस में मेल नहीं बैठता तो दो जातियां

आपस में कैसे सांझा रख सकती है। मुख्य मंत्री जी ने इतनी बात कह कर एक सामाजिक विकास के क्रांति के कार्य को ऐम्बैरेसिग पोजी ान में डाल दिया। चेयरमैनसाहब, जो नीतियां दो वर्श पहले जनता पार्टी की सरकार में उपलब्ध थी , उन सब पर इस सरकार ने पानी फेर दिया। पता नही कैसे उन होने यह बात कही कि दो जातियों का आपस में सांझा नहीं बैठता। चेयरमैन साहब, एक दिन हमारे एक माननीय सदस्य ने महात्मा गांधी जी कानाम हाउस में ले लिया तो वित्त मंत्री जी नेउनको एक भोयर पढ कर सुना दिया कि महात्मा गांधी से आपका क्या सम्बन्ध है? चेयरमैन साहब, गांधी जीसे तो इनका सम्बन्ध है लेकिन यह पता नहीं कौन से गांधी से है? पता नहीं वे पूज्य मोहन दास कर्मचन्द गांधी है या प्रियद र्नी श्रीमती इंदिरा गांधी है या संजय गांधी है। आखिर ये लोग किस के अनुयायी है? हमने क्या गुनाह कर दिया था जो हमने राश्ट्रपिता कह दिया? चेयरमैन साहब, मै यह कहना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री जी ने पता नही कैसे कह दिया कि सांझा नहीं चल सकता? मुख्य मंत्री जी का तो अपने भाई पोकर मल के साथ बहुत अच्छा सांझा चल रहा है। वह इनके लिए मीसा में जेल भी गया था.....

श्री जगननाथः डा0 साहब, वह मीसा में जेल नहीं गया था, वह तो ऐमरजैंसी के दिनों डी0आई0आर0 के तहत जेल गया था।

डा0 मंगल सैनः जगननाथ जी, मैं अपनी भूल को सुधार लेता हूं क्योंकि मैं भी जेल में आपके साथ था, जबकि और भिवानी वालों को करनाल जेल में भेज रखा था।

सभापति महोदय, जनता पार्टी कीसरकार को ही यह श्रेय जाता है कि उसने पिछडे हुये वर्ग की, कमजोर वर्ग की पुकार कोसुना। यहां पर मंत्री महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलते हुये पिछडे वर्ग के पक्ष में, बहुत बडी भाब्दावली का प्रयोग कर रहे थे कि साहब! ये जो भाहरी कुलक है, इन्होने इस वर्ग का विकास नहीं होने दिया।मैं इन भाइयों को कहना चाहता हूं कि यह भाहरी कुलकों का ही काम था जिन्होने गरीबों की पुकार सुनी। कांग्रेस पार्टी 30 साल तक भाासन करती रही लेकिन गरीब आदमी की पुकार को सुन नहीं सकी और इन गरीब लोगों के लिए 2 परसैंट से ज्यादा आरक्षण नहीं बढा सकी, लेकिन जनता पार्टी की सरकार ने 2 परसैंट से बढाकर 5 परसैंट रिजर्वे ान की और उसके बाद 10 परसैंट कर दी। इनके लिए निगम बनाने की जो मांग इस प्रस्ताव में की गई है, यह बिल्कूल ठीक है। सभापति महोदय, हरिजन कल्याण निकगम के द्वारा हरिजन बन्धुओं को कर्ज दिये जाते है।इनहोने जो 62 जातियां गिनवाई है, ये बेचारी बहुत गरीब है। (विघन) सभापति महोदय 'बेचारा' भाब्द मैं वापिस लेता हूं और यही कहना चाहता हूं कि जो समाज के गरीब लोग है, उनके विकास के लिए हरिजन कल्याण निगम के आधार पर एक अलग निगम बनाया जाए ताकि उनकी आर्थिक स्थिति को

सुधारने के लिए कर्जे दिये जा सकें। उनको औजारखरीदने के लिए, उद्योग स्थापित करने के लिए तथा उनको स्वावलम्बी बनाने के लिए सरकार इन वर्गो की सहायता करे ताकि ये लोग अमन के साथ जीवन निर्वाह करसके। लोकतन्त्र में जहां विचार व्यक्त करने के लिए राजनैतिक स्वतन्त्रता की आव यकता है वहां आर्थिक स्वाधीनता भी चाहिये ताकि वे किसी के अधीन न रहकार स्वतन्त्रता से निर्वाह करे। चेयरमैन साहब,इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं और स्वयं ही अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी देस राज(इंदरी): सभापति महोदय, माननीय सदस्य डा0 मंगल सैन जी बड़ी दर्द भरी कहानी कह रहे थे और श्री बूरा साहब ने भी कुछ बाते कही। डा0 साहब को वह समय याद नहीं है जब वे भी यहीं पर उद्योग मंत्री थे और बैकवर्ड क्लासिज भी यहीं पर थी। इन्होने बैकवर्ड क्लासिज को उद्योग लगाने के लिए कितना लोन दिया, उनके विकास के लिए क्या कुछ किया, यह सब सदन के सामने है, मुझे कुछ कहने की आव यकता नहीं (व्यवधान)। चेयरमैन साहब, मेरे भाई जरा खामो ा हो कर सुने, वरना मुझे अपनी बात दोबार कहनी पडेगी। (व्यवधान) जनता पार्टी के सदस्य जो सामनेबैठै है, इनमें सेदो–तीन को छोड़कर बाकीसब हमारे साथ दिल्ली में, बडे चाव के साथ इस्तीफा देने के लिये गये थे (व्यवधान) अब ये यहां बैठ कर बातें करते है? चेयरमैन साहब, जो प्रस्ताव श्री जय नारायण वर्मा ने हाउस में रखा है, मैं इसका समर्थन करता हूं। इन्होने

अपने प्रस्ताव में 3600 रूपये की भार्त हटाने के लिए बात कही है, यह उचिम है और ऐसी जिमिट फिक्स करना उचित नहीं है क्योंकि आज एक सिपाही भी कम से कम 500 रूपये महीना वेतन लेता हैं 3600 रूपये की लिमिट फिक्स करने से , एक बेकवर्ड कलास का सिपाही, बैकवर्ड क्लास से संबंधित होने के नाते से फायदा नहीं उठा सकता। मैं समझता हूं कि इस लिमिट का बिल्कुल फायदा नहीं है, यह खत्म होनी चाहिये। इसके अतिरिक्त प्रस्ताव में निगम बनाने की बात फरमाई गई है कि हरिजन कल्याण निगम के बेसिज पर बैकवर्ड क्लासिज की तरक्की के लिए कारपौरे ान बनाई जाये ताकि पिछडी हुई जातियों के हितों की हिफाजत हो सके। चेयरमैन साहब, चौधरी हर स्वरूप बूरा ने बडे जोर के साथ हाउस में कहा था कि वर्मा जी खुद तो कौटन टैरालीन के कपडे पहन कर हाउस में आये है। इस हाउस में तकरीबन सब मैम्बर कोटन टैरालीन के कपडे पहन कर आते है और अगर मैने या वर्मा जी ने कोटन–टैरालीन के कपडे पहनलिये हैतो इसका आधार हम से न गिना जाये बल्कि इसका आधार उन 99 परसैंट गरीब लोगों से गिना जाये जो चमार है, कम्बोज है और भाुरू से ही गरीब हालत में रहते हैं चेयरमैन साहब, आपको विदित ही हे कि पुराने जमाने, से यानि जबसे आजादी आई तब से लेकर अब तक नाई, धोबी, बढ़ई की क्या हालत रही है। जिस हालत में वह पहले था उसी हालत में आज भी है। इन जातियों का करोबार देहातों में तो खत्म हो ही चुका है, भाहरों में भी नाममात्र है। कुम्हार का कच्चे बर्तन बनाने का करोबार था, अब चीनी के बर्तन आने से

खत्म हो गया है। लौहार के लिए कोई काम नही रहा क्योंकि लोगों ने गांवों में खेती करने के लिए ट्रैक्टर के लिए है। दाती, खुर्पा बनाने का काम खत्म हो गया, सब कारखानों में बनते है। मेरे कहने का मतलब है कि इन लोगों की हालत दिन–प्रतिदिन दयनीय होती जा रही है। कम्बोज जाति की बुरी हालत है। चेयरमैन साहब, मेरे पास जमीन है, मुझे मालम है कि कम्बोज बिरादरी के लोग कम से कम 95 परसैंट गुजारे है। किसी किसी ने मेहनत से 1 किल्ले या 2 किल्ले जमीन खरीद ली है लेकिन ज्यादातार पहले भी मुजारे थे और आज भी मुजारे है औरजमीदारों के साथ उनकी लड़ाई चलती रहती है। मेरे हल्के में ऐसे भी लेाग है जि के पास जमीन नहीं है मु ि कल से गुजारा करते है। चेयरमैन साहब, जहां तक बैकवर्ड कलासिज को प्रोत्साहन देने का ताल्लुक है, हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने एस0एस0एस0 बोर्ड में जो एक मैंबर लगाया गया है वह बैकवर्ड क्लास से ताल्लूक रखता है, यह बात वर्मा जी को विदित है । इसके साथ ही वर्मा जी को यह भी विदित है कि डिप्टी ऐडवोकेट नजरल बैकवर्ड क्लास में से लगाया है। बैकवर्ड क्लासिज को ऐम्पलायमैंट देने के लिए सरकार की पूरी कोि ा ा रहती है लेकिन फिर भी मैं मुख्य मंत्री से निवेदन करूंगा कि बैकवर्ड क्लासिज की बहबूदी के लिए हरिजन कल्याण निगम के आधार पर कारपोरे ान बना दिया जाये ताकि इनका कुछ सुधार हो सके। चेयरमैन साहब, मैं ज्यादा न कहता हुआ सरकार से यही प्रार्थना करूंगा, यूं तो सरकार बहुत कुछ करने जा रही है लेकिन यह

जरूर कहूंगा कि इनके लिए 10 परसैन्ट जो रिजर्वे ान रखी है इसको पूरी तरह से इम्पलीमैंट किया जाये।

श्री भले राम (बडौदा–अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, मै इस रैजोल्यू ान का समर्थन करने के लिए खडा़ हुआ हूं। लेकिन मुझे यह समझ नहीं आती कि जायें तो यजायें कहां? हरिजनों के लिए कोई जगह नहीं है। चेयरमैन साहब, जब साइमन कमी ान भारत में आया था तो मुस्लमानों ने जहां अलग दे ा की मांग की थी वहां हरिजनों ने भी मांग की थी। मुसलमानों ने तो दे ा का विभाजन करवा लिया लेकिनहरिजनों ने महात्मा गांधी के आदे ा पर अपनी मांग वापिस ले ली लेकिन गांधी जी ने हमें आ वासन दिया था कि समाज के उच्च वर्गो के बराबर हरिजनों को उंचा दर्जा मिलेगा। दे ा के टुकड़े होने से अगर किसी ने बचाया है तो वह हरिजनों ने बचाया है। चेयरमैन साहब, यह रिजर्वे ान इसलिये रखी गई थी ताकि हम इन लोगों को समान आर्थिक दर्जा दें और समान इज्जत दें। यह एक प्रौटैक्ा ान थी, ठीक उस तरह की जिस तरह से एक कमजोर बच्चे को तीन पहिये का रेडुवा दे देते है ताकि वह चलना सीखें और बाद में जब वह 6–7 साल का हो जाता है। तो उससे वह छीन लेते है । इस बात को हम भी मानते है कि रिजर्वे न हमे ाा नहीं चलेगी। यह तो एक प्रौटेक्ा ान है और इसके सहारे हमें हमे ाा नही चलना चाहिये। लेकिन अफसोस इस बात का है कि दूसरों की बात तो छोड़िये जो भाई इस रिजर्वे ान का फायदा भी उठा लेते है उन्हे

भी कई लोग बराबर का भाई नहीं मानते उन्हे भी चारपाई परबैठने नहीं देते। (ाोर)

आवाजें: ये लोक दल वाले ऐसा करते है। (ाोर)

श्री भले राम: आज कोई भी यह नहीं चाहता कि वह हमे ाा बेगारी रहे, हमे ाा पिछड़ा हुआ रहे और हमे ाा बुरी नजर से देखा जाता रहे ।आज लोग चाहते हैं कि समाज में सबकों बराबर का दर्जा मिले। (ाोर)

श्री सभापति: आर्डर प्लीज।

श्री भले राम: चेयरमैन साहब, आप जानते है कि दे ा की सबसे ज्यादा सेवा हरिजन करते है लेकिन जब उनका कुछ मांगने का समय आता है तो कहते है कि हरिजन हमारे बराबर है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह: चेयरमैन साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। सभापति जी, आदरणीय साथी अभी तक इस रैजोल्यू ान पर बिलकुल नहीं बोले है। इनको पता होना चाहिये कि यह बैकवर्ड क्लासिज के बारे में रैजोल्यू न है।(विघन)

श्री भले राम: मैं उसी पर आ रहा हूं। (विधन) चेयरमैन साहब, मेरा यह निवेदन है कि इस प्रकार का आरक्षण जो भाडयूल्ड कास्टस को मिला है वह बैकवर्ड भाईयों को भी मिलना चाहिये। (विधन) सारे लोकदल के एम0एल0एज0 इस बात का समर्थन करते है। मैं तो अपने इन भाइयों से यह भी कहता हूं कि

कोई 35 फीसदी आबादी इनकी है, जैसा ये कहते है, और बीस फीसदी आबादी हरिजनों की है। अगर हम सब इकट्ठे हो जायें तो राज हमारा होगा। (ाोर) बदकिस्मती यह है कि हम इकट्ठे नहीं हो पाते और आज सबके आगे हाथ पसारते है, झोली फैलाते है कि हम गरीब है और हमें समाज में बराबर का दर्जा दिया जाये। (विधन) तो मैं ज्यादा न कहते हुये इस रेजौल्यु ान का समर्थन करता हूं औरयह कहता हूं कि जो भी सुविधाएं इसमें मांगी गई है, वे इनको मिलनी चाहिये। (विधन) यह जो ये कहते है कि जो एम0एल0एज0 बन जाते है, उनके बच्चे नही आने चाहिये,उनको ये रोक नही ंसकते, ये सारे लोकदल के एम0एल0एज0 इस बात का समर्थन करते है। इन भाब्दों के साथ मै अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): सभापति महोदय, विरोधी पक्ष के मेरे लायक साथी श्री जयनारायण वर्मा ने इस प्रदे ा के पिछडे हुये लोगों की कुछ ि ाकायत उनकी कुछ डिमांडज इस प्रस्ताव द्वारा इस माननीय सदन में रखी है। सभापति महोदय, सदियों पहले जब इस समाज की रचना हुई, वेद और भाास्त्रों में मनु महाराज ने इस समाज की रचना के बारे में लिखा और समाज को चार वर्णो में बांटा लेकिन इतिहास में एक लम्बा समय गुजरने के बाद, पैसा प्रधान समाज बनने के बाद, उन लोगों ने जो पैसे के दम पर आगे आये, अपनी ताकत के दम पर इस समाज में प्रभुत्व रखते थे, उस वर्ग को जिसके जिम्मे किसी खास

किस्म का काम लगा था अपने भाब्दों में भाूद्र कहीं कमीन कहा और आहिस्ता–आहिस्ता वे आदमी भी जो उस समाज के अंग थे अपने आपको यह समझने लगे कि हम गरीब है, कमीन है भाूद्र हैं । यह पैसा प्रधान समाज उनके भाोशण के लिये अलग अलग तरीके निकालता रहा और एक समय ऐसा आया जब यह कहा गया कि आपका गरीब होना, आपका समाज में कमजोर होना भगवान की देन है। यह आपके कर्मो में लिखा था कि आप गरीब हों। यह सब इसिलये कहा गया ताकि भाोशण से दुखी होकर वे लोग कहीं कान्ति न कर दें और भाोशण करने वालों को उनके स्थानों से बाहर न फैंक दें। यही कारण था कि आगे आने वाले समय में भी जब धर्म का असर खत्म होता गया यह कहा गयाकि राजा महाराजा और भाहन ााह के मुंह से निकला हुआ वाक्या कानून है, ला है और उसको मानना भी प्रकृति का नियम है। इसे अगर कोई नहीं मानेगा तो कानून की उल्लंघना होगी। हतो इस प्रकार से समाज का भाोशण चलता रहा। लेकिन इस दे ा के अन्दर जब 1885 में कोंग्रेस पार्टी वजुद में आई तो उसका उद्दे य इस प्रकार के भाोशण को खत्म करना भी था। महात्मा गांधी जी जब सकिय रूप से कांग्रेस में भाामिल हुये तो उन्होने कांग्रेस पार्टी के प्लेटफार्म से दे ा को एक नारा दिया था कि इस दे ा के गरीब हरिजन, इस दे ा की गरीब पिछडी जातियों के लोग अपने हक के लिये लड़ना सीखें और संघर्श करना सीखें। इसके बावजूद, आज मेरी बहिन कमला वर्मा यह कह रही थी कि कांग्रेस ने तीस साल के भाासन में गरीब बेकवर्ड क्लासिज के लिये क्या किया? मैं

उनको बताना चाहता हूं कि यह कांग्रेस की ही देन थी, यह महात्मा गांधी जी की ही देन थी, कि आज इस दे ा के अन्दर बिरला, टाटा और डालमिया की भी एक वोट है,, प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी को भी एक वोट का हक है और इस दे ा के गरीब से गरीब आदमी को भी एक बोट का हक है। (विधन) सभापति महोदय मेरे साथी कह रहे है कि इस वोट का फायदा नहीं है? सन 1947 से पहले भी चहां पर वोट पडते थे और असैमबली भी थी लेकिनउस टाईम पर आप में से कौन से मेरे साथी थे जो गरीब हरिजन थे और उन्हे इस सभा में कदम रखने का हक था। यह सब कांग्रेस पार्टी की देन है। इस प्रजातांत्रिक ढांचे को महात्मा गांधी ने खड़ा किया, दे ा में आन्दोलन चलाया तब इन गरीबों को वोट डालने का हम मिला। (विधन)

श्री जय नारायण वर्माः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। सभापति महोदय, इन्होने अपनी स्पीच में महात्मा गांधी जी का जिक्र किया है। राश्ट्रपिता का इस तरह से नाम लेना उचित नहीं। महात्मा गांधी किसी एक पार्टी की बपोती नहीं है। महात्मा गांधी राश्ट्रपिता है, स्वंतत्रता संग्राम के सेनानी थे ।उन्होने भारत में स्वंतत्रता संग्राम का आन्दोलन चलाया था। (विधन)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः सभापति जी, जय नारायण जी कहते है कि महात्मा गांधी जी किसी भी पार्टी में नही थे लेकिन वे मानेगें कि बैकवर्ड और हरिजनों को वोट का हक तो उन्होने ही दिलवाया था। वर्मा जी स्वंय जिन्दगी भर उनके नारे लगाते रहे

है और आज हाउस में महात्मा गांधी का विरोध कर रहे हैं (विघन)

श्री जय नारायण वर्माः महात्मा गांधी जी ने तो भारत स्वंतत्र होने के प चात कहा था कि कांग्रेस पार्टी को तोड़ दिया जाये। (विधन)

श्री जगन नाथः चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा इन भाइयों से पूछना चाहता हूं कि क्या उधर लोकदल में सभी भूद्र बैठे हुये है? (हंसी)

श्री सुरेन्द्र सिंहः सभापति जी, मैं आपके द्वारा अपने साथी से पूछना चाहता हूं कि अगर वे महात्मा गांधी को राश्ट्रपिता मानतेक है तो क्या इन्होने उनकी इज्जत रखी? इन लोागों ने तो महात्मा गांधी की समाधि पर सौगन्ध खा कर दे ा और समाज को धोखा दिया है। (विधन)

श्री सभापतिः मेरी सभी सदस्यों से प्रार्थाना है कि जब कोई ामननीय सदस्य बोल रहा हो तो उसके बीच में टोका–टाकी न करें।

चौधरी गंगा रामः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। चेयरमैन साहब अभी हमारे माननीय सदस्य ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हरिजनों को राईट आफ वोट दिया लेकिन मैं उनको यह बताना चाहता हूमं कि संविधान के निर्माताओं ने हरिजनों को

राईट आफ वोट दिया था। संविधान की निर्माता कांग्रेस पार्टी नहीं थी। उसमें सभी दलों के मैंबर थें।(विघन)

श्री सभापतिः यह कोई पंवायट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी गंगा रामः चेयरमैन साहब, मैं तो यह कह रहा हूं कि कांस्टीच्यूंऐट असैम्बली में सभी पार्टियों के सदस्य थे खाली कांग्रेस के ही नही थें। उन्होने यह भी कहा कि महात्मा गांधी की समाधि पर औथ ले कर आये थे फिर जनता के साथ धोखा किया। (विघन)

श्री सभापतिः आप बैठ जाइये। यह कोई प्वांयट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः सभापति महोदय, मैं बता रहा था कि जो सामाजिक विशमता सदियों से चली आ रही है वह किस तरह से बढी और किस तरीके से गरीब लोागों का पिछडे वर्ग का भाोशण होता रहा। वे बातें आज तक भी समाज के अन्दर खत्म नही हुई है लेकिन मैं सदन के सामने एक बात अव य कहना चाहता हूं कि इस सदन में चार भाई बैकवर्ड क्लास के एम0एल0एज है, अगर उनकी आर्थिक व्यवस्था देखी जाये तो वे बैकवर्ड क्लास के बडे लोगों मे आते है। उना स्टैटस अन्य बैकवर्ड लोगों से काफी उंचा है। मुझे चौधरी देसराज और श्री रामकि ान जी का पता है कि उनके पास सैकडों एकड जमीन हैं इसी प्रकार

श्री जय नारायण वर्मा जी के पास जो दो–तीन कारें और कोठियां है उनका किसी कों पता ही नहीं ।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

श्री जय नारायण वर्मा द्वारा–

श्री जय नारायण वर्माः आन ए पर्सनल ऐक्सप्लेने ान , सर। सभापति महोदय , इस सदन के सामने मेरे साथी ने मेरे बारे में जो भाब्द कहे है वे गलत है। उनको या तो ये साबित करें नहीं तो मैं उनको चैलेन्ज करता हूं कि अगर यह बात सही हुई तो मैं हाउस से इस्तीफा दे दूंगा और गलत हुई और व साबित न कर सके तो वे इस्तीफा देदे। (विधन)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः आदरणीय साथी ने अभी कहा कि मैं इस बात को साबित करूं। चेयरमैन साहब, मैं इनकी इस बात को भी साबित कर सकता हूं और अन्य बातें भी साबित कर सकता हूं। कि इन्होने खादी बोर्ड के अन्दर किस तरह से काम किया है। ये सभी बातें मैं साबित कर सकताहूं। (ाोर)

श्री जय नारायण वर्माः मैं हाउस में चैलेन्ज करात हूं कि उनको साबित किया जाये।

श्री बलदेव तायलः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। क्या किसी आदरणीय साथी के बारे कोई ऐसप ान कासट कर सकता है जबकि उसके पास कोई सबूत न हो? मेरी आपसे

गुजारि ा है कि जो कुछ मेरे साथी बीरेन्द्र सिंह जी कहा है उसको ऐक्सपंज कराया जाये।

श्री सभापतिः हम इसे रिकार्ड से ऐग्जामिन करा लेगें।

श्री जय नारायण वर्माः चेयरमैन साहब यह बात गलत हैं । इस इ ा को प्रिक्लेज कमेटी में दिया जाये।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): मैं दोनो तरफ के सदस्यों से प्रार्थना करना चाहता हूं कि वे मर्यादा में रहे। जो भी बात हम3 हाउस में करे उसको मर्यादा में रह कर करें। सभापति महोदय, यह बात प्रिवलेज कमेटी में देने वाली नही ंहै। इसलिये ं हम हाउस की मर्यादा को ध्यान में रख कर, अनु ाासन में रह कर ही बात करें।

श्री सभापतिः इस मामले को ऐग्जामीन करा लेगे।ं

श्री बलदेव तायलः सभापति जी इसमें ऐग्जामीन करने की कोई लम्बी चौडी बात नहीं है। आप भी इस सदन के आदरणीय सदस्य है। आपको यह भली भांति विदित है कि जब भी इस किस्म के पर्सनल रिमार्क्स होते है या किसी सदस्य पर ऐलीगे ानज लगाये जाते है तो उनको उसी समय ऐक्सपंज करने के आर्डर कर दिये जाते है। मेरी तो केवल इतनी दरखास्त हैकि आप रूल्ज कि किताब अभी मंगा कर देख ले। उसके बादआप अपनी जो रूलिंग देगें वह हमें स्वीकार होगी। (विधन)

श्री सभापतिः इसको हम ऐग्जामीन करवा लेगें।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः सभापति महोदय मैंने कोई ऐसी बात नहीं कही जिससे मेरे साथी को दुख हो और न ही मेरी कोई ऐसी मं ाा थी।

श्री सभापतिः मेरी सभी साथियों से प्रार्थना है कि किसी सदस्य के बारे में सर्वनल बात न कहे और यह मामला ड्राप्ड समझा जायें।

चौधरी बीरेन्द्रसिहं : चेयरमैन साहब, मेरे साथी के पास अपनी कार और अपना मकान है। मैने तो वह बात सिर्फ इसलिये कही थी कि समाज में जो गरीब वर्ग है, पिछडा वर्ग है उसमें से कुछ लोग जो उपर उठे है, वे लोक दल के नेता है। चोधरी देवी लाल जी को आप ले लीजिए वे लोक दल के नेता क्यों है? क्योंकि उनके पास पांच सौ एकड जमीन है। चौधरी संत कंवर और चौधरी गंगा राम को नता क्यों नहीं माना जाता क्योकि उनके पास जमीन बहुत थोडी है। (ाोर)

श्री सभापतिः मेरी सभी साथियों से फिर प्रार्थना है कि वे किसी के बारे ंमें पर्सनल बात न करें। (विधन)

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः चेयरमैन साहब, मेरे साथी नेअभी हाउस में कहा है कि चौधरी देवी लाल को इसलिये नेता माना जाता है कि उनके पास बहुत जमीन है और चौधरी गंगा राम तथा चौधरी संत कंवर को इसलिये नेतानहीं माना जाता है

क्योंकि उनके पास बहुत थोडी जमीन है लेकिन उनको यह भी पता है कि सर छोटूराम के पास तो केवल दो एकड जमीन भी नहीं थी लेकिन सारे ज्वांयट पंजाब में, सारे दे ा में उनको नेता मानते थे जबकि उनके धेवते के पास चार सौ या पांच सौ एकड जमीन है लेकिन उसको अपने गांव के अन्दर भी नेता नहीं मानते है। (ाोर)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः सभापति महोदय, उन्होने कहा कि मेरे पास पांच सौ एकड जमीन है लेकिन यह बात ठीक नहीं है मेरे पास तो छः सात एकड जमीन है। मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं (विघन)

गैर–सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

चौधरी बीरेन्द्रसिंह : सभापति महोदय , मैं यहकह रहा था कि समाज का गठन पंजीपति समाज में ऐसा हुआ कि आज भी अगर अखबारों में यह खबर निकाल दी जाये कि बिडला साहब की फैक्ट्रियों का ने ानेलाईजे ान किया जा रहा है तो रेहडी जगाने वाले लोग या अन्य बिरादी के लोग यह कहेगे कि बिडला साहब के साथ अन्याय हो रहा है हालांकि उससे उनको फायदा ही होगा। समाज के अन्दर कुछ लोागों न समाज के दिमाग को खरीदा हुआ है। समाज की सारी सम्पति के दो तिहाई भाग के वे मालिक बने हुए है। उन लोगों नेगरीबों की आवाज को दबाया

हुआ है। उनके जो मानव अधिकार हैउनसे वंचित कररखा है। (विधन) मैं श्री जय नारायण वर्मा जी द्वारा जो प्रस्ताव यहां हाउस में पे ा किया गया है उसका समथ्रन करने के लिये खडा हुआ हूं तो मेरा सूझाव यह है कि उन्होने जो कार्पोरे ान की बात कही है वह बात बिलकुल दरूस्त कही है। हरियाणा की एक तिहाई जनसंख्या बैकवर्ड क्लासिज से संबंध रखती है। यह संख्या हरिजन भाइयों की सख्ंया से भी ज्यादा है। सभापति महोदय, यह ठी कहै कि पिछले 10 सालों सेहरिजन कल्याण निगम बना हुआहै लजेकिन इस निगम ने हरिजनों की जितनी सेवा करनीचाहिये थी, वह नही की। अगर मुख्य मंत्री महोदय यह मानते है कि बैकवर्ड क्लास के लिये भी निगम बनाया जाये तो उसके बारे में मैं यह कहूंगा कि उस निगम में धन के साधन इतेने हो कि ज्यादा से ज्यादा बेकवर्ड लोागों को कर्जा दिया जा सके। ताकि वे अपने रोजगार के साधन बढा सके और समाज में जो उनको अधिकर मिलनेचाहिये वे मिलसकें। हरियाणा सरकार ने बैकवर्ड क्लासिज के लिये एक कमेटी कागठन कियाहै। इसकमेटी के अन्दर 3 मंत्री भाामिल किये गये है। भाायद री मेहर सिंह राठी इस कमेटी के अध्यक्ष हैं इस कमेटी के अन्दर किसी भी बैकवर्ड क्लास का आदमी नहीं लिया गया है। इस कमेटी ने यह देखना है कि कौनसी ऐसी जातियां है जो पिछडी जातियों से बिलौग करती हे ताकि जिनको अभी तक बैकवर्ड क्लासिज की लिस्ट में भाामिल नहीं किया गया है उनको उसमें सम्मिलित किया जासकें। सभापति महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार से निवेदन कंरूगा कि इस कमेटी के अन्दर बैकवर्ड क्लास

को अव य प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिये क्योकि ये तीनों मंत्री बैकवर्ड क्लास से संबंध नहीं रखते। मैं यह चाहता हूं कि इस कमेटी के अन्दर बैकवर्ड क्लास का कोई एम.एल.ए. या दूसरा कोई पब्लिक का नुमायन्दा जो कि बैकवर्ड क्लासिज के बारे में जानकारी रखता हो अव य भामिल किया जाये। इन भाब्दों के साथ सभापति माहोदय मैं यह कहूगां कि हमारे आदरणीय सदस्य डा0 मंगल सैन जी नेएक बात बडी बढा चढा कर कही कि जनता सरकार ने 10 परसैन्ट की रिजर्वे ान की थी। सभापति महोदय मैं आपके जरिये अपने साथियों को यह बताना चाहताहूं कि सन 1976 के अन्दर कांग्रेस पार्टी नेयह फैसला किया था कि बैकवर्ड क्लासिज की रिजर्वे ान को बढायाजाये। चेयरमैन साहब सन 1977 मे चुनावहो गये। कांग्रेस पार्टी की जो नीतियां थी, उसको मद्देनजर रखते हुये हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय ने 10 परसैन्ट की रिजर्वे ान कर दी। इसके लिये मै। उनका स्वागत करता हू।(ाोर)

चेयरमैन साहब, ये लोग जनतापार्टी के राज की बातें करते हैं इन की जनता पार्टी केतो सिर्फ 11 ही सदस्य है और जो ये चार सदस्य है ये तो ऐसे ही हैं क्योंकि ये कांग्रेस की विचारधारा के हैं । कांग्रेस पार्टी की ही नीतियों का वेसमर्थन करते है। (ाोर) बाकी तो सब जनसंघ घटक रह गयाहै। (ाोर एवं व्यवधान)

सभापति महोदय, जो प्रस्ताव मेरे साथीजय नारायण वर्मा जी ने रखा है, इसका इनके पीछे जो साथी बैठे है उन्होने विरोध किया है। वेदिमागी तौर से तैयार नहीं है कि गरीब लोग जो कि समाज में पिसे हुये है, वे भी उपरउठ सकें। हम चाहते है कि समज का भाोशीत वर्ग किसी न किसी तरह से उपर उठ सके। इस प्रस्ताव पर मेरा पूरा वि वास है और में यह कहना चाहता हूं कि सरकारइस पर अमल करें। इस बात को मद्देनजर रखते हूये बैकवर्ड क्लास को सुविधाएं देने के बारे में जो बातें यहां आयी है उनका ध्यान रखते हुये वे सारी सुविधाएं उनको दी जाये।।

श्री मुल चन्द जैन (संभालखा): चेयरमैन साहब, मैं सिर्फ दो मिनट लेना चाहता हूं । सबसे पहले मैं आपका भाुक्रिया अदा करता हूं कि आपनेमुझे बोलने की इजाजत दी है। यह जो हाउस में प्रस्ताव रखा गया है इसका हमारेलोकदल के सभी साथियों नेसमर्थन किया हैं मुझे पता लगा है कि हमारे साथी श्री हरस्वरूप बूरा ने इसका विरोध किया है। यह उनकी निजी राय हो सकती हैजैसा कि रूलिंग ग्रुप के भी किसी साथी की हो सकती हैं मगर लोकदल बतौर संस्था इस प्रस्ताव केहक में है।

चौधरी जगजीत सिह पोहलू: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। चेयरमैन साहब, 30 साल हो गये है बाबू मूलचन्द जैन जी एम.पी., एम.एल.ए. और मिनिस्टर रहे है। मैं इनसे पूछना

चाहता हूं कि इन्होने कांग्रेस सरकार में रहते हुये यदि बैकवर्ड क्लासिज की कोई भलाई की हो , वह बता दें (विघन)

श्री मूल चन्द जैनः चेयरमैन साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने यह जो एलान किया है कि रजर्वे ान पांच परसैन्ट से दस परसैन्ट कर दी गई है यह उस समय किया था जिस समय वे जनता पार्टी में थे। मै। किसी कन्ट्रोवर्सी में नहीं जाना चाहता। किसी ऐसी कन्ट्रोवर्सी में पडने का कोई फायदा नहीं है। अब वे कांग्रेस में आ गये। अब उनको बैक्वर्ड क्लासिज की रिजर्वे ान 15 प्रति ात कर देनी चाहिये। हकीकत यह है कि हमारे दे ा में जो पिसनेवाले हरिजन भाई है या बैकवर्ड क्लास के भाई है। वे हजारों वर्शो से पिसते आ रहे है। मैने संविधान की 45वीं रैटीफिके ानके सं ाोधन पर बोलते हूये यह कहा था कि वेल्यूज कासवाल है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुये)

हमारे लिये यह सौभाग्य की बात है कि महर्शि दयानन्द और गुरू नानक देव जी से लेकर गुरू गोबिन्द सिंह जी तक सभी गुरूओं नें उन वैल्यूज को बदले की कोि ा ा की है। उसी का परिणाम है कि महर्शि दयानन्द और महात्मा गांधी जी की इसतालीम की वजह से इस दे ा के उच्च वर्ग के बे ाुमार लोगों के दिमाग में यह भावना जागृत हुई कि इन गरीब हरिजनों और बैकवर्ड लोगों के प्रति भी सदभावना होनी चाहियें। यह सदभावना कही कहीं पर या कुछ क्षेत्रों में ईर्श्या की भावना पैदा हो सकती है। लेकिन जैसे मैने कहा कि लोकदल बतौर पार्टी के इस प्रस्ताव

की हिमायत करता है और किसी व्यक्ति को इस बात की गलतफहमी नहीं रहनी चाहिये कि लोक दल इस प्रस्ताव काविरोध करताहै ं। कोई एक व्यक्ति हम में से भी इस प्रस्ताव का विरोध कर सकता है और कोई एक व्यक्ति आप में से भी कर सकता है। (व्यवधान व भाोर) तो स्पीकरसाहब, मैं ज्यादा समय न लेते हुये मुझे जो बोलने के लिये समय दिया गयाउसमें बोलते हुये और आपका ध्न्यवाद करते हूये यही कहना चाहता हूमं कि हम इस प्रस्ताव की हिमायत करते है ओर मुझे यह वि वास है कि सारे भाई इस प्रस्ताव की हिमायत करेगें अैर यह सर्वसम्मति से पास होगा।

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, मे ंआपसे यही कहना चाहता हूं कि इस प्रस्ताव पर काफी बहस हो चुकी है और मंत्री जी ने भी अभी जवाब देना है। इसके अलावा एक और दूसरा प्रस्ताव भी है। अगर यह प्रस्तावऐसे हीचलता रहा तो वह तो रह ही जायेगा वह प्रस्ताव चूंकि खास कर मेरे महकमें से सम्बन्धित हैइसलिये मैंआपसे यह रिकवैस्ट करूंगा कि अब इस पर और जयादा डिस्क ान अलाउ नहीं करनी चाहिये। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः देखिये, यह प्रस्ताव मेरा ख्याल यह है कि पौनेदस बजे भाुरू हुआ था अब तक इस परडिस्क ान होते हुये पौने दो घंटे हो गये है। मैं हाउस की इस मामले मेंसैन्स लेना चाहूंगा कि कितनी देर तक यह प्रस्ताव और चलना चाहिये।

आवाजें: कम से कम आधा घंटे का टाईम तो जरूर चलना चाहिये।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

चौधरीराम कि ान द्वारा

चौधरी रामकि ानः आन ए प्वांयट आफ पर्सनल एक्सपलेने ान सर। स्पीकरसाहब, जिस समय मैं चेयर पर बैठा हुआ था तो एक माननीय सदस्य चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने मुझ पर यह ऐलीगे ान लगाया था कि इके पास सैकडों किल्ले जमीन है। मैं आपकी मार्फत माननीय सदस्य को और सारे हाउस को यह बताना चाहता हूं कि मेरे पास सैकडों किल्ले जमीन नहीं है मेरे पासजितनी लैंड परमीसिबल हैं उतनी ही है।

गैर–सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

चौधरी हुक्म सिंह (दादरी): स्पीकर साहब, मेरे साथी श्री जय नारायण वर्मा ने जो प्रस्ताव हाउस में पे ा किया है, मैं उसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं। कांग्रेस पार्टी के राज में , 32 साल के भाासन में बैकवर्ड क्लासिज का इतना भाोशण हुआ है कि मेरे ख्याल से अतना किसी दूसरी जाति का नहीं हुआ होगा। ये जो दस्तकार आदमी थे, इनकापे ाा था लकडी का काम करना लोहेका काम करना, बर्तन बनाने का काम करना। आज हमारे भाई चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बहुत बढ चढ करबातें कर रहे थे लेकिन मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि 32 साल के कांग्रेस

पार्टी के राज में जब इनको मिटटी में मिलाया गया, उस वक्त आप लोग कहां थे? उनके जो धन्धे थे, उनका जो काम था, वह उनसे छीनकर बडे–बडे कारखानेदारों टाटा और बिरला को दे दिया गया और इन लोागों को बेकार बना दिया गया। अगर यह बैकवर्ड क्वालसिज का कुछ भला करना चाहते तो कांग्रेस पार्टी के राज में यह काम टाटा हऔर बिरला को न देते। कांग्रेस पार्टी की सरकारउनको कर्जे देती ताकि वे छोटे मोटे कारखाने लगासकें मगर इनका कामतोउनकोबेकार करना था। आज यह कांग्रेस पार्टी द्वारा उनकोउपरउठाने की बात कहते हैंआज यहउनके लिये रिजर्वे ान की बात करते है। कांग्रेस पार्टी के राज में ये उनके लिये रिजवे ान की बात कहां भूले बैठे है? उस समय इनको रिजर्वे ान याद नहीं आयी। इतना तो भाुक नहीं करते कि जनता पार्टी ने इनके लिये 10 प्रति ात रिजर्वे ान कर दी है। मैं तो यह कहनाचाहूंगा कि यह जो 10 प्रति ात की रिजर्वे ान है, यह बहुत थोडी है। 35 प्रति ात लोागें के लिये मेरा तो यह सुझाव है कि कम सेकम 25 प्रति ात रिजवे ान होनी चाहिये ताकि जो लेाग हजारों सालों से पिछडे हुये हैइनकों हम कुछ उपर उठासके।

श्री अध्यक्षः फिर ऐक्स–सर्विस मैन का क्या होगा? ((व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी हुक्म सिंह : अगर हमने समाज में सबकों बराबर का हिस्सेदार बनाना है तो इसके लिये जिस प्रकार से हरिजनो की भलाई के लिये हरिजन कल्याण निगम है उसी तरह

से बैकवर्ड क्लासिज के लिये भी कोई ऐसी ही निगम बनायी जोय ताकि ये लोग भीछोटे – मोट करखाने लगासकें और उंचे उठकर दस्तकारो का नाम उंचा कर सकें। यह काम तो कांग्रेस पार्टी ने आज तक नही किया यह तो उनकोजमीन के नाम पर आपस में लडा–लडाकर वोट हासिल करते रहे। मेरा सुजै ान यही हैकि इन लोगों को अधिक से अधिक कर्जै दियो जाये ताकि ये दस्तकार आदमी छोटे मोटे कारखाने लगा सकें और जो धन्धे बडे बडे सेठों औरसाहूकारों ने इनसे छीन लिये है, वे इनको वापिस मिल सकें। (धन्यवाद)

स्वामी आदित्यवेश (हथीन): अध्यक्ष महोदय, हमारेएक माननीयसदस्य श्री जय नारायण वर्मा जी ने जो प्रस्ताव इस हाउस में रखा है मै ंउसका समर्थन करनेके लिये खडा हुआ हूं । अध्यक्ष महोदय,हममें से ऐसी बात नहीं है कि कोई भाूद्र नही है। हमारे कई साथीविधायक ऐसे है जो बेकवर्ड क्लासिजसे ताल्लुक रखते हैऔर यहां पर चुनकर आये हुये है। मगर उनमें हीन भावना अभी भी यों की यों कायम है। कि हम भाुद्र जातिसे सम्बन्ध रखते हैं। भाुद्र किनको कहा जाता है? मनुस्मृति में मनु जी महाराज ने यह कहा है ''जन्मना भाूद्रों अजायतः'' जन्म से जाति नहीं कर्म से ही जाति होती है। जन्म से सभी भाूद्र होते है। मुझे बडे दुख के साथ कहनापडता है कि हमारे एक साथी श्री बूरा साहब ने यह कहा कि मैं इसका विरोध करता हूं। यह सच्चाई की बात है कि हमारे पलवल क्षेत्र में जब मेरे पास कुछ गरीब हरिजनव बैकवर्ड क्लासिज

वाले कटाई के टाईम आये और उन्होनेअपनी बाते मुझे बताई तो मैं ने वहांके लोगों से यह कहा कि भई आप इनकों 5 की बजय 7 पूलीदे दो। मैं सदन मे यह बतानाचाहता हूं कि सरकार तो समय समय पर प्रयास करती रहती है लेकिनहम भाइयों कोभी इनके लिये कुछ न कुछ सोचना चाहिये। हमारी सरकार ने तो समय– पर इनकों उभारने का काफी प्रयास किया है और वास्तविकता यह है कि अगरसरकार इनके लिये कोई प्रयास न करे तो लोग तो इनकों गांव में न जीने दें। गांवमें इन लोगों को दूसरे लोग बाने भी न दें यह हकीकत है कि जो पिछडी हुई जातियों के लोग है, चाहे वे भंगी है, चमार है, चूडे है, या सांसी है इनकों बडे बडे लोग मजबूर करतेहै। कि वे चोरी करें। चोरी करके जो कुछ लेकर वे आते है, उनमें से आधा हिस्सा वे लेते हैं। क्रिमीनल बेचारे वे कहलाते है, जेलों की सीख्चों में इनको जानापडता है लेनिक वेलोग आधा हिस्सा बैठे बिठायें ले जाते है । (व्यवधान एवं भाोर)

श्री मूल चन्द मंगलाः अध्यक्ष महोदय , हमारे साथी स्वामी जी नेयह कहा कि कई स्वर्ण जाति के लोग उन लोगों को मजबूर करते है कि वे चोरी इत्यादि करे। उनकों ऐसे कोई बात नहीं कहनी चाहिये। कोई एक आध व्यक्ति ऐसा हो सकता है सारे नही। इसलिये मैं यह चाहूंगा कि स्वामी जी जनरल सी बात न करें जिसका सबूत न हो।

स्वामी आदित्यवे ाः मैंनेअध्यक्ष महोदय, किसी का नाम नही लिया। मैंने यह कहा है कि कुछ ऐसे लोग है जो है तो बडी

उच्चा जाति के , कारोबार भी उनके बडे उंचे है, लेकिन वे इन बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को कई बार मजबूरकरते है कि वे चोरी इत्यादि करें। उनकेअपने बच्चों का लालन–पालन करने पर तो लाखों रूपय खर्च हो जाते है, पडसई वर्गरह के लियेवेअपने बच्चों को दे दे ा यादे ा में कहीपर भी भेज सकते है लेकिनउनके यहां पर जो उनके बच्चों का लालन–पालन करने के लिये लोग रखे जाते है उनको सिवाय रोटी और कपा के वे दे नहीं सकते। जब उनको यह कहा जाता है कि वे बेचारे भी तो आपके परिवार के हीसदस्य है तो वे यह कहते हैकि ये तो नीच है, ये तो कमीन है। आज यूरोप जैसे दे ा हमारे से आगे क्यो बढ गये है। वहां पर सबसे ज्यादा वेतन और सबसे ज्यादा वेतन और सम्मान वहां पर भंगी को दिया जाता है। लेकिन हमारे यहां स्थिति बिल्कूल उल्ट है। जब हम स्वर्ण जाति वालों से यह कहते हैकि आप इनको इनकी मजदूरी थोडी सी ज्यादादो, तब वह एक पैसा भी ज्यादा देने के लिए तैयार नही होते। अभी पिछले दिनों ऐसी ही एक बात पीपरा में हुई औरवहा। पर एक कांड हुआ। वहां के गरीब लोग यहकहते थे कि आप हमें मजदूरी क्योंकि सरकारने बढा दी है इसलिये बढी हुई दो, लेकिनवहां के दूसरे लोग उन्हे देने को तैयार नही थे। उनको बढी हुई मजदूरी देने के स्थान परवहां पर 14 आदमियों को जिन्दा जलादिया गया। मैं यह चाहता हूं कि हम सब लोग सदन में बैठ कर आत्म निरीक्षण करें।पिछले चुनावों के दौरान कितने ही गावें मे हरिजनों को वोट नहीं डालने दिया गया। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री भले रामः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। स्वामी जी कहरहे है किहरिजनों को वोट नहीं डालने दिया। यह बिल्कुल गलत बात है। अध्यक्ष महोदय, सभी हरिजनों ने अपनी मर्जीसे वोट डाला था, किसी को भी नहीं रोका गया । (व्यवधान एवं भाोर)

स्वामी आदित्य वे ाः अध्यक्ष महोदय, डाक्टर मंगल सैन हमारे बडे बुजूर्ग साथी हैऔर बडे योग्य साथी है लेकिनजब कभीबात भाुरू करते हैतोयही कहते हेकि जो कुछ कियावह हमने ही किया। दुनिया को बसाया गया है वह हमनेही बसाया है पहले कोई दुनिया नहीं थी। आज भी दुनिया हमारे इ ाारे पर ही चल रही हैं पंतग की डोरहमारे हाथ में है। जब हम चाहेगें इसको उडा देगें और जब चाहेगें इसको नीचे गिरा देगें (व्यवधान एवं भाोर)।

डा0 मंगल सैनः जनता पार्टी ने काम किया और आप भीउस पार्टी में भाामिल थे।

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, आज सैन्टर में कांग्रेस(आई) कीसरकार है और हरियाणा में भी कांग्रेस की सरकार है, जिसके नेताहमारे चौधरी भजन लाल है। उन्होने इस रिजर्वे ान की बात को माना है।

श्री रण सिंह मानः आन ए प्वायंअ आफ आर्डर। स्पीकर साहब, इस रेजोल्यू ान पर बोलते हुये काफी समय होगयाह`। अगला रैजोल्यू ान मेरा हे और उसमें येसारे प्वांयट कवर हो

जायेगें। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि समय के अभाव को देखते हुये इस रैजोल्यू ान पर डिस्थ ान बन्द कर देना चाहिये।

Mr. Speaker: I will aloow only one or two more members to speak after Swami ji and then this debate will close. Swami ji, please wind up.

स्वामी आदित्यवे ा: अध्यक्ष महोदय,मैंअभी खत्म करने जा रहा हूं। महात्मा गांधी ने कहा था कि ज्यादा नारेबाजी न करो।। हरि से तू मत प्रीत कर, तू कर हरिजन से प्रीति। अध्यक्ष महोदय, जब महात्मा गांधी सूट बूट पहन कर चम्पारन में आन्दोलन करने के लिये बये औरवहां पर देखा कि बहुत से भाइयों के पास कपडा तक पहनने के लिये नहींहै उन्होने उसी वक्त सूटबुट उतार दिये और घुटने तक धोती पहन ली और चादर ओढ ली और कहा किअगर इससे ज्यादा हम पहनते है तो हम चोर है। अध्यक्ष महोदय, अगर वास्तव में इन गरीब हरिजन भाइयों की हम मदद करना चाहते हैतो जितना हक हमारा बनता है अगर उससे ज्यादा हमारे पास हैतो उसको हमें समर्पण कर देनाचाहिये। केवल नारेबाजी से कुछ होनेवाला नहीं हैं इतना कहकर मैं समाप्त करताहूं औरअपने साथियों सेकहना चाहता हूं कि झूठी नारेबाजी से कुछ होने वाला नहीं है ।इसके साथ ही मैं इस प्रस्तावका समर्थन करताहूं और अपनीसरकार को बधाई देता हूं कि जिन बातों की प्रस्तावमें मांग की गईहै, करीब करीब हमारी सरकार नेउनको माना हैं।

चौधरीउदय सिंह दलाल(बादली): स्पीकर साहब, मैं आपका ाुक्रिया अदा करताहूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया है। स्पीकरसाहब, श्री जय नारायण वर्मा ने जो प्रस्ताव सदन में रखा हैउसके बारे में मैं आपकी मारफत सदन को बताना चाहता हूं किपिछलेतीस सालसे यह समस्याहल नहीं हो सकी और आज भी ज्यों की त्यों है। अध्यक्ष महोदय, कोई भी अच्छी बात जब कोई पार्टी रखती है तो कुछ लोग उसको हंसी में उडाकर सारी पार्टी के प्रोग्राम को खत्म कर देते है । असल में हमाराा मं ाायह होना चाहिये कि गरीब लोगों की भलाई के लिये चाहे कांग्रेस पार्टी कोई कानून बनाये चाहे जनता पार्टी कानून बनये औरचाहे लोक दल कानून बनाये हम सब लोगों को उसका समर्थन करना चाहिये। मैं स्वामी जी के उपर कोई पर्सनल अटैक नहीं करता लेकिनमैं कहना चाहता हूंकि ये महात्मा गांधी का हवाल दे रहे थे कि उन्होने सूटबूट उतार दिया औरघुटने तक की धोती पहन ली।मैं कहना चाहता हूं कि स्वामी जी इतना रूपया कमाते है,इतना टी.ए.,डी.ए लेते है, जहाजों में घूमते है, दौरा करनेकी बजाय अगर ये गरीबों के लिये आटा मांगना भाुरू कर दें तोकितना अच्छा रहे। ये टी.ए., डी.ए. और तनखाह कासारा पैसा अगर गरीबों में बांट दे तो गरीबों का कितना भला हो सकताहै?

श्री अध्यक्षः क्या पता है भाायद ये देते ही हों।

चौधरी उदय सिंह दलालः कहां देते है? ये जब जेल मे थे तो ढेरसारी रोटी खाते थे (व्यवधान)। स्पीकर साहब, मैं

कहना चाहता हूं कि फौजियों के लिये जितनी रिजर्वे ान है उसको स्ट्रिक्टली फालों करना चाहियें । अध्यक्ष महोदय ,आपको पता ही है कि लडाई मं जो लेाग मर जाते हे उनके बच्चे अनाथ हो जाते है। कितनी ही जवान लडकियां बेवा हो जाती है। इसलिये सरकार को फौजियों की रिजर्वे ान पर पूरी तरह अमल करना चाहिये ओर इसी तरह सेहरिजनों के लिये जो सीटें है वेउनकों मिलनी चाहिये। स्पीकर साहब, बैकवर्ड क्लासिज का जहां तक ताल्लूक हैलोकदल के सैन्टर्ल हाई कमान्ड का यह प्रोग्राम है कि इनकी पच्चीस परसैटं रिजर्वे ान होनी चाहियें। स्पीकरसाहब, लाहौर हाई कोर्ट के जज सर भाादी लाल ने हमको जाट नहीं माना बल्कि हमो बैकवर्ड माना था।बे ाक हमें भी इनकी सूची में भाामिल कर लिया जाये, हमें तो बडी खु ाी होगी।

स्पीकर साहब, हमारी पार्टी के प्रोग्राम के मुताबिक जो धन सबसिडी के तौर पर दे रहे है उसको गरीबों और हरिजनों की मददकेलिये खर्च किया जाना चाहिये। उस धन को उन लोगों कोदना चाहिये जो देहात में गरीब है या हरिजनहैऔरवे कोई इंडस्ट्री लगानाचाहते हैं। लेकिन आप लिस्ट देख लें सबसिडी का सत्तर लाख रूपया हरियाणा सरकार बडे बडे इुंडस्ट्रियलिस्टस को दे रही है बिरला और टाटा को हमारे द्वारा सबसिडी का दिया हुआ रूपया दिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय यह रूपया हरिजनों को, बैकवर्ड क्लास के लोगों को और देहात के लोगों को, जो इंडस्ट्रीज लगाना चाहते है, मदद के तौर पर दिया जाना चाहिये।

मैं चौधरी भजन लाल जी को कहनाचाहता हूंकिउनकी सरकार को कोई ख,ातरा नहीं है .....

Mr. Speaker: No personal attack please. It should not be recorded.

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकरसाहब, हम तो चाहते है कि बैकवर्ड क्लासिज के लिये एक कार्पोरे न बनाई जाये और इनको ज्यादा से ज्यादा सहूलियतें मिले।एक वजीर भीबेकवर्ड क्लास का हल्फ ले हमें तो तब ज्यादा खु ाी होगी। अध्यक्ष महोदय, आज तो हालत यह है कि गांवों मं जो मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हार है उनके लिये मिट्टी खोदने की जगह नही ंहै। आज बिरलाऔर टाटा को सबसिडी दी जा रही है लेकिन कुम्हार के लिये मिट्टी खोदने की जगह नहीं है। सपीकर साहब, ब मै ंइतना कह करखत्म करताहूं औरसरकार सेऔरसदन के सभीमैंबर्ज से प्रार्थना करता हू कि समाज के जो कमजोर लोग हैहरिजन है और बैकवर्ड क्लास केभाई हैउनकी हरतरह से मदद की जाये इन भाब्दों के साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थनकरता हूं।

चौधरी रिजक राम (राई): स्पीकर साहब, आज सुबह से इस प्रसतावपर चर्चा चल रही हैं स्पीकरसाहब,असल मं इस प्रस्ताव का मकसद यह है कि हमारेसमाज में जो गरीब औरबैकवर्ड लोग है उनकोक्या रियायत दी जाये और किस तरह से उनकी हालत को सुधारा जाये। अध्यक्ष महोदय, यह प्र न पिछले तीस साल से जब से दे ा आजाद हुआ है सरकारके सामने हैऔर यह

बात भी सब मानते है कि पिछले तीस साल में जो लोग गरीब थे वे औरगरीब हो गयेऔर जो अमीर थे वे औरअमीर हो गये। स्पीकर साहब, कल ही प्रधानमंत्री ने लोकसभा मेंकहा है कि हमारे देहातो में 54.09 प्रति ात ऐसे आदमी है जो गरीबी के रेखा से नीचे है, जिनका गुजारा भी नहीं चलता हैं ऐसे लोग हमारे प्रान्त में भी है औरउडीसा में ऐसे लोगो की संख्या71 प्रति ात के करीब हैऔरये लोग देहात में बसने वाले हैंस्पीकरसाहब, आज हमारेसामनेसबसे गम्भीर बात यह है कि जिन लोगों का गुजारा नही हो रहा है जो गुजारे की रेखा से नीचे है उनको किस तरह से गुजारा दे सकते है, किस तरह से ऐसे जराये पैदा कर सकते हैजिससे उनका भला हो सके।। स्पीकरसाहब,गरीबी किसी एक बिरादरी में नही है गरीबी किसी वि ोश समुदायमें सीमित हो, ऐसी बात नहीं है। हमदेखते हैकि जैस मजदूर लोग ह ै वे तो किसी तरहसयेअपना गुजारा चला रहे है लेकिन जो बैकवर्ड क्लास के लोग है जैसे तरखान है और लकडी काकाम करते हे जो लोग कुम्हार का काम करते हैउनकी हालत इन तीस सालमें कमजोर हुई है। अध्यक्ष महादेय आपको पताहोगा कि पहलेसमय में आप जब बाजारमें जाते होगेंतोकुम्हार द्वारा बनाये गये बर्तन आपकोंवहां से मिलते होगें जो कि भाादियों केमोकों पर भी इस्तेमाल हुआ करते थे लेकिन जब से मार्किट में पिच्र प्यालियां वर्गरह आगई तबसे उन बेचारो का ध्न्धा बिकुल बन्द होगया और वे बेचारे इस गरीबी की रेखा के नीचे आ गये। इसी तरह से तरखान और लोहार काम है। जब से बैंक और टयूबवैल आ गये है उसदिन से

इनका बिजनैस भी बिल्कुल बन्द होगयाहै औरकाम बिल्कुल मन्दा पड गया है। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय कोटेज इंडस्ट्रीज जो देहात में थी, सारी कीसारी बैकवर्ड के हाथों में थी लेकिन जब से दे ा में ने ानेलाईजे ान हुई, घीरे–धीरे कौटेज इंडस्ट्रीज खत्म होती चली गई जिसके कारण दे ा में गरीबी और ज्यादा बढ गई।

अध्यक्ष महोदय, इस तरह से मैं आपको औरभी बताना चाहताहूं कि इस वक्त जो गांवमें किसान है, वेबराये नाम के किसान रह गये है और उनके पास बहुत थोडी जमीने है। किसी के पासएक एकड, किसी के पास दो एकड और किसी किसी केपास मु कल से एक बीघा जमीन होगी और हरियाणा में 100 में से 39 परसैन्ट किसान ऐसे होगें जिनके पास का त करने के लिये कोई जमीन नहीं है। और 53 परसैन्टकिसान ऐसे है जिसके पास ढाई एकड या इससे कम जमीन होगी। आप इस बात को अच्छी तरह से जानते हेकि ऐसी हालत में किसान किस तरहसे अपनेबच्चों का पालन पोशण करते होगें आज जितनी पैदावार किसानकरता है, उससे तो उसका खर्चा भी पूरा नही होताहै औरवह कर्जे के नीचे दबा हूआ है, चाहे बैंक काकर्जा हो, चाहे किसी औरजगह का कर्जा हो। इसके साथ–साथ मैं यह कहूंगा कि जो देहातों के पुरानेकिसान है,उसको आदरऔर मान काकुछबहम सा है। वह बेचारा सडकों पर रोडी नही कूट सकता, मिट्टी नहीं डालसकता, जिस तरह सेकि मजदूर डालताहै और उसकी हालत

एक मजदूर से भी बदतर है वह गरीबी की रेखा केनीचे बुरीतरह से पिस रहा है। इसलिये अगरदेखा जाये सही मायनों में किसी में गरीबी है तो ऐसे लोगों में है इन की तरफ सरकार को खास तवज्जो देनी चाहिये औरउन लोगों की हालत कोसुधारना चाहिये जोकि इसवक्त गरीबी की रेखाके नीचे पीस रहे है। आज लोग इस तरह से गरीबी में रह रहे हैकि वेअपने बच्चों का पढा नही सकते है, नौकरियों उनको नही मिलती हे क्योकि वे पढे लिखे नही है। भार्म केमारे मजदूरी भी उनके बस की बात नही है। अध्यक्ष महोदय, मुण्े इस बात की खु ाी है कि सरकार न इस तरॅफ थोडा ध्यान देते हूये बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिये रिजर्वे ान 5 परसैनट से बढा कर 10 परसैन्ट कर दिया है यह अच्छी बात हे लेकिनउस वकत इस बात का फैसला किया गया था कि बैकवर्ड क्लासिजके साथ–साथ मार्जिनल फारमर्ज को भी जो भूख से मर रहे है जिनके बच्चे पढ नहीं सकते और जिन के पास कमाई के कोई साधन नहीं है रियायतें दी जायेगी। इसलिये मेरी मुख्यमंत्री महोदय से यह दरखास्त हैकि इन लोगों की हालत परभी पुन विचार रखें ताकि उनको इस गरीबी की रेखा सेउपर उठाया जा सके। उसके साथ–साथ मैं एक बार फिरसरकारसे कहूगां कि ऐसे जो मार्जिनल फारमर्ज है, उनको भी इस रिजर्वे ान के अन्दर रखा जाये। इन भाब्दों के साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करताहूआ अपना स्थान लेने से पहलेआपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दियां।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री जयनारायण वर्मा जी ने जो यह प्रस्ताव इस हाउस के सामने रखा है, यह महत्वपूर्ण प्रस्ताव है इसमें कोई दो राय नही है। अध्यक्ष महोदय, जब यह दे ा आजाद हुआ, उस वक्त इस दे ाके महान नेताओं ने इस मसले पर बडी गहराई से सोचा और विचार यिका कि जो समाज के पिछडे हुयें वर्ग है दलित वर्ग है उनको उंचा उठाने के लिये क्या–क्या प्रयास किये जानेचाहिये और क्या उनको रियायते देनीचाहिये। उसके बाद हरिजनों को ही सही मायनपें में दे ा कापिछडा हुआ वर्ग माना गया और यह है भी सही औरफिर पूरी रियायतें और फैसिलिटीज हरिजनों को ही दी गई। आज हरिजन भाई अच्छी हालत में है पर मैं यह नही कह सकता कि सभी की हालत अच्छी है। कुछेक बुरी हालत में भी है। अध्यक्ष महोदय, अगर उस समय सरकार ऐसा न करती, यह राजनीतिक चेतना सामाजिक चेतना न लाई जाती तोआज राश्ट्र मे हरिजनों की ऐसी स्थिति न होती और हरिजन भाई, बैकवर्ड क्लासिज के लोगोंकी हालत और भी बिगड जाती।

अध्यक्ष महोदय, इससेआगे मैं हाउस को यह बताना चाहता हूं कि इनकी आबादीके लिहाज से चूंकि हमनेयह महसूस किया कि यह 5 परसैंट रिजर्वे ान बहुत थोडी है इसलिये हमनेयह परसैंटेज बढा कर 10 परसैन्ट कर दी है। (तालियां) अध्यक्षमहोदय श्री जय नारायण वर्मा जी ने मेरे उपरएक इलजाम लगायाकि मैन `उन से यह कहा थाकि पब्लिक सर्विस कमी ान का एक मैंबर

बैकवर्ड क्लासिज में से लिया जाएगा। मैने कोई इस तरह की घोशणा नहीं की थी, अखबारों में इन्होनेकहीं गलत पढ लिया होगा। अलबत्ता यह कहा था कि बेकव्र्ड भाइयों का पूरा ध्ययान रखा जायेगा और बोर्डो में बैकवर्ड क्लासिज के आदमियों को लगांऐगें। अध्यक्ष महोदय, यह पहली सरकार है जिसने एस0एस0एस0 बाोर्ड में एक बैकवर्ड क्लास के व्यक्ति को नियुक्त किया है। यह पहली सरकार है जिसने बिजली बोर्ड में बैकवर्ड क्लासिज के आदमी को भाामिल किया है। यह पहली सरकार है जिसने असिसटैन्ट ऐडवोकेट जनरलके पद पर एक बेकवर्ड क्लास के आदमी को नियुक्त किया है। (तालियां)

अध्यक्ष महोदय, इससे आगे मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि जिस तरह से एक हरिजन कल्याण निगम सरकार नेबनाया हुआ हे उसी तरह से बैकवर्ड क्लासिज के लोागों के लिये सरकार ने एक निगम बनाने का निर्णय लिया है।इसबारे में कुझे एक डैपुटे ान भी मिला था और मैने उन्हे वि वास भी दिया था कि इस तरह का एक निगम बनाया जायेगा औरइस मामले में सारी कार्यवाही पूरी भी हो गई है। सोमवार को कैबिनेट की मीटिंग हो रही है, उसमें यह मामला टेक–अप किया जायेगा। उसके बाद इस निगम की स्थापना कर दी जाएगी। जहां तक सुविधाएं देने का ताल्लूक है मैं आपकी मारफत सदन को वि वास दिलानाचाहूगां कि यह जो प्रस्ताव श्री जय नारायण जी ने रखा है, उनके जो विचार है, उनपर सहानुभूतिपूर्ण सरकार विचार करेगी और इस को

अमलीजामा पहनाने की सरकार पूरी कोि ा ा करेगी ताकि बैकवर्ड क्लासिज के भाइयों के साथ कि सी तरह का कोई भेदभाव न हो सकें इसलिये मेरी उन से प्रार्थना है कि वे इस रैजोल्य ान को वापिस ले ले क्योकि सरकार उनके प्रस्ताव पर जो विचार यहां पर रखे गये है उन पर सहानुभूतिपूर्ण विचार करेगी और जो सुझाव इम्पलीमेंट करने के योग्य होगें उनको इम्पलीमेंट करने में सरकारकी तरफ से कोइ कसर नही छोडी जायेगी।

श्री अध्यक्षः वर्मा साहब, क्या आप इस रेजोल्यू ान को वापिस लेना चाहते है?

श्री जय नारायण वर्माः स्पीकरसाहब, जब सभी बोलनेवाले माननीय सदस्यों ने, चाहे पक्ष के थे, चाहे वे विपक्ष के थे इस प्रस्ताव का समर्थन किया है तो फिर इसको वापिस लेनेकी बात ही नही है। इसकों तो पास किया जायें ।(ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकरसाहब, फिरतो इस पर अभी और बोलना पडेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

Dr. Mangal Sein: Speaker Sahib, it must be put to the vote of the House.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब अगर ये वोटिग करवायेगें तो आपको पता है कि यह प्रस्ताव पास नहीं होगा और वह अच्छी प्रथा भी नहीं रहेगी। न यह इनके हम में होगा और न

हमारे हक मं । इसलिये मैं एक बारफिर प्रार्थना करूंगा कि इनके हित में यही है कि ये इस प्रस्ताव को वापिस ले ले । अगर ये वापिस नहीं लेना चाहते तो स्पीकरसाहब, आप इस परडिबेट जारी रखने की कृपा करे।

चौधरीजगजीत सिह पोहलू(पाई): स्पीकर साहब, जो रैजोल्यू ान आज मेरे भाईने यहां पर पे ा किया इसके बारे में मुख्यमंत्री जी ने बहुत वि वास दिलवा दियाहै। स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल की सरकार आने के बाद इन्होने बैकवर्ड भाइयों की रिजर्वे ानको 5 प्रति ात से बढाकर 10प्रति ात कर दिया है । ऐसा काम आज से पहले किसी भी सरकार ने नही किया। दूसरेजिस तरह से हरिजन भाइयों केलिये एक हरिजन कल्याण निगम बना हुआ है उसी तरह से बैकवर्ड भाइयों के लिये भी हमारे मुख्यमंत्री जी ने एक निगम बनाने का ऐलान किया है। इन चीजों को देखते हेयू जितना भला बैकवर्ड क्लासिज काइस सरकार नेयिका है इतना और किसी सरकार ने आज तक नही किया। स्पीकर साहब,इसरैजोल्यू ान को लाने की आज जरूरत नही थी लेकिन ये जान बूझ करइसको लाये है औरयू झेठे मगरमच्छ के आंसू बहा रहे है ं स्पीकरसाहब, जो आदमी पहले ही गरीब लोगों काखून चूस रहे हो अगर उनको भी बैकवर्ड क्लास में रखा जाएगा तो इससे बडी दुख की बात और क्या हो सकती है? आज हमारे ये भाई कहते हे और खास करडा0 मंगल सैन जी ने कहा कि इस सरकार ने यह कर दिया वह कर दिया। मैं उनसे पूछना

चाहता हूं कि पिछले अढाईसालों के दौरान ये भी मिनिस्टर रहे है इन्होने उस दौरान क्या किया था?

चौधरी जय नारायणः स्पीकर साहब, मेराप्वायंट आफ आर्डर है। क्या लीडर आफ दि हाउस के बोलनेके बाद दूसरे मैंबरों को बोलने का अधिकार है क्योकि सारी बात तो मुख्य मंत्री जी ने क्लियर कर दी है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, वह मैने कोई फाईनल रिप्लाई नहीं दिया था।

श्री अध्यक्षः चीफ मिनिस्टर साहब या किसी और मन्त्री को डिबेट में किसी भी टाइम पर इन्टरवीन करने काअख्तियार है। अभी डिबेट कलोज करने का एलान नहीं हुआ था। (विघन) मुख्य मंत्री या मंत्रत्री डिबेट के बीच में किसी भी मौके पर इन्टरवीन कर सकते हैं इनके बोलनेपर कोई पाबन्दी नही है। इसलिये अब डिबेट जारी रहेगी।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः स्पीकर साहब मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि हूं सभी गरीब आदमियों से पूरी हमदर्दी है। जो भाई बैकवर्ड क्लास में आते हैजैस`झीवर , नाई , धोबी और दूसरी जातियों जिनकी एक किताब में लिस्ट हैइन सब गरीब भाइयों के साथ हमारी पूरी हमदर्दी है, हम इन्हे छातीसे लगाना चाहते है। इसके अलावा जो दूसरी जातियों जैसे ब्राहाण,बनिया या जाट है और दूसरी जातियों के गरीब भाई है अगर उनकी भी

मदद की जाये तो कोई बुरी बात नही है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुयें) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं मुख्यमत्री जी से कहना चाहूंगा कि वे सैन्टर को एप्रोच करके इस जाति–पति को खत्म करवाएं। डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले 30–32 साल से जाति पाति कम नही हूई है बल्कि औरज्यादा बढ गई है। ऐसा होने से बेवर्ड क्लासिज और हरिजन भाइयों का भला भ नही हुआहैं इसलिये मैं चाहता हूं कि सब को मिला कर एक जाति बना दिया जाये ताकि ाहम सब मिल कर प्यारसे रह सके। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं चाहता हूं कि इस जाति के भेद को छोड कर सभी क्लासेां की एक इन्सान की क्लास बना दी जाये। हमारेहिन्दुस्तान में अनेकों जातियां है इसलिये इन सब को नजदीक लाकर एक इन्सान नाम की जाति बना दिया जाये। परमाल्मा ने कोई जाति नहीं बनाई और न परमात्मा किसी के साथ भेदभाव करताहै। जाति तो आदमी के काम से बनी है। जाति पाति तो आदमी की हालात के मुताबिक बनी हैं इसलिये ऐसी जाति बनाई जाये जिसमें सबकों एक जैसा समझा जाये। मैं चाहता हूं कि गरीब आदमियों की आज आर्थिक हालत सुधारी जाये । जो बैकवर्ड क्लास के भाई आज वजीर बने बैठे है या जिनक`पास कारे और कोठियों है उनको इस क्लास से निकाल दिया जाये तो कोई बुरी बात नहीं । मैं चाहता हूं कि बाल्मीकि से लेकरब्रहाण तक जो गरीब आदमी है उनको एक ही जाति करार दिया जाये औरजो भाई पैसे वाले है उनकी दूसरी जाति बना दी जाये। डिप्टी स्पीकर साहब जब से यह सै ान चला हे यहां रोज इस मामले में रौला मचता है। अगर मेरे सुझाव पर

गौर किया जाये तो यह रौला खत्म हो जायेगा। अभी कमला वर्मा जी और मंगल सैन जी सरकार की नुक्ताचीनी कर रहे थे लेकिन इनके मुंह से कभी यह नहीं निकला कि भाहरी जायदाद पर पाबन्दी लगा दो। ये यह नहीं कहते कि जितने भी आमदनी के जरिये हैऔर अमीरों के पास जो इतनी कोठियां है, कारखाने है इससब को हरियाणा के गरीब आदमियों में बांट दे। मैं चाहता हूं कि जितनी भी किसी के पास फालतू सम्पति है उसको सब में बराबरबांट दो।

श्री मूल चन्द मंगलाः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है कि क्या यह रैजोज्यू न पर बोल रहे है?

चौधरीजगजीत सिंह पोहलूः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि गरीब आदमी को भी बराबर का हम मिलें वह चाहता है कि उसे खाने के लिये रोटी मिलें, रहने के लिये मकान मिले और पहनने के लिये कपडे मिले। डिप्टी स्पीकर साहब आज गरीब ब्राहाण का बेटा औरगरीब बनिये का बेटा मारा मारा फिरता है उसको मजदूरी करने मे चूंकि भार्म आती है, इसलिये वह बेचारा गरीब भूखा मर रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, आज हरियाणा के पिछडे हुये वर्ग के लोग कर्जे से दबे हुये है चाहे कोई गरीब किसान है , चाहे कोई गरीब मजदूर है औरचाहे कोई भी किसी वर्ग का आदमी है सभी को कर्जो से राहत मिलनी चाहिये। उन पर रहम खाना चाहिये। जो गरीब लोग पिछडे वर्ग के लोग इस कर्जे से दबे हुये थे उनको सर छोटू राम ने कर्जे से छुटकारा दिलाया

था। सर छोटूराम ने आन्दोलन के जरियेसे कर्जे को खत्म किया। यदि सर छोटूराम ऐसा नही करते तो गरीबों का, पिछडे हुये लोगौं काखून चूसने वाले लोग उनका खून चूसते रहेतै। डिप्टी स्पीकर साहब मैं एक बात यह कहना चाहता हूं कि आज यहांहाउस में जो मेरे साथी बैठे है उनके दिल में यदि हमदर्दी हैचाहे कोई बैकवर्ड क्लास का वग्र हेचाहे कोई भाडयूल्ड कास्टस का है और चाहे किसी भी जाति का गरीब आदमी है, जब तक इस जातिवाद को खत्म नही कर दिया जाता तब तक उनकी हालत सुधर नही सकती। इसलिये मैं कहता हूं कि इस जातिवाद को खत्म करां डिप्टी स्पीकर साहब कैथल तहसील में एक सीवन गांव है उसमें नसंबदी के बारे में गरीबों पर गोलियों चली थी। वहां पर मैंने गरीबों के लिये अपना जीवन लडा दिया था और गरीबों कोमैने अपनी छाती से लगा लिया था क्योकि गरीबों के लिए मेरे दिल में बहुत हमदर्दी है। डिप्टी स्पीकर साहब, गरीबो की हालत तभी सुधर सकती है अगर उनको उपर उठाने के लिए लिफट दी जाये। (ाोर एंव विघन)

श्री रण सिंह मानः डिप्टी स्पीकर साहब, इस प्रस्तावपर केवल दो आदमियों को हीबोलना था। उसके बाद जो मेराप्रस्ताव है, बूढे आदिमियों को पैन् ान देने के बारे में उस विचार होना थां इस प्रस्ताव पर माननीय सदस्य काफी बोल चुके है। (ाोरएवं विधन)

श्री उपाध्यक्षः अभी इस प्रस्ताव पर डिबेट चल रही है इसके बाद आपका प्रस्ताव आयेगा। आप बैठिये। (ाोर एवं विधन)

श्री सुरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, यह बहुत जरूरी प्रस्ताव है और पब्लिक महत्वकी बात है इस प्रस्ताव पर हम सभी पार्टीसिंपेट करना चाहते हे इसलिये हमें इस प्रस्ताव पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए पूरा टाइम दियाजाये। (ाोर एवं विधन)

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी संत कंवर जी मेरे छोटे भाई है और चौधरी उदय सिंह दलाल जी मेरे बडे भाई है और बहुत सुलझे हुयें आदमी है लेकिन ये सबसे ज्यादा भाोर– ाराबा कर रहे है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं तो कहता हूं कि जाटों को भी इस लिस्ट में मिला दिया जाये , हरियाणा की 36 बिरादरी को इसमें मिला दिया जाये क्योंकि हमारे आपस में गोत मिलते है। डिप्टी स्पीकर साहब, जैसे कोई राठी जाट भाई है तो कोई राठी हरिजन भी है, पूनिया अगर कोई जाट भाई है तो पुनिया हरिजन भाई है। तो किस बात के लिए हमारे बैकवर्ड भाई ओर हरिजन भाई बैकवर्ड है जब कि हमारे गोत से उनका गोत मिलता है? डिप्टी स्पीकर साहब, जब हमारे आपस में गोत मिलते है और सबका आपस में भाईचारा है तो यह रिजर्वे ान की सूखी लडाइे हैं इन जातियों में भी बहुत तगडे भाई है। मेरे कहने का मतलब है कि समाज में जो बुराइयों है, समाज में जो झगडे है वह कुछेक लोगों ने पैदा किये हुये हे जैसे

गांव–गांव में जतिवाद का बडा मामला फैला हुआ है औरकुछ भाइयों ने तो जाति पाति का प्रचार करके हमारे गांवों में माहोल हीखराब कर दिया है। अगर उस माहौला को ठीक करना है तो इस जाति पाति के नाम को ही उडा दो वरना हरियाणा में खून खराबा होने का डर है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी बहुत सुलझे हुये लीडर है बहुत तगडे चीफ मिनिस्टर है। ये इस बेकवर्ड वर्ग के लिए दिन रात बहुत काम करते है और इन्होने हरियाणा के एक–एक गावं में जा कर इस जातिवादके सवाल को बहुत कम कर दिया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात और कहना चाहता हूं अगर गांवों की हालत को ठीक रखना है और हमें किसी ब्याह भाादी में इकट्ठे रहने देना है तो मैं एक तोड की कहता हूं कि इस जातिवाद के और इस रिजर्वे न के झगडें के नाम को ही खतम कर दें। इस झगडे को खत्म किये बगैर हमारा काम नही चल सकता। डिप्टी स्पीकर साहब, जो गांवों में 36 बिरादरी होती हैजैसे हरिजन भाई हैवह गांव में सफाई का काम करता है, लोहार है वह किसान को हल बना कर देताहै,उसकी फाली में डंक निकालता है और ताकू में बल पड जाये तो उसका बल भी निकालता है ओर चक्की में हथेली भी घाल देता है। इसके अलावा जो झीवर भाई है व ह पानी भरता हेऔर तूत काटकर टोकरे बनाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे कहने का मतलब यह है कि अगर इन 36 बिरादरियों को इक्ट्ठा करना है तो इनकी आर्थिक हालत को सुधारे और जातिवाद का नारा न लगने दे । आज हरियाणा का गरीब आदमी

बडे जमीदारों और साहुकारों के कर्ज के नीचे दबा हुआ हैं वे उसको पैसा देते नही है और अपनी बही खातों में लिख देते हैं। मेरे कहनेका मतलबयह है किउनकी आर्थिक स्थिति को सुधारा जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, एक बात मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जो गरीब आदमी है, जो गरीब इलाका है उसकी तरफ वि ोश ध्यान दिया जाये। जेसे पेहोवा का इलाकाहै जहां के हमारे मिनिस्टर सरदार तारा सिहं जी है, गूहला का इलाका है और कैथल का इलाका है। ये इलाके आर्थिक दृश्टि सेबहुत ही कमजोर है। इनका सुधार किया जायें डिप्टी स्पीकर साहब, आज गांवों की 36 बिरादरी, बाल्मीकि भाइ से लेकर ब्राहाण तक चाहे वह खेत मै जाये चाहे कही जाये .....(ारे एवं विधन)

Shri Baldev Tayal: On a point of order, Sir. Thehon. Member has been speaking for more than half an hour. I draw you attention to Rule 72, which says-

"No speech during the debate shall exceed fifteen minutes in duration."

Sir, I want your ruling as to whether this Rule applies to the Opposition or to the Treasury Benches also?

Mr. Deputy Speaker: I will give my ruling.

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: डिप्टी स्पीकर साहब, मैंअपने इलाके कैथल के बारे में यह बात कहता हूं कि उस इलाके में एक गरीब हरिजन से लेकर ब्रहाण तक मैं समझता हूं 95 प्रति ात आबादी जिनके यहां बेचारों के चाहे कोई ब्याह भाादी हो

और चाहे सगाई हो और चाहे कोई मुकान देने जाये। (ाोर एवं विघन)

श्री बलदेव तायलः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अपने प्वायंट आफ आर्डर पर आपकी रूलिंग चाहता हूं।

Mr. Deputy Speaker: I Will give the ruling.

Shri Baldev Tayal: When there is a duration of 15 minutes to speak and he has been speaking for more than half an hour, I want that he should dis-continue his speech. I want your ruling as to whether this rule applies to the Opposition only or to theTreasury Benches also?

चौधरी भजन लालः डिप्टी स्पीकर साहब, इस रैजोल्यू ान पर बहुत से मैंबर बोलनाचाहते हैं जो बोलना चाहते हे उनको ये कैसे रोक सकते है?(व्यवधान) इस पर हाउस की सैंस चाहिये और वह पहले से ही ले ली गई है।

चौधरी राम लाल वधवाः अगर हमारी तरफ से किसी मैंबर को बोलते हूये एक मिन्ट भी ज्यादा हो जाये तो कम से कम बीस बार घंटी बजती है और स्पीच खत्म करनी पडती है। (व्यवधान)

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुये।)

Shri Baldev Tayal: Mr. Speaker, I have already quoted Rule 72. I want to know whether, the time limit of 15

minutes speech is applicable only to the Opposition or is it applicable to the Treasury Benches also?

Mr. Speaker: My ruling is that Rule 72 is applicable only to a motion of adjournment and it has go no relevancy with this discussion.

चौधरी लाल सिंह : रूल किसी की भावनाको कैसे दबा सकता है? (हंसी)

चौधरी जगजीत सिह पोहलू: स्पीकर साहब,मैं अपने इलाके के पिछडे हुये लोगों की हालत के बारे में बतारहा था ....(व्यवधान)

श्री रण सिंह मान : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, आपने हाउस में कहा था कि सिर्फ दो आदमी इस रैजोलयु ान पर बोलेगें लेकिन अब हाउस में जो कार्यवाही चल रही है यह अथौरिटेरियन ऐप्रोच की प्रतीक है। इस प्रस्ताव के बाद जो दूसरा प्रस्ताव बुढे लोगों को पैन ान देने के बारे मे है, वह ऐसे ही रह जायगा आप इस पर बहस खत्म करवायें और इसके बाद दूसरे प्रस्ताव को टेक–अप करे।...(व्यवघान)

Mr. Speaker: No interruptions please. This is not a point of order. अगर आप एक प्वायंट आफ आर्डर पर रूलिगं देने से पहले दूसरा प्वायंट आफ आर्डर उठाना चाहते है तो खु ी सेउठायें लेकिनयह तरीका ठीक नही है। (व्यवधान)

श्री रण सिंह मान : स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर यह है कि अगर इस प्रस्ताव पर बहस खत्म नहीं करेगें तो दूसरा प्रस्ताव इग्नोर हो जायेगा पहले भी एक दफा यह प्रस्ताव हाउस में आया था, उस वक्त भी इस पर बहस नही हो सकी थी (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैं समझता हूं श्री रण सिंह मान का प्रस्ताव बडा महत्वपूर्ण है। अगर हो सके तो इसकों टाईम जरूर देना चाहिये लेकिन बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी में आमतौर पर बिजनैस के लिये टाइम फिक्स होता है ं प्राइवेट मैंम्बर्ज के रैजोल्यू ान के लिए बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी में कोइ टाइम फिक्स नही किया गया। मैन ` माननीय मैंबर साहिबान पर छोड दिया था। श्री बलदेव तायल जी ने जो रूल कोट किया है, वह इस प्वायंट पर एप्लाई नहीं करता।। लेकिन मैं आपके नोटिस में यह बात भी लाना चाहता हूं कि अगर कोई ऐसा रूल है जिसके तहत कोई मैंम्बर 15 मिनट से ज्यादा नहीं बोल सकता तो मैं किसी मेंबरको 15 मिनट से ज्यादा टाइम नहीं दूगां। अगर किसी मैंम्बर की स्पीच के दौरान इन्ट्रप ान होगी तो वे 15 मिनट में से काट ली जायेगी। (विधन) आपका प्रस्ताव बहुत जरूरी है और मैं अपनी तरफ से चाहता हूं कि यह प्रस्ताव आना चाहिये लेकिन अगर मैंबर साहिबान इस प्रस्ताव पर बोलना चाहते है तो मै ंउनको रोक नही सकता। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने बजा फरमाया लेकिन जब रण सिंह मान ने खडे होकर यह पंवायट उठाया था तो आपने कहा था कि प्रस्ताव पर दो ही सदस्य बोलेगें। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः उस वक्त इस प्रस्ताव पर बोलनेके लिए एक आध मैंबर उठा था औरउनको देखकर मेरा विचार था कि दो मैंबर बोलेगें लेकिन अब एकदम बाढ़ आ गई है, मैं इसे कैसे रोक सकता हू। (व्यवधान)

डा0मंगल सैनः स्पीकर साहब, उस तक्त मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि प्रस्ताव को वापिस ले लो लेकिन मैंने कहा था कि इस पर वोटिंग हो जाये। इसके बाद इन्होने रूंलिग पार्टी के मैंबर्ज को जारी कर दिया। (व्यवधान) आपकी खुद की रूंलिग है कि दो आदमी बोलेगें, अब आप स्वयं इस बात को देख ले।

Mr. Speaker: Dr. Sahib, I have to proceed according to the rules and regulations. अगर आप कोई रूंलिगकोट करेगें जिसके अनुसार ट्रेजरी बैंचिज का बोलना बन्द किया जा सके तो मैं अभी, इसी वक्त बन्द करदूंगा लेकिन ऐऐ ही किसी मैंबर को , जो बोलना चाहता है,मैं कैसे रोक सकता हूं? (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः मैं बोलना बन्द नहीं करवाना चाहता, मैंनेकहा था कि आपने खुद हाउस में फरमाया था कि दो मैंबर

बोलेगें। मैं तो आपके आदे ा की बात कह रहा हूं आपने खुद फैसला दिया था। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः उस वक्त बोलनेवाले उठ नहीं रहे थे,एक दो मैंबर उठे थे एक पोहलू साहब उठे थे और एक चौधरी रिजक राम उठे थे। इनको देखते हुये मैने समझा कि दो मैंबर बोलने वाले है और इनके बाद कोई नहीं बोलेगा लेकिन अब बोलने वालों की बाढ आ गई मैं क्या कर सकता हू?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय इस रैजोल्यू ान परसारे ही मैंबर बोलना चाहते है। अगर ये नही मानते तो हाउस की सैंस ले ली जाये क्योंकि इस मामले में हाउस मास्टर है।

श्री अध्यक्षः रूल 93 में लिखा है–

"A member shall not speak on a question after the Speaker has collected the voices both of the Ayes and of the Noes on that question."

अगर एक दफा क्वै चन पुट हो जाये ओर उस में 'हां' या 'ना' की आवाजें आ जाएं तो इसके बाद किसी को बोलने का आख्तियार नही होता लेकिन जब 'हा' और 'ना' नहीं होती और मैंबर साहेबान बोलना चाहते है तो वे बोल सकते है। अगर बिजनैस एडवाइजरी कमेटी फिक्स किया होता और उस` हाउस ने मन्जूर कर लिया होता तो I could hav eapplied guillotine. But there was niether any recommendation of the Business

Advisory Committee nor a decision of House and there is no such rele under which I can stop any body from speaking.

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक प्वांयट आफ आर्डर हैं आपने अभी कहा कि क्या सदन के सदस्य कोई ऐसा रूल बता सकते है जिसके तहत आप ट्रेजरी बैंचिज को बोलने से रोक सकें? इस सिलसिले में मैंआपको बताना चाहती हूं कि जहां तक बिजनैस एडवाइजरी कमेटी का सम्बन्ध है, जब इसकी मीटिंग हुई थी उसक वक्त तक रैजोल्यू ान पर बैलेटिगं नही हुई थी। अगर बेलेटिंग हुई होती तो टाईम फिक्स करनेका मामला बिजनैस एडवाइजरी कमेटी के सामने आता और कमेटी दोनो रैजोल्यू ान्ज पर टाईम फिक्स करती। स्पीकर साहब, आपके सामने हाउस में 2 रैजोल्यू ान्ज है और आप को इन पर बोलने के लिए टाईम फिक्स करना है।

Shri Surrender Singh: On a point of order, Sir (Interruptions).

Mr. Speaker: There cannot be a point of order on a point of order. (Interruptions) No interruptions please.

श्रीमती सुशमा स्वराजः मै प्वायंट आफ आर्डर पर ही बोल रही हूं। (व्यवधान।)

श्री अध्यक्षः आप प्वांयट आफ आर्डर कह रही है या भाशण दे रही है? (व्यवधान)

श्रीमती सुशमा स्वराजः मेरा प्वांयट आफ आर्डर महज इतना ही है कि जो दूसरा प्रस्ताव है , उस पर बे ाक चर्चा हो या न हो लेकिन आप हाउस की सैंस लेने के बाद यह बात तय कर दे और समय फिक्स कर दे। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः This is not s point of order. (Interruptions).श्रीमती सुशमा स्वराज ने पहला प्वांयट यह रखा कि बेलेटिंग नही हूई थी। नोर्मली बैलेंटिग सिर्फ उन रैजोल्यू ानज की होती है जो डिस्क ान के लिये डयू हो। इनके बारे में पोजी ान यह है कि हमारे पास चार रेजोल्यू ांज के नोटिस आये थे, जि में से मैंने दो रैजोल्यू ांज रूल्ज के मुताबिक ऐडमिट किये थे, वैसे तो ये भी डिस्क ान के लिये डयू नहीं थे क्योकि कये सही टाईम पर नही आये थे। इन दोने रैजोल्यू ांज का महत्व देखकर मैंने पहले रैजोल्यू ान के बारे में परिवहन मंत्री श्री जगननाथ जी से रिक्वैस्अ की कि टाईम तो कम है लेकिन अगर आप मेहरबानी करके असका जवाब तैयार कर सके तो मैं टाइम की कंडी ान वेव करके इसे अलाउ कर दूं। इन्होने कहा कि अगर आप अलाउ करनाचाहते है तो मै तैयारी कर लूंगा आप टाईम वेव कर दीजिए। वैसे यह आज नही आना चाहिये था लेकिन टाइम वेव करवाकर मैने अपनी जिमेवारी पर इसे अलाउ किया।

दूसरा रेजोलयू ान रणसिंह मान जी का है। ये मेरे पास आये ओर इन्होने रिक्वैस्ट की कि मेरा रैजोल्यू ान बहुत

इम्पोर्टेन्ट है, इसे ऐडमिट कर लिया जाये। मैंने इनसे सहमति प्रकट की कि आपका रैजाल्यू न वाक्या हीबहुत इम्पोर्टेन्ट हैं इनके रैजोल्यू ान को भी 15 दिन का टाइम होना चाहिये था लेकिन भााायद 5 या 6 दिन का टाइम था। उसके बावजूद भी मैंने इंचार्ज मंत्री जी से रिक्वैस्ट की कि वह इसका जवाब देने की तैयार कर लें। तो इसे भी टाइम वेव करवा कर मैंने अलाउ किया।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी अर्ज यह है कि बाकी रैजोल्यू ानज का क्या फेट है?

Mr. Speaker: I may tell you that there is not a single resolution which fulfills the condition of time. फिर भी अगर आप चाहते हे कि कितने रैजोल्यू ान्ज है तो मैं औफ हैन्ड बता सकता हूं, भााायद उसमें एकाध की गलती हो, कि 9–10 रेजोल्यू ान्ज आये। उनमें से तीन चार रिजैक्ट हो चूके है।, बाकी पैन्डिग पडे है क्योकि रूल्ज के मुताबिक 15 दिन का नोटिस मिनिस्टर साहब को देना पडता है ताकि वे तैयारी कर सकें ये दो भी उन पांच –छः में से इम्पौर्टेन्ट समझ करऔर मुख्यख्मंत्री जी और मंत्री जी से रिक्वैस्ट करके कि आप जल्दी से तैयारी करलें रूल्ज के अगेन्स्ट टाइम वेव करके मैने अलाउ किये है।

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, हमें कैसे पता लगे कि हमारा रैजोल्यू ान अलाउ हुआ है या डिस–अलाउ हुआ है क्योंकि हमारेपास तो कोई लैटर नही आता।

श्री अध्यक्षः अगर लैटर नही आया तो आ जायेगा।

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर है। मेरा एक रैजोल्यूं ान था जिसके ऐडमिट होने का लैटर मुझे कुछ दिन पहले मिला था लेकिन एक लैटर मुझे आज मिला है। जिसमें आपके सैक्रेटरीसाहब ने यह लिखा है कि री–कंसिड्रे ान के बाद वह रिजैक्ट हो गया है।

Mr. Speaker: What is this point of order? You can come and see me in my Chamber.

Shri KanwalSingh: Sir, I want to know the fate of my resolution. जो पहले ऐडमिट हो चुका था लेकिन बाद में रिजैक्ट हुआ है।

श्री अध्यक्षः आप मेरे चैम्बर में आ जाना, मैं आपको उसका रीजन बता दूंगा।

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैं तो यह रिक्वैस्ट करूंगा कि तीस साल तक इन गरीब आदमियों का कुछ नहीं बना और अगर अब भीइसी तरह का झगडा होता रहा तो गाडी लाईन से उतर जायेगी। मैं तो मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि इस रैजोल्यू न में जो बातें रखी गई है उनको ये मान ले कयोकि उससे उनका नाम सारे हिन्दुस्तान मं हो जायगा और ये लोग भी राजी हो जायेगें। (विघन)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, अपने आने भाशण में तो कहा था कि मैं मुबारिकबाद देता हूं क्योकि सरकार ने रिजर्वे न 10 परसैंट कर दी है लेकिन अब आप कहते है कि गाडी लाइन से उतर गई। (विघन)

चौधरी उदय सिंह दलालः यह मैंने इसलिये कहा ताकि हम मिल जुलकर एक ऐसा रास्ता अखितयार करें जिससे इस मुकाबलाबाजी में इन गरीबों केभले की किताब का चैप्टर क्लोज न होने पाये। (विधन)

श्री कन्हैयालाल पोसवालः स्पीकरसाहब, मेरी सबमि ान यह है कि तमाम प्वायंटस अब क्लीयर हो गये है। अब मै आपकों द्वारा सब आनरेबल साथियोंसे रिक्वैस्ट करूंगा किअब जो भी साथी बोलें उसको डिस्टर्ब न किया जाये।

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान यह है कि जबसे यह हाउस चल रहा है तबसे यह दूसरा नौन–औफि ियल डे है। एक 6 तारीख को था और दूसरा आज है। तो मेरी रिक्वैस्ट यह हैकि जिन सदस्यों को न 6 तारीख को समय मिलाऔर न आज मिल रहा है उन सदस्यों को आप जरूर टाईम देनने की कृपा करे क्योकिं हमारी भी कुछ भावनायें है और हम चाहते हैकि इस रैजोल्यू ान पर बोलें।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः सैन्स आफ दी हाउस के मुताबिक मैं सबको ऐकमोडेट करने की पूरी कोि ा ा करूंगा।

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं बडी नम्रता से आपका संरक्षण चाहता हूं। आपके आदे ाानुसार यह रैजोल्यू ान यहां पे ा हुआ है। आपने यहां रूलिंग दी थी कि अब इस रैजोल्यू ान पर दो स्पीकर औरबोलेगें लेकिन क्योकि ये इस रैजोल्यू ान को टालना चाहते है, जानबूझ कर इस प्रस्ताव को किल करना चाहते है, इसलिये ये अब ऐसा कर रहे है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः देखिये मैंबर साहेबान, कौनकिस इन्अैन् ानसे क्या कर रहा है, उसका पता लगाना मेरे लिए बहुत मुि कलहै। वह तो कोई ज्योतिशी ही पता लगा सकता है कि ये आपके रैजोर्ल्यू ान को जानबूझ कर किल करना चाहते ळै या नहीं या किसकी क्या इन्टैन् ान है। मैं तो इस किताब के रूल्ज के मुताबिक हाउस की कार्यवाही चलाउंगा।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, सुशमा जी ने एक प्वायंट आफ आर्डररेज किया थाकि दूसरा रैजोल्यू ान हाउस में आना चाहिये या नहीं आना चाहिये इसके बारे में सैन्स आफ दि हाउस लेना जरूरी है लेकिन आपने अपनी औबजर्वैं ान में उसका कोई जिक्र नहीं किया। कृपया मेहरबानी करके उसके बारे में भी अपनी रूलिग दे।

Mr. Speaker: How Can I interrupt the debate in themiddle? What authority I have got to interrupt the debate in the middle?

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आपकायह फरमाना तो दुरूस्त हैकि इन्टै ानं के बारे में तो कोई ज्योतिशी ही बतायेगा लेकिन इसमें भी कोई भाक सुबह नहीं है कि इन्टैन ान औबवियस है। मेरी तो गुजारि ा इतनी है कि कम से कम इसके लिये कोई टाइम फिक्स कर दिया जाये।

Mr. Speaker: You are a lawyer. I am not a lawyer. You please tell me should the Speaker go by the rules or by theintention?

Shri Baldev Tayal: Sir, there is a rule under which you can interrupt. If you want, I can quote the rule.

Mr. Speaker: Tayal Sahib, Which rule?

Shri Baldev Tayal: Rule 102 of the Rules of Procedure and Conduct of Business, Sir.

श्री अध्यक्षः देखिये मैंबर साहेबान, मेरे लायक दोस्त श्री बलदेव तायल ने रूल 102 कोट किया है। इसे मैं आपके सामने पढता हूं–

"The Speaker may interrupt a member who isspeaking and ask him to resime his seal, if in his opinion the member is taking too much time and thereby depriving other members of their legitimate right to express their views."

तो पन्द्रह मिनट से ज्यादा कोई नहीं बोल सकता। अगर कोई बोलेगा तो मैं इस रूल को फालो करूंगा।

Shri Baldev Tayal: There is a member, Who has already spoken for more than half an hour. (Interruptions)

Mr. Speaker: Who is he?

Shri Baldev Tayal: Shri Jagjit Singh Pohloo, Sir. (Interruptions)

Mr. Speaker: Shri Jagjit Singh Pohloo had started at 12.01p.m. It is now 12.39p.m. So he has taken 38 minutes but at a rough estimate, I cansay that out of these 38 minutes, about 30 minutes have gone in points or order and he has hardly spoken for 8 minutes.

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, भाई बीरेन्द्र सिंह जी ने और श्री जय नारायण जी ने यह कहा है कि हाउस का टाईम ले रहे है और इस रैजोल्यू ान को जान–बूझ कर किल करने के लिए टाइम ले रहे है। आपको पता है कि हमारी तरफ से तीन चार मैंबर्ज बोलना चाहते है लजेकिनये उन्हे बोलने कामौकानहीं देना चाहते है। (विधन) आपके फैसले के बाद भी ये प्वायंट आफ आर्डर को बार–बार उठा रहे है। इसलिये मेरी गुजारि ा है कि इनकों प्वायंट आफ आर्डरउठाने के लिये आगे से अलाउ न किया जाये।(विधन)

श्री अध्यक्षः मेरे लायक दोस्त ने जो कहा कि जानबूझ कर इस रैजोल्यू ान को किल करने के लिये वक्त जाया कर रहे

हे, मैं इस बात से सहमत नही हूं इन्टैन्ट ज्ञन आप लोगौं की क्या है यह तो आपको पता होगा। मैं तो रूल्ज के अनुसार पूरी तरह से चलनेकी कोि ा ा करता हूं।

चौधरी संत कंवरः आन एक प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकरसाहब अब तक रिवायात रही है हर एक मैंबर को रैजोल्यू ान पर बोलने का बराबर मौका देते है।। इस रैजोल्यूय ानपर भी काफी बहस हो चुकी है लेकिन आप फिर भीयह चाहते है कि इस पर और बहस हो, इसके लिये मेरा सुझाव है कि हाउस काटाइम बढा दें क्योकि जो दूसरा रैजोल्यू ान है वह भी बहुत जरूरी है। (विधन) मेरी आपसे सबमि ान है कि जब दोनो तरफ के मैम्बरान चाहते है कि दोनेा रैजाल्यू ान्ज पर बहस हो तो भााम तक के लिए सै ान बढा दै।

श्री अध्यक्षः इस बारे में तो मै हाउस की सैन्स ले सकता हूं ओर अगर जरूरत पडी तो हाउस की सैन्स ले ली जायेगी। पोहलू साहब अब आपके चार मिन्ट बाकी है। अब आप बोलिये।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः स्पीकर साहब, आपकी बहुत मेहरबानी, आपने मुझे कुछ टाइम दिया। मैं आपका हुक्म मानता हूं ओर दो ही मिनट में अपनी बात खत्म करता हूं। स्पीकर साहब, आपके जरिये हाउस को बताना चाहता हूं कि हरियाणा की जनता ने यह महसूस किया है कि चौधरी भजन लाल के सिवाये

इस गीब जनता का, चाहे वह किसान है या मजदूर है या दूकानदार है कोइ भी भला नही कर सकता है। चौधरी भजन लाल की सरकार ही हर वर्ग का भला कर सकती है। आज हरियाणा की अनपढ जनता के साथ बडा भारी जुल्म किया जा रहा है। येबिजनैसमैन पांच रूपये के पचास और पचास केपांच सौ और पांच सौ के पांच हजार कर लेते है। बनियों की उसी तरह से बहियों में पैसे लिखे जाते है। जैसे पहले लिखे जाते थे। (ाोर) आज कोई बैकवर्ड या दूसरी जाति के नही है। सारी ही जातियां बराबर है। ये जो 62 जातियों दी है, इसके बारे में मेरी अर्ज है कि कोई जात पात की बात नही आनी चाहियें। किसान मजदूर सब को बराबर समझना चाहिये। इसलिये मैं चीफ मिनिस्टर साहब से कहना चाहता हूं कि अगर बैकवर्ड कलास औरहरिजन को बचाना है तो कर्जा बिल पास किया जाना चाहिये।

स्पीकर साहब, मैं अपने दोस्तों से कहना चाहता हूं कि अमेरिका, इंगलैंड केअन्दर कोई जात–पात नही है। वहां पर मजदूर कोपूरी मजदूरी मिलती है। वहां पर कोई बैकवर्ड या हरिजन नाम की चीज नही है। सब गरीब अमीरकोएक दृश्टि से देखा जाता है। (ाोर)

स्पीकर साहब आपको भाायद र ि ाया जाने का अवसर मिला हो। वहां पर हरके जाति के साथ बराबर का व्यवहार होता है। हर बच्चे को स्कूल में जाने की सुविधा हैं बच्चा पैदा होने के बाद सारी जिम्मेदारी सरकार की है। उनको पालना, पढाना और

सर्विस देना सभी काम सरकार की जिम्मेदारी हैं इसलिये मेरी सारे हाउस से प्रार्थना है कि बैकवर्ड औरहरिजन कासवाल हाउस में उठाना ही नही चाहिये। अमरी गरीब का सवाल नही होना चाहिये।

स्पीकर साहब भगवान ने कोई जात नही बनाई सब को इंसान बनाया है इसलिये किसी भाई के साथ कोई भेदभाव नही होना चाहिये। मैं तो यह कहूंगा कि इन कारखाने वालों से यह कारखाने छीन कर हरिजन और बैकवर्ड भाइयों कोदे दो। (विधन) मुझे जनता राज का पता है कि इन्होने अढाई साल के राज में क्या किया है। मोम के कोटे सारे अपने आदमियो ंको दियें। सारे के सारे कोटे कैथल और जींद के भाहर के लोगों को दिये गये। क्या आप बता सकते हे कि कोइ भी कोटा हरजिन , बैकवर्ड या गांव के किसी किसान को मिला हो? आज आप यहां हाउस में गरीबों और बैकवर्ड की बात करते है। आप इन्कवायरी कर के देख लेा सारे कोटै इन्हाने अपने भाहर के लोगों को दिये। आज इन भाइयों को झीवर और दूसरे लोगों की बाते याद आती है।गरीबों का तो नाम लेते है और कोटे अमीरेो को देते हैं।

Shri Mool Chand Jain: Mr. Speaker, Sir, under Rule 89 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislaltive Assembly, Ibeg to move-

That the question be now put.

Mr. speaker: I do not feel justified that the time for putting this motion has come. I have a list of 8 members who still want to speak on this resolution.

श्री सुरेन्द्र(तो ाम): स्पीकर साहब, जो प्रस्ताव हमारे माननीय सदस्य श्री जय नारायण वर्मा जी लाये है उसके बारे में कुछेक बातें कहना चाहता हूं । अगर वे गरीबों की भलाई करना चाहते है, बैकवर्ड भाइयों की भलाई करना चाहते है तो इस मुल्क में जब इनके दल की सरकारथी और हरियाणा प्रान्त में भी इन्ही का ही राज था तो इनकी इच्छा बिल्कूल नही थी कि किसी गरीब या किसी बैकवर्ड क्लास का भला किया जाये। मेरे पास ऐसे आंकडे मौजूद है जिससे यह साफ जाहिर होगाकि जब हिन्दुस्तान में ऐसी ताकत आईन केवल लोकदल ने बल्कि जनता पार्टी ने भी गरीबों की कोई भलाई नही की। हिन्दुस्तान में केवल एक ाम श्रीमती गांधी और श्री संजय गांधी ही गरीबों की भलाई चाहते है। यह बात इस मामले को मदृदेनजर रखते हुये कही गई है कि बी0के0डी0 पार्टी हिन्दुस्तान की पार्लियामैंट में प्रीवी पर्स के बारे में प्रिवीपर्स को खत्म न करने के हक में थी। उस समय उस पार्टी ने यह कहा था कि प्रिवी पर्स चलते रहने चाहिये। श्री जय नारायण वर्मा जी को इस पार्टी का इतिहास यानि लोकदल का इतिहा जबानी याद नही है। मैं उनको बतात हूं कि जब बैकों का नै ानेलाईजे ान किया गया तो उस समय यह पार्टी बैंकों के नै ानेलाईजे ान के हक में नही थी। श्रीमती इन्दिरा गांधी जी नेजब अपना 20 सूत्री कार्यक और श्री संजय गांधी ने अपना 5

सुत्री कार्यक्रम दिया तो उस टाइम्म पर भी वह हक में नही थे। आपको याद होगा कि श्री संजय गांधी नेजो 5 सूत्री कार्यक्रम दिया था उसमें एक सूत्र यह भी था कि माईनोरिटी और हरिजनो ंको उपर उठाया जाये। आज ये भाई कहते है कि बैकवर्ड के लिये हमने काफी कुछ किया है। आज हिन्दुस्तान में किसी न किसी प्रान्त में चुनाव होते रहते है। क्या इस बात को वे भूल गये जब चौधरीचरण सिंह ने उत्तरप्रदे ा में बड़े–बड़े कैपिटलिस्टों को अपनी पार्टी से राज्य सभा का टिकट दिया। मैं इनकी बात को उस समय ईक मानता अगर ये बैक नै ानेलाईजे ान और प्रिवीपर्सिज के समय खुलआम इन दोने बातों की सपोर्ट करते। लेकिन इन्होने इसका विराधे किया था। इसलिये उनकी बात मे ंकोई सच्चाई नहीं है। अध्यक्ष महादेय, इस प्रान्त मं अढाई साल तक इन का राज रहा और इस अवधि के दोरान चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री रह तथासैंटर के अन्दर चौधरी चरण सिंह जी होम मिनिस्टर तथा प्राईम मिनिस्टर रहे। स्पीकरसाहब, मैं किसी व्यक्ति वि ोश पर लांछन लगाना नही चाहताऔर न ही मेरी आदत हैं लेकिन जितने बैकवर्ड और जितने भाडयूल्ड कास्टस भाइयों को उस समय पीटा गया उसकी ऐसी जिन्दा मिसाल इतिहास में आपको कही नही मिलेगी। पन्त नगर और आगरा में, जो यू0पी0 में है, चौधरी चरण सिंह जी की लोकदल की सरकार ने हरिजनो के साथ जो अत्यारचार किया वह किसी से छुपा हुआ नही है। (ाोर) ये आज बात करते है कि हिन्दुस्तान के बैकवर्ड भाइयों के साथ अच्छा व्यवहार नही किया जा रहा है। हिन्दुस्तान में

जनतापार्टी कीसरकार ने जो कुछ किया है वह भी सभी भाइयों को मालूम है। कांग्रेस पार्टी काइतिहास है, कांग्रेस पार्टी की बैकग्राउन्ड है जिसमें गरीबों की भलाई के लिए अच्छेकाम किये गये हैं (विघन) बहन कमला वर्मा जी इस बात को नही जानती कि डा0मंगल सैन जी नेउनको टिकट दिला कर पहली बार एम0एल0एल0 बनाया है(ाोर)

Mr. Speaker: Surrender Singh ji, please confine yourself to the subject matter under discussion.

डा0 मंगलसैनः आप भी तो नये ही आये है । आपके काम ही इतने थे कि कांग्रेस पार्टी की टिकटलेकर चुनाव लडा नही। (ाोर)

श्री सुरेन्द्रसिंहः आज ये लोग गरीबों कीबात करते है और कहते है कि हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के भाइयों..... ....(ाोर)

डा0 मंगल सैनः क्या आप रिवासा कान्ड जैसी हकीकतों को इतनीजल्दी भूल गये है?

चौधरी राम लाल वधवाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मैं आपकी सेवा में एक प्वायंट रखना चाहता हूं। मुझे पता लगा है कि वर्मा साहब ने प्रस्ताव का जवाब दे दिया है। जब रैजोल्यू ान पर डिसक ान हो चूकी हो और उसका जवाब दे दिया गया हो तो उस पर फिर कैसे बहस हो सकती है?

श्री अध्यक्षः मूवर आफ दि रैजोल्यू ान ने कोई जवाब नही दिया। बीच में ही मुख्यमंत्री जी ने इन्टरवीनकरके पूछा था कि आप इसकों वापस लेना चाहते हो तो ले लें लेकिन डिबेट का जवाब कुछ नहीं दिया गया। (ाोर)

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, जब आपनेयह कहा था कि बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी ने टाइम रिकमैंनड नही किया था तो मैने उस समय तक रूल नहीं पढा था।

Mr. Speaker: Shri Surrender Singh has been speaking for the last 6 of 7 minutes, out of which I have notbeen able to listen to him for more than 2 minutes. Ifyou interrupt, then you must also accept interruption.

Shrimati Sushma SwaraJ: I am not interrupting. (Interruptions.)

Mr. Speaker: No interruptions, please.

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, आपने हाउस के सामने एक सवाल रखा था कि मैं डिबेट पर कैसे समय लिमिट कर सकता हूं क्योकि जब बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हुई थी तो उस में टाईम लिमिट केबारे में कोई बात ही नही आई थी।

":(1) Whenever the debate on any motion in connection with a Bill or any other motion (as in this case resolution) becomes, in the opinion of the Speaker, unduly protracted, the Speaker may, after taking the sense of the

Assembly, fix a time limit for the conclusion of discussion on any stage or all stages of the Bill or the motion (of the resolution),as the case may be....."

आपको तो यह लग रहा होगा कि बहस अनडयूल प्रोट्रेक्टिडहोती जा रही है। आप हाउस की सैन्स ले ले कि इस रैजोल्यू ान पर सदस्य और डिसक ान चाहते है या नही। उसके बाद आप समय फिक्स कर दे।

Mr. Speaker: I have just received a list of 9 members who still want to speak on this resolution. I cannot be so presumptuous as to assume that the debate is being protracted when there are still 9 members who are very keen and anxious to take part in the debate on this resolution.

श्रीमती सुशमा स्वराजः हर चीज बहुत लोग चाहते है। हमारी भी भावनायें होती है कि हम बोलें। परन्तु हमें बोलने ही नही देते। मैं भी भाोक प्रस्ताव पर बोलना चाहती थी लेकिन आप द्वारा मुझे टाईम ही नही दिया गया। यह आपकी इच्छा पर है कि आप हमें बोलने के लिये समय दे या न दे। परन्तु ट्रेजरी बैंचिज वाले मैंबर साहेबान बीच में ही बोलने लगजाते है जिसके कारण समय ख्,ाराब हो रहा है।

Local Government Minsiter(Chaudhri Khurshid Ahmed): No discussion in allowed on the ruling of the Speaker.

श्री कन्हैया लाल पोसवालः स्पीकर साहब तमाम प्वायंट की कलैरिफिके ान आ चुकी है। हमारे मैंबर साहेबान बोल रहे थे।उधर के मैंबर बोलने ही नहीं दे रहे है। इसलिये मै आपसे रिकवैस्ट कंरूगा कि आप इन्हे बीच में न बोलने दे।

Mr. Speaker: There are sufficient number of hon'ble Members who still want to speak on this resolution. Le the proceedings be carried on without interruption.

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, मैं आपसे रिकवैस्ट करूंगा कि यदि ये भाोर जारी रखते है तो आप हाउस को स्थगित कर दे।

Mr. Speaker: If the proceedings are interrupted again and again, I will have to adjourn the House.

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन को यह बता रहा था कि हमारे विरोधी भाई अगर बैकवर्ड क्लासिज का या गरीबों का भला करना चाहते है तो .....(व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी गंगा रामः आन ए पंवायट आफ आर्डर सर। (व्यवधान एवं भाोर) स्पीकर साहब आज सुबह से आप जैसे न्यायप्रिय व्यक्ति के कुर्सी पर होते हुये भी हरियाणा विधान सभा में अपोजी ान के मैंबर्ज के साथ अन्याय हो रहा है और रूलिग पार्टी के एम.एल.एज. आज भी हमारे साथ ऐमरजैसी से भी ज्यादा ज्यादती करना चाहते है। जब हम बोलने लगते है तो वे सारे के

सारे एकदम टूटकर पडते है। एक बात मै और कहना चाहता हूं.....
.........(व्यवधान एवं भाोर)

श्री सुरेन्द्र सिहंः स्पीकर साहब, मेरे बडे भाई चौधरी गंगा राम जी जो प्वायंट आफ आर्डर उठाकर समय बर्बाद कर रहे है, यह इनको नही करना चाहिये। इनकों यह पता होना चाहिये कि यह बहुत ही अहम सवाल है। इतने अहम प्रस्ताव पर भी जिसका आप भी समर्थन करते है आप दूसरों को बोलने देना नही चाहते। (व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मेरा प्वायटं आफ आर्डर अभी पूरा नही हुआ है। स्पीकर साहब, जब हम बोलना चाहते है तो हमें तो एक–एक, दो–दो मिनट देते है लेकिन जब इनके यहां से कोई बोलना चाहता है तो उसको आधा–आधा घंटा दिया जाता है। इनके उपर कोइ चैक नही है।

चौधरी खुर ीद अहमदः हमारे किसी भी आदमी ने 7 मिन्ट से फालतू समय नही लिया। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः मैंम्बर साहेबान दो बाते है। एक तो यह कि किस–किस को कितना कितना समय मिला ओर दूसरा यह है कि इन्ट्र ान्ज की गयी। जो ये दो प्वांयटस चोधरी गंगा राम जी ने रेज किये है इनमें से जहां तक इन्ट्र ान्ज का सवाल है, इन्ट्र ान्ज दोनो तरफ से होती है। I am trying to control it. However, if I find that you want to carry on something in a

sense of good humour, I do give some latitude. लेकिन मैं यह कह सकता हूं कि इन्ट्रप ान्ज जो है, जब इधर वाले साहेबान बोल रहे है तो उधर से कोई कसर नही छोडी जाती और जब उधर से बोल रहे थे तो इधर से कोई कसर नही छोडी गई। Interruptions are being made at liberty by both the sides. But if you want, I can control it in two minutes. I can enforce discipline in two minutes. इनका दूसरा प्वायटं यह था कि इधर वालों को ज्यादा टाइम दिया जाता हे उधर वालों को कम समय दिया जाता है। इसके बारे में मैं पहले 10 स्पीकर्ज के बारे में बताना चाहूगां। 9.42 बजे श्री जय नारायण वर्मा ने भुरू किया। उसके बाद मिसिज कमला वर्मा बोली, उसके बाद मिस्टर हरस्वरूप बूरा बोले, उसके बाद कामरेड भांकर लाल बोले और उसके बाद डाक्टर मंगल सैन बोले (व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी गंगारामः किस–किस ने कितना टाईम लिया (व्यवधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः ये साहेबान 9.42 बजे से लेकर 10.42 तक बोले है। Hon. Members, I hope you will note that these are all the leading lights of the Opposition. इसलिये मेरे उपर यह चार्ज लगाना कि ज्यादा समय इनको दिया है it is completely and totally unjustified.

श्री सुरेन्द्र सिहंः अध्यक्ष महोदय, मैं यह अर्ज कर रहा था कि मेरे विरोधी भाई अगर वास्तव में गरीबों की या बैकवर्ड

क्लासिज की भलाई करना चाहते है तो श्रीमती इन्दिरा गांधी से ि ाक्षा ले। इनको भाायद याद होगा सन 1971 में जब चुनाव हुये तो इन सब भाइयों ने मिलकर एक नारा दिया था। ये कहते थे कि इन्दिरा हटाओ और इन्दिरा गांधी जी कायह नारा था कि गरीबी हटाओ। उस वक्त इनके कुछेक भाई जो बाई चांस या गलती से चुन कर लोक सभा मे आये, उन्होने बाद में बगावत की धमकी देनी भाुरू कर दी। जब पिछले चुनाव हुये तो उसमें अपने आपको गरीबों की नुमाइन्दगी करने वालों की तरफ से जातिवाद का नारआया। चाहे वह लोक दल की तरफ से आया या किसी और वालों की तरफसे लेकिन जातिवाद का नारा आया जरूर। उन लोगों को यह बडी गलतफहमी थी कि हिन्दुस्तान में वे लोग जातिवाद का नारा देकरया किसी दूसरे तरीके से चुनाव जीत सकते है। लेकिन लेागों ने ऐसा महसूस किया। (व्यवधान व भाोर)

Shri Mool Chand Jain: He is not speaking relevant, Sir.

Mr. Speaker: Please confine yourself to the subject in hand.

Shri Surrender Singh: I am very much relevant to the subject, Sir. एक बडे सीनियर आई0ए0एस0 अफसर मुझे यह बता रहे थे कि जब चुनाव हुये उस रात उनको ऐसा महसूस हुआ कि तमाम हिन्दुस्तान के लेागों ने यह फैसला किया कि अगर इस मोके परकोई गरीब या बैकवर्ड क्लासिज का भला कर सकती है तो वह इन्दिरा गांधी ही कर सकती है। बाकी लोग चाहे वह किसी

भी पार्टी से ताल्लूक रखते हों, चाहे वे किसी भी पार्टी के लीडर हो, चाहे प्राईम मिनिस्टर किसी भी जाति के बना दिये जाये, वे इस मुल्क का भला नही कर सकतै। इस मुल्क का भला केवल इन्दिरा गांधी ही कर सकती है तमाम मुल्क ने तो यह फैसला दे दिया है मगर हमारे ये भाई इस बात को मानने के लिये तैयार नही है। (व्यवधान एवं भाोर) डाक्टर साहब केबारे में मैं भी कुछ नही कहना चाहता हूं। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री मुल चन्द जैनः स्पीकर साहब, आपके आदे ा के बावजूद भी, माननीय सदस्य उसी तरीके से बोल रहे है। वे अपनी बात कहने से रूके नही है।

एक आवाजः वह इररैलेवैन्ट नहीं है।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने जो डायरैक ान दी है, क्या उस हिसाब से वह ठीक बोल रहे है? (व्यवधान एवं भाोर)

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकरसाहब, बाबू मूल चन्द जैन और डाक्टर मंगल सैन जी बडे सीनियर लैजिस्लेटर्ज है, मै इनके बारे में कुछ नही कहना चाहता हूं।

Mr. Speaker: Please confine your speech to the subject. I would request all the Hon. Members to stick to the subject in hand.

श्री सुरेन्द्र सिंहः मैं तो केवल इतना कहना चाहता हूं कि जिस पार्टी केअन्दर बाबू मूल चन्द जैन जी गये है, उस पार्टी का इलैक ान मैनीफैस्टो चुनाव से पहले बंटा ही नही था।(व्यवधान एवं भाोर) हमने इलैक ान तो देखा लेकिन न आपके इलैक ज्ञन मैनीफैस्टो की एक कापी देखी और न ही वह प्रैस में आया। आपने हमारा मैनीफैस्टों जरूर पढा होगा(व्यवधान एवं भाोर)। स्पीकर साहब, इन्होने कितनी खूबसूरत बात की जो बी0पी0 मंडल कमी ान बनाया। (व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी संत कंवरः आन ए पवायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, इन्होने जो यह इल्जाम लगाया है कि हमारी पार्टीका जो घोशणा पत्र था वह एक जाट का घोशणा–पत्र था, इससे बडी गलत बात कोई नही ंहो सकती। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैने किसी जाति का नाम नही लिया है। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री भले रामः स्पीकर साहब, चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी नेयह कहा है कि हमारा घोशणा पत्र चुनाव के बाद डिक्लेयर हुआ है। मैं इनकां यह बताना चाहता हूं कि अगर हमारा घोशणा पत्र बाद में आता तो हमारे 34 परसैन्ट वोट कैसे आये और आपको 32 परसैन्ट वोट कैसे मिले?

श्री सुरेन्द्र सिंहः मैं यह बताना चाहता हूं कि कास्टीज्म के नाम पर .....(व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, इन्होने कह तो दिया कि आपके इतने परसैन्ट वोट आये और हमारे इतने परसैन्ट वोट आये। मगर यह क्या कोई एक बात भी उस घोशणा पत्र की बता सकते है जोउसमें दी हुई हो?

श्री मुल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मैं आपसे यह दोबारा अपील करूंगा कि आप इनको चैक करें ताकि ये ऐसी कोई बात न कहे जो इररैलेवैन्ट हो।

Mr. Speaker: I am felling helpless because you have been interrupting while they were making speeches.

श्री मूलचन्द जैनः आप हैल्पलैस तो नहीं है । आप इनको चैक कर सकते है।

Mr. Speaker: Right, I am not helpless. I have been checking them also. But interruptions from one side do invite provocation from the other side.

श्री सुरेन्द्र सिंहः तो स्पीकर साहब, मैं बी0पी0 मंडल कमी ान की बात कर रहा था। बात यह थी कि तमाम हिन्दुस्तान में बैकवर्ड क्लासिज का भला कैसे हो सकता है, इस पर विचार करने के लिए इन्होनेयह कमी ान बनाया लेकिन क्या उस कमी ान की रिपोर्ट अढाई साल हो गये आज तक आई? यह भाई बैकवर्ड भाइयों को यूं ही बहकाते रहै। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री मूलचन्द जैनः वह अप्वांयट किसने किया था?

श्री सुरेन्द्र सिंहः वह अप्वांयट तो आपने किया था लेकिन क्या उसकी अढाई साल हो गये कोई रिपोर्ट आई है। (व्यवधान एवं भाोर)

Mr. Speaker: Do not talk in between yourselves, but address the Chair. (Interruptions)

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकरसाहब, ये लोग क्रेडिट तो इस बात कालेते है कि हमने बी0पी0 मंडल कमी ान नियुक्त किया लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि इसकी क्या जरूरत थी? जो पांच बातें बैकवर्ड क्लासजि के फायदे के लिये श्री जय नारायण वर्मा ने यहां पर रखी है क्या इनको भी कमी ान में भेजने की जरूरत थी? अध्यक्ष महोदय, हकीकत यह है कि इस मुल्क में जब जब चुनाव होते है और नौ प्रान्तों में अभी चुनाव होने वाले है तो चुनाव के वक्त यह तमाम जगह बैकवर्ड क्लासिज के और हरिजन भाइयों के किसी न किसी तरह का नारा देकर वोट लेना चाहते है और अगर कोई भाई नारे में न आये तो इनका सीधा फार्मूला है– आ जाना पोंलिग स्टै ान पर। अध्यक्ष महोदय, लोकदल के मेरे साथी खूबसूरत नोजवान है, जब ये मेलों में जाते है तो ये बडे जोर भाोर से कहते हैकि लोकदल पहले इतनी परसैन्ट वोटो से जीता है और आगे भी इतनी वोटो से जीतेगा। स्पीकर साहग, मै इनके मैकफिस्टों के बारे में बताना चाहता हूं (व्यवधान) मै तो यह बतानाचाहता हूं कि लोकदल के मैनिफैस्टों में बैकवर्ड क्लासिज के लिये क्याहैं (व्यवधान)। मैं इन आपोजी ान के भाइयों से और

खासकर लोकदल के अपने साथियों से कहना चाहता हूं कि ये 20 सूत्री कार्यक्रम की एक–एक कापी ले ले और अगर इनको न मिल सकती हो तो मै। चीफ मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करूंगा कि डी0पी0आर0 से 20 सूत्री कार्यक्रम की एक–एक कापी इनको भिजवा दे।

श्री अध्यक्षः चौधरीसुरेन्द्र सिंह अब आप खत्म करे।

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, 20 सूत्री कार्यक्रम को अगर चौधरी देवी लाल या चौधरी चरण सिंह अमली जामा पहना देते तो वर्मा साहब को यह तकलीफ न करनी पडती कि पांच छः लाइन किसी से लिखवाते और आकर कहते कि बैकवर्ड कलासिज का सरकार ने कुछ भला नही किया। वर्मा साहब आप भी बैकवर्ड क्लासिज का भला नहीं करना चाहते है।। मैं कहना चाहता हमं कि जब बैकवर्ड क्लासिज के बच्चे कालेजिज में पढेगें और अच्छी नोकरियों पर लगजायेगें तो मुझे यकीन है कि वे श्री जय नारायण को लीडर नही मानेगें औरअगर लीडर नही मानेगें तो इनकी दूकान नही चलेगी। अध्यक्ष महोदय, जो भाई जातिवाद का नारा देते है वे इस दे ा में जम्हूरियत के दू मन है।

श्री अध्यक्षः अब आप समाप्त करें।

श्रीसुरेन्द्र सिंहः स्पीकरसाहब, मैं अभीखत्म कर रहाहूं। स्पीकर साहब, मै ंयह मानता हूं कि बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को सारी सुविधायें मिलनी चाहये लेकिन इसके साथ ही साथ हमारे

जो दूसरे साथी है वे सभी जातियों से ताल्लूक रखते है। वे एक बात सोचते है कि इसदे ा में गरीब किसान है, बरीब मजदूर हैचाहे वे बनिया है या ब्रहाण है, उनका भी कुछ किया जानाचाहिये। स्पीकर साहब, क्या ये इस बात से इन्कार कर सकते है कि हरियाणा में ऐसे ब्रहाण है जिके पास एक इंच भी जमीन नही है ऐसे बनिये है जिके पास खाने के लिए भााम की रोटी नही ंहै। ऐसे जाट भी इस प्रान्त में है निका गुजारा मू ि कल से चला है और उनके पास एक इंच जमीन भी नही है। मैं अपने भाईयों से कहूंगा कि वे सब के लिये बात करें। हम तो चाहते हे कि बेकवर्ड क्लासिज के लोगों कोरोजगार मिले, नौकरी मिले। मैं वर्मा साहब को ऐ बात कहना चाहता हूं कि वे खादी बोर्ड के चेयरमैन रहे है और अब भी धक्के से उसे चेयरमैन रहना चाहते है। क्या वे अपने सीने पर हाथ रखकर कह सकते है कि उन्होने कभी यह सौचा कि चूंकि मैं तो विधानसभा कासम्मानित सदस्य हूं इसलिये किसी दूसरे भाई को इस बोर्ड का चेयरमैन बनाया जाये। स्पीकर साहब, मैं बैकवर्ड क्लासिज के बहूत से ऐस पठकों की लिस्ट दे सकता हूं जो एम0ए0 पास है वैल क्वालिफााइड है औार खादी बोर्ड का काम बहुत अच्छी तरह से कर सकते हैं (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं तो एक ही बात कहुंगा कि ये लोग बैकवर्ड क्लासजि का हरिजन का या दूसरी कास्टस कानारा लगाते है तो यह सिर्फ बहकाने की बात है। इनके दिल में बैकवर्ड लोगों केलिये या हरिजनो के लिये कोई हमदर्दी नही है। मै तो यहां तक कहने के लिये तैयार हू कि जब ये अपना ही भला नही कर सकते तो किसान, गरीब ओर मजदूर

का क्या भला करसकेगें? अश्यक्ष महोदय, 1977 में जब चुनाव हुये, इनके साि 76 आदमियों का बहुमत था और लोकदल का इनका चीफ मिनिस्टर था। वह आदमी 76 आदमियों का बहुमत लेकर भी जब हरियाणा का राज नही चला सका तो इन्होने जनता का क्या भला करना है? (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह हमे ाा कास्टइज्म की बात करते है। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, एक प्रैस कांफ्रैस में जब अखबार वालो ने चौधरी खुर ाीद अहमद से पूछा कि क्या तुमको बीस सूत्री कार्यक्रम के बारे मे पता है तो इन्होने कहा मैंने 20 सूत्री कार्यक्रम नही पढा है। मै चौधरी सुरेन्द्र सिंह को कहनाचाहता हूं कि पहले चौधरी खुर ाीद अहमद को तो बीस सूत्री कार्यक्रम पढा देते। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह कोई पंवायट आफ आर्डर नही है।

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, बैकवर्ड क्लासिज के भाइयो के लिये मैने पांच सुझाव गवर्नमैंट को दिये हे और इनसे उन भाइयों का काफी भला हो सकेगा। ये पांचो सुझाव मैंने सरकार को दे दिये है।

डा0 मंगल सैनः आप बताइये कि वे कौन से सुझाव है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। जब प्रोट्रेक्टिड डिसक ान के बारे में प्वांयट उठाया

गया था तो आपने यह कहा था कि अभी आपके पास नौ मैंबर्ज की लिस्ट है जो बोलने वाले है। तो क्या प्रोट्रैक्टिड भाब्द का मतलब यह समझा जाये कि डिसक ान उस वक्त तक बन्द नही होगी जब तक मैंबर्ज बोलना चाहते हो।क्या आप यह प्रैसिडैंट कायम कर रहे हे कि जब तक बोलने वाले मैंबर्ज होगे उस वक्त तक डिसक ान बन्द नही होगी? यह प्रिंसीपल सिंर्फ ट्रेजरी बैंचिज के लिए ही लागू होगा या अपोजी ान के लिए भी?

श्री अध्यक्षः मेरे दोस्त ने जो प्वांयट आफ आर्डर रेज किया है उसका पहला प्वायंट यह है कि प्रोट्रिक्टिड भाब्द के क्या मायने निकल सकते हैं। मैं बताना चाहता हूं कि डिफरेन्ट सबजैक्टस के लिए प्रोट्रेक्टिड भाब्द के डिफरेंट मीनिंग हो सकते है। जहां तक मुझे यादहै हमारे लेट लेमैन्टिड श्री कृश्णा मैनन यू. एन.ओ. मे साढे नौ घंटे नौन स्टाप बोले थे (व्यवधान) औरउसको चेयरमैन ने प्रोट्रेक्टिड डिबेट नही समझा। तो डिफरेन्ट ओकेजन्ज के लिए इसके डिफरैन्ट मीनिंग हो सकते है। बैकवर्ड क्लासिज की बहबूदी और बेहतरी का जो यह रैजोल्यू ान है यह एक महत्वपूर्ण रेजोलयू ान हैऔर मैंसमझता हूं कि इतने महत्वपूण्र सबजैक्टपर बोलने के लिए मैम्बर साहिबान ऐजिटेटिड फील कर रहे है। दूसरी बात यह है कि जहां पर किसी आइटम के बारे में बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी ने समय मुकर्रर किया है और हाउस उसको मन्जूर कर ले तो मैं गिलोटीन ऐप्लाई करक`उस पर डिसक ान बन्द करसकता हूं।ओरजहा ंपर बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी या

हाउस का कोई फैसला न हो तो मुझे सैनस आफ दिहाउस को मानना पडेगा।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं उन सुझावों के बारे में बताना चाहता हूं जो मैने हरियाणा सरकार को बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के बारे में भेजे है। पहला तो यह है कि बैकवर्ड क्लास के जो ऐजेकेटिड नौजवान है वे मिलकर सोसायटीज बनाये और इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट औरसरकार की आरे से उनकी पूरी तरह मदद की जाये। उनको लोन देने में प्रैफरैन्स दिया जाये। स्पीकर साहब, अब तक सबसिडी का जहां तक ताल्लूक है यह नियम है कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट जिस इलाके को इंडस्ट्रियली बैकवर्ड घोशित कर देती है वहां पर सरकार की ओर से सबसिडी दी जाती है। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि वह सैन्ट्रल गवर्नमैंट को लिखे कि अगर बैकवर्ड क्लासिज के नौजवान अपनीसोसायटी बनाकर, किसी भी जगह चाहे बैकवर्ड है या नही है, इंडस्ट्री लगाना चाहें, चाहे वह इलाका दिल्ली के नजदीक ही क्यों न हो तो उनको वहां पर इंडर्ड परसैन्ट सबसिडी मिलनीचाहिये।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

श्री जय नारायण वर्मा द्वारा

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय , मेरे साथी, चौधरीसुरेन्द सिंह, जोकि उमर मे मेरे से छोटे है पर लायक मेरे

से ज्यादा है, ने अपनी स्पीच में बोलते हूये देा बाते मेरे बारे में कही। एक तो यह कि इस रैजोल्यु ान के पांच लफज मैं दफतर में जाकर के लिखवा लाया और दूसरी बात यह कही कि खुद का भला तो कर नही सकते और दूसरों के भले के बारे में कहते है। अध्यक्ष महोदय इन देानों बातों के जवाब में मेरा यह कहना है कि मैं उनकी तरह इतना पढा लिखा तो नही हूं कि अपना ही भला कर सकूं पर इतना पढा लिखा जरूर हूं कि मैं अपना ड्राफ् आप बना सकता हूं। (ाोर एव व्यवधान)

Shri Surrender singh: Speaker Sahib, the hon'ble member has misunderstood what I have siad. मेरा कहने का मतलब तो यह थाकि .....(ाोर एव व्यवधान)

Mr. Speaker: No interruptions please.

गैर–सरकारी संकल्प(पुनरारम्भ)

चौधरी संत कंवर(हसनगढ): स्पीकर साहब, श्री जय नारायण वर्मा जी ने जो यह रैजोल्यु ान इस हाउस में पे ा किया है, मै उसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं। यह प्रस्ताव बडा महत्वपूर्ण है और यह जरूरी भी था। जितने भी वक्ता इस पर बोले हैचाहे वे हमारी पार्टी से सम्बन्धित थे या कांग्रेस(आई) से सम्बन्धित थे, सभी की इस रैजोल्यु ान पर एक ही राय थी कि यह जो प्रस्ताव है, इसकों सर्वसम्मति से मन्जूर

किया जाये। और अब तक अपोजी ान की तरफ से वोटिग के लिये कहा जा रहा है तो ये कांग्रेस (आई) वाले भाग रहे है। स्पीकर साहब,एक तरफ तो इनकी पार्टी की तरफ से बोलने वाले वक्ता थे, उनका विचार था कि बैकवर्ड क्लासिज की रिजर्वे ान का जो यह प्रस्ताव यहां पर आया है, इससे पिछडे वर्गों को काफी सहूलियतें मिलेगी और दूसरी तरफ अन्दर ही अन्दर क्या कार्यवाही हो रही है यह आपके मन में भी हैं (ाोर) यह वोटिग नही होनेदेना चाहते है।

श्री अध्यक्षः मेरे मन में कुछ नही है।

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, मेरा कहने का यह मतलब है कि आपके नोटिस में होगा। (विघन) क्योंकि आज समय बीतता जा रहा है डेढ बजने वाला है। हमारे विचार में इन्होने भाुरू में ही ऐसी प्लान बनाई थी कि इस पर कही वोटिग न हो जाये। (ाोर एवं व्यवधान)

आवाजें: स्पीकर साहब, समय बीतता जा रहा है, इस वोटिंग होनी चाहिये।

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, सारे हाउस की सैनस इस रेजोल्यू ान के हक मे थी और उधर से चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने भी बोलते हुये खूब इसकी पीठ ठोकी थी कि बैकवर्ड क्लासिज के लिये तमाम बाते मानी जानी चाहिये। इसके बातजूद भी जिस तरीके से अब ये लोग वोटिग से भाग रहे है,

धक्का ाही कर रहे है, यह उचित बात नही है। (ाोर) इस पर बोलते हुये भाई सुरेन्द्र सिंह ने बडी बयानबाजी की थी ओर इस रेजोल्यू ान के बारे काफी बातें कही थी लेकिन उनको याद नही कि 30 हजार हरिजन चौधरी बंन्सी लाल के समय पर दिल्ली की जेलों में बन्द कर दिये गये थे। (ोम, भोम) और आज ये हरिजनों के उत्थान की बातें करते हैं

श्री कन्हैया लाल पोसवालः स्पीकर साहब मेरा प्वायंट आफ आर्डरहै। यह जो रैजोल्यू ान है, यह बैकवर्ड क्लासिज के लौगों से संबंधित है जबकि मेरे साथी किसी और टोपिक पर बोल रहे है। May I have your ruling on this? इससे आगे मैं यह भी कहना चाहता हूं कि मैंबर साहब को बोलते वक्त किसी बाहर के आदमी के बारेमें, जोकियहां पर अपने आपको डिफैन्ड भी न कर सकता हो, नही कहना चाहिये।

Mr. Speaker: I would request the Hon'ble member to confine to the subject in hand.

चौधरी संत कंवरः स्पीकरसाहब, मेरा कहने का मतलब यह था कि आज ये यहां पर हरिजनों की बाते ंकर रहे है लेकिन दूसरी तरफ इनके अपने ही समय में हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज की औरतों के जेलों में बच्चे हुये। इस तरह का अत्याचार इनके अपने ही राज्य में होता रहा है। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please confine yourself to the subject in hand.

चौधरी खुर ाीद अहमदः स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। मेरे लायक दोस्त चौधरी संत कंवर जी ने अपनी स्पीच में बोलते हुये एक दो बातें कहीं। पहली बात तो यह थी कि दिल्ली में चौधरी बंसीलाल जी के वक्त में हरिजनों को जेलां में भेजा गया। मेरा उन से यह कहना है कि यह रैजोल्यू ान जेलों से ताल्लूक नही रखता है इनको अपने सबजैक्ट पर ही बोलना चाहियें। क्या ये रैलेवेन्ट बोल रहे है?(ाोर एवं व्यवधान)

डा0 मंगल सेनः झज्जर तहसील की जमीन के बारे में कह रहे थे। (ाोर)

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, समय हो रहा है , ये यूं ही समय जाया कर रहे हैं (ाोर) इस रैजोल्यू ान पर वोटिंग करवाई जाये। (ाोर)

आवाजेंः स्पीकर साहब, बिल्कुल ठीक है, इस पर अभी वोटिग होनी चाहियें (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ता(जींद): स्पीकर साहब, मेरे आदरणीय साथी, श्री जय नारायण वर्मा जी ने जो रैजोल्यू ान इस हाउस के सामने पे ा किया है, मै ंउस पर बोलने के लिये खडा हुआ हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: The House now stands adjourned till 9:00 a.m. Friday, the 14th March, 1980.

13.30 P.M.

(The Sabha then adjourned till 9.00 hours on Friday, the 14th March, 1980.)